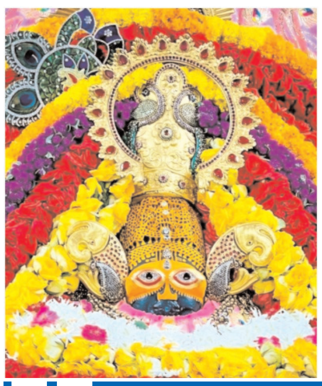

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:291। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 12 जून 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

केंद्र और राज्य मिलकर दे सकते हैं 'विकसित भारत' के साझा लक्ष्य को गति : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र और राज्य विकास के साझेदार के रूप में मिलकर कार्य करें तो भारत 'विकसित भारत' के साझा लक्ष्य की दिशा में और अधिक तेजी से आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। नीति आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा कि दुनिया इस समय अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, लेकिन भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी विकास यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

राज्यों के बीच सहयोग, संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान विकास का आधार होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच सहयोग, संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान विकास का आधार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीति आयोग राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक प्रभावी मंच बन सकता है। राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में मिलकर कार्य कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिनसे विकास और निर्यात के नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये समझौते सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए भी वैश्विक बाजारों में प्रवेश का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। इसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ानी होगी।

उन्होंने कहा कि भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति एक ऐतिहासिक अवसर है। इसे खोया नहीं जा सकता। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग आधारित कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। सशक्त युवा विकसित भारत की यात्रा के प्रमुख प्रेरक बनेंगे।

उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व वाला विकास विकसित भारत की परिकल्पना का महत्वपूर्ण आधार है। कृषि, स्टार्टअप, विज्ञान और नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। राज्यों को महिलाओं की शिक्षा, कौशल विकास, सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि उनकी पूरी क्षमता का उपयोग देश के विकास में हो सके।

ओमान तट के पास एक और जहाज पर हमला

भारत ने दर्ज कराया विरोध

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत ने ओमान तट के पास भारतीय नाविकों वाले लगातार तीसरे जहाज एमटी जलवीर पर अमेरिकी हमले को लेकर गुरुवार को कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने कहा कि जहाजों पर हो रहे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि ओमान तट के पास एक जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई है। भारत ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। इस मामले में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर भारत की गंभीर चिंता और विरोध से अवगत कराया गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। भारत अपने नाविक समुदाय की सुरक्षा तथा कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले अत्यंत चिंताजनक हैं और ये वहां जारी

संघर्ष का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता की बहाली के लिए संवाद तथा कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

4 दिन में टीएमसी के 4 राज्यसभा सांसदों का इस्तीफा

दावा-20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके

कल्याण बनर्जी बोले- ममता मुझे चुनें या अभिषेक को

एजेंसी
कोलकाता। टीएमसी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक और कोयल मल्लिक ने

गुरुवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। पिछले चार दिन में 13 में से चार राज्यसभा सांसद ममता को छोड़कर जा चुके हैं। 10 जून को सुष्मिता देव ने रिजाइन किया था। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी छोड़ी थी। इससे पहले ज्ञस्ष्ट की बागी सांसद काकोली घोष ने दावा किया था कि 20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके हैं। वहीं, 80 में से 58 ज्ञस्ष्ट विधायकों का भी अलग गुट बन चुका हैं। इस बीच, ममता बनर्जी के सबसे करीबी सांसद कल्याण बनर्जी की भी नाराजगी सामने आई। कल्याण की नाराजगी की वजह TMC का फर्जी साइन केस है। उन्होंने कहा कि ममता दीदी को तय करना होगा कि वे मेरे साथ हैं या अभिषेक बनर्जी के साथ। अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वे बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई है। उन्होंने कहा, अगर ममता दीदी को अभिषेक पर ही निर्भर रहना है, तो उनके साथ रहें और मुझे छोड़ दे। अगर उनसे अलग रास्ता चुनती हैं, तो मैं ममता दीदी के साथ हूं।

इस्तीफे के बाद प्रकाश चिक बोले- मैं बूढ़ा नहीं हुआ, आगे समय बताएगा

इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रकाश चिक ने कहा- पश्चिम बंगाल में लोगों का फैसला भाजपा के पक्ष में था। पार्टी ने वहां सरकार बनाई। मेरे अपने चुनाव क्षेत्र में हम एक भी सीट नहीं जीत पाए। उत्तर बंगाल में भी नतीजे अच्छे नहीं रहे। इस जनादेश को देखते हुए मुझे लगा कि अब मेरे पद पर बने रहना ठीक नहीं है। इसलिए, मैंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। आगे इंतजार कीजिए, समय के साथ सब सामने आएगा। मैं अभी बूढ़ा नहीं हूं। भविष्य में मैं क्या करूंगा, यह समय ही तय करेगा।

कंगना ने पीएम मोदी को बताया दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता

एजेंसी
जोधपुर। फिल्म अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि उनके नेतृत्व में देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता के प्रीमियर के लिए गुरुवार को कंगना जोधपुर पहुंची। एयरपोर्ट पर मीडिया से संक्षिप्त बातचीत के दौरान कंगना ने कहा कि दुनिया जब युद्ध से ग्रस्त है, तब भी भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। प्रधानमंत्री को दुनिया सबसे ज्यादा रेटिंग दे रही है। उन्होंने इसे उनके नेतृत्व की शुरुआत बताया और आने वाला दशक देखने की उम्मीद जताई। कंगना ने अपनी फिल्म भारत भाग्य विधाता के बारे में बताया कि इसके प्रेरणा स्रोत देश के वे हजारों भाई-बहन कर्मचारी हैं, जो दिन-रात देश को बनाने में जुटे रहते हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म का ग्रैंड प्रीमियर जोधपुर में रखा गया है। अभिनेता जॉन अब्राहम को फिल्म का टाइटल देने के लिए उन्होंने धन्यवाद दिया। एयरपोर्ट से कंगना सीधे सिनेमा हॉल के लिए रवाना हो गईं, जहां प्रीमियर आयोजित किया गया।

'प्रधानमंत्री को दुनिया सबसे ज्यादा रेटिंग दे रही है।'

मेघालय की आवाज बनेंगे जेम्स संगमा

• राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

एजेंसी
शिलांग। मेघालय की एकमात्र राज्यसभा सीट पर नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के वरिष्ठ नेता जेम्स संगमा निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। नामांकन वापसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद मेघालय विधानसभा के सचिव एवं रिटर्निंग अधिकारी माल्थस एस. संगमा ने उन्हें निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपकर उनकी जीत की औपचारिक घोषणा की। प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद जेम्स संगमा ने कहा कि राज्यसभा में मेघालय का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वह संसद में मेघालय और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की आवाज को मजबूती से उठाने का प्रयास करेंगे, ताकि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उचित महत्व मिल सके। उन्होंने कहा कि खासी और गारो भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने तथा मेघालय में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लागू करने जैसे लंबे समय से लंबित मुद्दों को वह प्राथमिकता के आधार पर संसद में उठाएंगे। उन्होंने कहा कि इन दोनों विषयों पर मेघालय विधानसभा पहले ही प्रस्ताव पारित कर चुकी है। जेम्स संगमा ने यह भी कहा कि वह राज्य सरकार और केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ समन्वय स्थापित कर विकास परियोजनाओं को गति देने तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रयास करेंगे।

कॉमेडी शो मामले में एनसीडब्ल्यू ने हरियाणा डीजीपी को दिए कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने गुरुग्राम में आयोजित एक स्टैंड-अप कॉमेडी शो से जुड़े वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए गुरुवार को पुलिस महानिदेशक को कार्रवाई के निर्देश दिए है। स्टैंडअप कॉमेडी के दौरान एक महिला के प्रति जबरदस्ती छूने और गैर-सहमति वाले व्यवहार का महिमामंडन करने वाली टिप्पणियां की गईं, जिन्हें दर्शकों द्वारा सराहा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग को अध्यक्ष विजया रहाटकर ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर तत्काल, सख्त और समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट भी मांगी है। आयोग ने भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर दर्ज होने की स्थिति, संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई, वायरल वीडियो की जांच और सत्यापन सहित कार्यक्रम आयोजकों, कलाकारों और आयोजन स्थल प्रबंधन की भूमिका की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

ममता बनर्जी के साथ थे, हैं और आगे भी रहेंगे : शत्रुघ्न सिन्हा

पश्चिम बर्दवान। पश्चिम बंगाल के आसनसोल से लोकसभा सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कहा कि उनका तृणमूल कांग्रेस छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ थे, हैं और आगे भी रहेंगे। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि ममता बनर्जी एक संघर्षशील नेता हैं। जब राजनीतिक तौर पर उनके लिए कठिन समय था, तब ममता बनर्जी ही एकमात्र ऐसी नेता थीं जिन्होंने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि पटना साहिब लोकसभा चुनाव में हार के बाद जब कोई उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, तब ममता बनर्जी ने उन पर भरोसा जताया और उन्हें आसनसोल से चुनाव लड़ने का अवसर दिया। उनके नेतृत्व और आसनसोल की जनता के समर्थन की बदौलत उन्हें लगातार दो बार शानदार जीत मिली। सांसद ने कहा कि वह ममता बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस, आसनसोल की जनता और पूरे बंगाल के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वह केवल उन लोगों के सांसद नहीं हैं जिन्होंने उन्हें वोट दिया, बल्कि उन लोगों के भी प्रतिनिधि हैं जिन्होंने उन्हें वोट नहीं दिया। वह सभी के लिए समान रूप से काम करते रहेंगे और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

गैरमराठी बस चालक सीखें मराठी भाषा : प्रताप सरनाईक

इस बारे मे परिवहन मंत्री ने एक खुला पत्र जारी कर जनसमर्थन और सहयोग की अपील की है

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री और शिवसेना नेता प्रताप सरनाईक ने आग्रह किया है कि गैरमराठी भाषी बस चालकों को मराठी भाषा सिखनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि चालकों को यात्रियों से मराठी भाषा में ही संवाद करना चाहिए। इस बारे मे परिवहन मंत्री ने एक खुला पत्र जारी कर जनसमर्थन और सहयोग की अपील की है। अपने पत्र में परिवहन मंत्री सरनाईक ने कहा कि मराठी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की संस्कृति, पहचान और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इसलिए इसके संरक्षण और सम्मान की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक व्यक्ति की है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कार्यरत प्रत्येक व्यावसायिक यात्री वाहन चालक के लिए व्यवहारिक मराठी का ज्ञान समय की आवश्यकता बन गया है। यदि चालक यात्रियों के साथ मराठी में संवाद करेंगे, तो इससे न केवल भाषा का संवर्धन होगा, बल्कि सामाजिक संबंध भी अधिक आत्मीय, सौहार्दपूर्ण और प्रभावी बनेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाषा केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं होती, बल्कि वह संस्कृति, परंपराओं, मूल्यों और सामाजिक पहचान को संजोने का माध्यम भी है। इसलिए दैनिक जीवन और व्यवहार में मराठी भाषा का अधिकाधिक उपयोग होना आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश के गोंडा में भीषण सड़क हादसा

दो सगे भाइयों समेत 5 की मौत

एजेंसी
गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के करनैलगंज थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में दो सगे भाइयों समेत कुल पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि चार लोगों को मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि तीन लोग घायल हो गए थे। इनमें दो की हालत नाजुक होने पर लखनऊ रेफर किया गया, जिसमें एक की गुरुवार को मौत हो गई।

अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) राधेश्याम राय ने गुरुवार को बताया कि ये हादसा करनैलगंज क्षेत्र में बुधवार रात गोंडा-लखनऊ हाईवे पर नारायणपुर मोड़ के पास हुआ। तरहटा गांव निवासी संजय तिवारी रात में काम से घर लौट रहे थे। रास्ते में एक डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क किनारे गिरकर घायल हो गए। संजय की आवाज सुनकर आसपास के लोग उनकी मदद के लिए पहुंचे। कुछ लोग उन्हें सड़क पार कर सुरक्षित स्थान पर ले जाने और अस्पताल पहुंचाने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच करनैलगंज की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पर मौजूद लोगों को टक्कर मार दी। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसपुर ले जाया गया, जहां गुलशन (25), संजय तिवारी (33), हसन मोहम्मद (40) और इम्तियाज अली (27) को मृत घोषित कर दिया गया। घायल तीन लोगों का इलाज चल रहा था। इनमें दो की हालत नाजुक होने पर लखनऊ रेफर किया गया, जहां 10 वर्षीय बच्चे अंशुमान की आज मौत हो गई। सभी मृतक करनैलगंज के निवासी थे।

एमपी- भाजपा ने तीनों राज्यसभा सीटें निर्विरोध जीतीं

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीनों सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवार निर्विरोध जीत गए हैं. बीजेपी ने तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को उम्मीदवार घोषित किया था. रिटर्निंग ऑफिसर ने गुरुवार (11 जून) को तीनों को जीत का सर्टिफिकेट दिया. दरअसल, कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद तीनों ही सीटों पर चुनाव की जरूरत नहीं पड़ी. राज्यसभा चुनाव के लिए 18 जून को वोटिंग होनी थी. गुरुवार (11 जून) को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख थी. मैदान में तीन ही उम्मीदवार बचे, ऐसे में वो निर्विरोध विजयी घोषित किए गए।

'हमारे पास दो महीने का फुल स्टॉक है'

पेट्रोल-डीजल और गैस की किल्लत से जुड़ी खबरों पर सरकार का जवाब

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के पास अगले दो महीनों के लिए कच्चा तेल, एलपीजी और एलएनजी का पर्याप्त स्टॉक है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यह दावा करते हुए उपभोक्ताओं और उद्योग जगत को ईंधन की आपूर्ति के प्रति आश्वस्त किया है। अंतरमंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान गुरुवार को उन्होंने कहा कि प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है और तेल बेचने वाली कंपनियां देश में इनकी निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। इस बारे में सरकार की ओर से और क्या बताया गया, आइए जानते हैं।

क्या आपको भी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी पर ईंधन खत्म होने की चिंता सता रही है? अगर हां, तो आपके लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि देश में कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी का पर्याप्त भंडार मौजूद है। सरकार ने गुरुवार को उपभोक्ताओं और उद्योगों को आश्वस्त किया है

कि आपूर्ति से जुड़ी कोई भी समस्या नहीं है और पैनिक में आकर जरूरत से ज्यादा खरीदारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है। उन्होंने कहा, 'कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की सप्लाई स्थिर है और हमारी रिफाइनरियां अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रही हैं '।

पिछले कुछ दिनों में एलपीजी की मांग और डिलीवरी का क्या रिकॉर्ड रहा है?

पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा साझा किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, एलपीजी की आपूर्ति बहुत ही मजबूत स्थिति में है। **शर्मा ने बताया कि:**

- पिछले तीन दिनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की करीब 1.40 करोड़ बुकिंग प्राप्त हुई, जबकि इसी दौरान 1.49 करोड़ सिलेंडर डिलीवर भी किए गए।
- कमर्शियल (व्यावसायिक) एलपीजी की बात करें तो इसी अवधि में लगभग 22,340 टन गैस बेची गई है।
- वहीं, 5 किलो वाले छोटे एलपीजी सिलेंडर की बिक्री लगभग 1.91 लाख यूनिट दर्ज की गई।

टीएमसी-कांग्रेस विलय की अटकलों पर विराम, केसी वेणुगोपाल बोले- 'सिर्फ अफवाहें, सच्चाई नहीं'

नई दिल्ली। टीएमसी के कांग्रेस में विलय की चर्चाओं के बीच कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इन सभी अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी और कांग्रेस के विलय को लेकर चल रही खबरें महज अफवाहें हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है। वेणुगोपाल ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'ये पूरी तरह अफवाहें हैं। हमारी कम्युनिकेशन सेक्रेटरी पहले ही इस बारे में स्पष्ट कर चुकी हैं। इन बातों का कोई आधार नहीं है।' उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी। हालांकि, इन मुलाकातों को लेकर उठ रही अटकलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सामान्य राजनीतिक चर्चा थी। केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'यह इंडिया ब्लॉक से जुड़ी चर्चाओं का विस्तार था।

क्या राजदीप सिंह नकुम ने सुपारी ली थी ?

साइकिलवाला बोला- जनरल डायर का रोल निभाओ; DCP की एयरफोर्स से तोड़फोड़ का 'भूत' भगाओ!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत के नसीरनगर में 29 और 30 मई को जो खेल हुआ, उसने पूरे राज्य के एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। चिलचिलाती गर्मी में भारी पुलिस तैनाती के साथ गरीबों की झुग्गी पर बुलडोजर चला दिया गया। कानून-व्यवस्था का रखवाला होने का दावा करने वाली सूरत पुलिस की इस हरकत के बाद अब जो खुलासे हो रहे हैं, वे चौंकाने वाले हैं। सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हुआ है कि क्या DCP राजदीप सिंह नकुम ने इस तोड़फोड़ के लिए किसी की सुपारी ली थी? यह सवाल हम नहीं पूछ रहे, बल्कि सूरत की लोकल पॉलिटिक्स और कानून के जानकारों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है।

साइकिलवाले का हमला

'जनरल डायर का रोल निभा रहे हो इस पूरे मामले में विपक्ष और सोशल एक्टिविस्ट आक्रामक मूड में हैं। जाने-माने नेता असलम बाइसिकलमैन ने इस घटना की तुलना जलियांवाला बाग हत्याकांड से करते हुए सीधा हमला किया है। उन्होंने खुलेआम आरोप लगाया है कि इस तोड़फोड़ के दौरान जिम्मेदार अधिकारियों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं और 'जनरल डायर' जैसी भूमिका निभाई। बिना किसी पहले से सूचना के, गरीबों का सामान सड़क पर फेंककर यह पूरा ऑपरेशन किसके कहने पर किया गया? **कॉर्पोरेशन का बड़ा धमाका:** 'हमने ऐसा कोई ऑर्डर नहीं दिया इस विवाद में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिश्नर और बड़े अधिकारियों ने एक ऑफिशियल बयान जारी किया। म्युनिसिपैलिटी ने साफ तौर पर हाथ खड़े कर दिए हैं कि: म्युनिसिपैलिटी की तरफ से ऐसा कोई तोड़फोड़ का ऑर्डर नहीं दिया गया था! अगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने तोड़फोड़ का ऑर्डर नहीं दिया, तो फिर इतनी बड़ी पुलिस फोर्स वहां किसके ऑर्डर पर पहुंची? गरीबों के घर किसके ऑर्डर पर तोड़े गए? क्या सूरत पुलिस अब म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से भी ऊंची हो गई है?

भूत उतारने के लिए DCP के हवाई हमले!

म्युनिसिपैलिटी के इस ऑफिशियल खुलासे के बाद पुलिस डिपार्टमेंट की साख खराब हुई है। इस बात की चर्चा ज़ोर पकड़ चुकी है कि DCP राजदीप सिंह नकुम अब कानूनी पचड़े में फंसने के डर से और इस गैर-कानूनी तोड़-फोड़ के 'भूत' से छुटकारा पाने के लिए हवाई हमले कर रहे हैं। सूत्र बता रहे हैं कि अपनी जान बचाने के लिए अब कागजों का मिलान और ऊंचे लेवल पर सेटिंग का खेल शुरू हो गया है।

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल

1. अगर नगर निगम की तरफ से कोई ऑफिशियल ऑर्डर नहीं था, तो 29 और 30 मई को किस कानून के तहत पुलिस सुरक्षा दी गई थी?
2. क्या DCP लेवल के किसी अधिकारी ने किसी प्राइवेट बिल्डर या लैंड माफिया के फायदे के लिए पूरी सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल किया?
3. गरीबों के घर तोड़ने के पीछे हुए फाइनेंशियल लेन-देन की हाई-लेवल जांच क्यों नहीं होनी चाहिए?

यह मामला अब शांत नहीं होने वाला है। यह तय है कि गरीबों और सत्ता के आंसुओं का यह नंगा नाच जल्द ही गांधीनगर पहुंचेगा। 'महानगर मेट्रो' इस घोटाले की जड़ तक पहुंचकर ही आगे बढ़ेगा।

साबरकांठा ज़िला एडमिनिस्ट्रेशन ने इदर से प्रगति पथ यात्रा शुरू की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। MP शोभनाबेन बरैया ने इदर से प्रगति पथ यात्रा शुरू की। MLA रमनलाल वोरा और जाने-माने लोगों की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाई गई। ज़िले की MP शोभनाबेन बरैया और इदर MLA रमनलाल वोरा की मौजूदगी में इस विकास यात्रा को हरी झंडी दिखाई गई। आज सुबह सभी जाने-माने लोग इदर के पावापुरी जैन मंदिर पहुंचे। ज़िला एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से आयोजित प्रगति पथ यात्रा के मौके पर यहां जाने-माने लोगों, अधिकारियों और नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पावापुरी जल मंदिर ट्रस्ट की तरफ से आयोजित स्वागत कार्यक्रम के बाद, ज़िले की MP शोभनाबेन बरैया, रमीलाबेन बारा, इदर MLA रमनलाल वोरा और इदर नगर पालिका प्रेसिडेंट अनसुयाबेन पटेल समेत जाने-माने लोगों के हाथों से प्रगति पथ यात्रा को इदर के रानी झील से हरी झंडी दिखाई गई। यह यात्रा सरकार की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कामों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के मकसद से निकाली गई थी। जिसमें शहर के लोगों, स्टूडेंट्स, BJP नेताओं, नगर पालिका के सदस्यों, कोऑपरेटिव नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रगतिपथ यात्रा के दौरान सरकार के अलग-अलग डिपार्टमेंट की योजनाओं, विकास के कामों, एजुकेशनल और सोशल सेक्टर में हासिल उपलब्धियों और जनभागीदारी पर आधारित विकास मॉडल के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। यात्रा ने फिर से लोगों को अलग-अलग इलाकों में हुए विकास के कामों की जानकारी दी। इस मौके पर MP शोभनाबेन बरैया, रमीलाबेन बारा, MLA रमनलाल वोरा, जिला BJP प्रेसिडेंट कनुभाई पटेल, कॉलेज प्रेसिडेंट अश्विनभाई पटेल, राजेशभाई परमार, राजूभाई पटेल (रतनपुर), इदर तालुका BJP प्रेसिडेंट दिनेशभाई पटेल, नगर एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट जीनल सागर, वाइस प्रेसिडेंट विनोदभाई परमार, इदर शहर BJP प्रेसिडेंट कुणाल कंसारा, पूर्व तालुका पंचायत प्रेसिडेंट कांतिभाई पटेल और लघुमती मोर्चा प्रेसिडेंट जाकिर एस मेमन, पावापुरी जल मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी बिपिनभाई समेत BJP नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

खाचरोद की बेटी जिनीषा नांदेचा का भारतीय वायुसेना में चयन, बनेंगी फ्लाइंग ऑफिसर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खाचरोद। खाचरोद नगर के लिए गर्व का क्षण है। नगर की प्रतिभाशाली बेटी जिनीषा नांदेचा ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर भारतीय वायुसेना में चयन प्राप्त कर परिवार, समाज और पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। जिनीषा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा इंपीरियल इंटरनेशनल स्कूल, खाचरोद से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल, नागदा से उच्च शिक्षा ग्रहण की। इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए वे कोटा गईं तथा बाद में इंदौर स्थित एसजीएसआईटीएस से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने वर्ष 2025 में AFCAT-2 परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद नवंबर माह में आयोजित पांच दिवसीय कठिन SSB इंटरव्यू प्रक्रिया में भाग लिया। गांधीनगर स्थित चयन केंद्र पर 235 अभ्यर्थियों में से मात्र 16 उम्मीदवारों का चयन हुआ, जिनमें जिनीषा नांदेचा भी शामिल रहीं। इसके पश्चात उन्होंने बेंगलुरु में मेडिकल परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। अंततः 8 जून 2026 को जारी अंतिम मेरिट सूची में उनका चयन सुनिश्चित हुआ, जिससे पूरे नगर में हर्ष और गर्व का वातावरण बन गया। जिनीषा खाचरोद की पहली महिला हैं, जिन्होंने इस प्रतिष्ठित पद के लिए चयन प्राप्त किया है। वे एक प्रेरणादायक परिवार से संबंध रखती हैं। उनकी बड़ी बहन पैरोडॉन्टिक सर्जन हैं, जबकि उनकी कजिन बहन चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। जिनीषा अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता अंजू नांदेचा, पिता राजेन्द्र नांदेचा एवं डॉ. हेमंत नागदा को देती हैं, जिन्होंने हर कदम पर उनका मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया। अब उनका लगभग डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण होगा। इसमें प्रारंभिक छह माह हैदराबाद तथा शेष एक वर्ष बेंगलुरु में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्हें भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर नियुक्त किया जाएगा। उनके दादाजी एवं पिताजी लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान देते रहे हैं, जिससे सेवा, अनुशासन और समर्पण की भावना उन्हें विरासत में मिली है। जिनीषा नांदेचा की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

डभोई के वसई गांव में सालों से खराब पड़े तालाब की आखिरकार मरम्मत हो गई,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई/ वडोदरा। डभोई तालुका के वसई गांव में लाखों रुपये की लागत से बना एक बड़ा तालाब, जिससे गांववालों के साथ-साथ जानवरों और पक्षियों को पीने के पानी की सुविधा मिल सके, काफी समय से खराब हालत में था। प्रशासन की लापरवाही के कारण तालाब टूट गया था और उसमें पानी नहीं भर रहा था, जिससे जानवरों, पक्षियों और गांववालों को भीषण गर्मी में बड़ी मुश्किल हो रही थी। इस गंभीर समस्या के बारे में ने एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट पब्लिश होते ही संबंधित विभाग और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम हरकत में आ गया। वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने मौके पर जाकर तुरंत तालाब की मरम्मत का काम शुरू कर दिया। अधिकारियों की देखरेख में तालाब की पूरी मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है और उसमें फिर से पानी भर दिया गया है। इस वजह से अब गांव के जानवरों और पक्षियों के लिए पीने के पानी की सुविधा फिर से शुरू हो गई है और गांव वालों को भी बड़ी राहत मिली है। देरी के बावजूद, प्रशासन के किए गए काम से गांव में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या के बारे में लंबे समय से रिप्रेजेंटेशन दी जा रही थी, लेकिन कोई सही एक्शन नहीं लिया गया। जैसे ही मीडिया में रिपोर्ट छपी, प्रशासन जागा और समस्या का समाधान किया गया। वसई गांव के गांव वालों ने पक्को गुजरात न्यूज़ का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि मीडिया गांव की समस्याओं को आवाज़ देने का काम करता है, जिससे लोगों की आवाज़ ज़िम्मेदार प्रशासन तक पहुंचती है और मुद्दों का जल्दी समाधान होता है। लगातार जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देकर लोगों की आवाज़ प्रशासन तक पहुंचाने का काम कर रहा है। वसई गांव के हौजजा की मरम्मत की घटना यह साबित करती है कि ज़िम्मेदार और निडर पत्रकारिता समाज में अच्छा बदलाव ला सकती है।

ग्रुप एडिटर पवन माकन और कॉर्पोरेशन के टॉप अधिकारियों के बीच म्युनिसिपल कमिश्नर के ऑफिस में हाई-लेवल मीटिंग हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक राजधानी और हेरिटेज सिटी अहमदाबाद को ग्लोबल लीडर बनाने और स्मार्ट सिटी मिशन के प्रोजेक्ट्स को तेज़ी से ग्राउंड लेवल पर ले जाने के लिए मीडिया और एडमिनिस्ट्रेशन के बीच एक पॉजिटिव ब्रिज बनाया गया है। अहमदाबाद शहर के डेवलपमेंट के काम को और तेज़ी से आगे बढ़ाने के मकसद से आज म्युनिसिपल कमिश्नर के ऑफिस में एक बहुत ही ज़रूरी और अच्छी मीटिंग हुई इस खास मीटिंग के दौरान, 24 न्यूज़ चैनल, पाको गुजरात न्यूज़ और महानगर मेट्रो न्यूज़ के ग्रुप एडिटर पवन माकन ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के नए बने और टॉप अधिकारियों से मुलाकात की। जिसमें अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट, डिप्टी मेयर अंजू शाह और स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन कमलेश पटेल मौजूद थे। म्युनिसिपल कमिश्नर के ऑफिस में हुई इस मीटिंग में शहर के भविष्य के रोडमैप और पब्लिक यूटिलिटी सुविधाओं पर बहुत गंभीरता से चर्चा हुई। डेवलपमेंट के कामों और स्मार्ट सिटी मिशन पर खास ब्रेनस्टॉ र्मिंगमीटिंग के दौरान अहमदाबाद शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, ट्रैफिक मैनेजमेंट, स्मार्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ग्रीन एनर्जी जैसे ज़रूरी मुद्दों पर डिटेल में चर्चा हुई। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के सामने एक मज़बूत प्रेजेंटेशन दिया गया, जिसमें उम्मीद जताई गई कि केंद्र सरकार के बड़े 'अहमदाबाद स्मार्ट सिटी मिशन' के तहत जो भी प्रोजेक्ट अभी चल रहे हैं या प्लान किए गए हैं, वे तय समय में और पूरी ट्रांसपेरेंसी के साथ पूरे किए जाएं। इस बात पर भी ज़ोर दिया गया कि लोकल लोगों को बेसिक सुविधाएं मिलने में कोई दिक्कत न हो। शहर के विकास के लिए मिलकर काम करने का संकल्प इस हाई-लेवल वेलकम मीटिंग और चर्चा के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए, ग्रुप एडिटर पवन माकन ने कहा, 'अहमदाबाद हमारी शान है। हम इस शहर को न केवल टेक्नोलॉजी के मामले में, बल्कि लिवेबिलिटी इंडेक्स में भी देश का सबसे अच्छा स्मार्ट शहर बनाने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर एक पॉजिटिव भूमिका निभाने के लिए कमिटेड हैं। जनता के मुद्दों को आवाज़ देना और प्रशासन के अच्छे कामों को बढ़ावा देना हमारी ज़िम्मेदारी है। हम सब अहमदाबाद के उज्ज्वल भविष्य के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। '

कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने जताया धन्यवाद

इस मीटिंग के आखिर में, ग्रुप एडिटर पवन माकन ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभी छोटे-बड़े कर्मचारियों, इंजीनियरों और एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों का दिल से आभार जताया। उन्होंने आगे कहा कि अहमदाबाद जैसे मेगा सिटी को 24 घंटे चालू रखने के लिए कॉर्पोरेशन टीम की दिन-रात की मेहनत तारीफ़ के काबिल है। पदाधिकारियों और मीडिया ग्रुप ने उम्मीद जताई है कि यह मीटिंग अहमदाबाद के शहरी जीवन, आने वाले दिनों में नए प्रोजेक्ट्स और जनकल्याण के कामों की रफ़्तार के लिए बहुत ज़रूरी और अहम साबित होगी।

सेशंस कोर्ट के सामने अफरा-तफरी: केबल खुदाई के दौरान गैस लाइन पंक्चर होने से किसान सोसाइटी में कुकिंग गैस बंद हो गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा-वडोदरा। हाईवे पर सेशंस कोर्ट के सामने स्त्रङ्कष्टरु द्वारा अंडरग्राउंड केबल बिछाने के काम के दौरान गुजरात गैस कंपनी की मेन पाइप लाइन में बड़ा फटना हुआ। गैस लाइन टूटते ही इलाके में अफरा-तफरी और डर फैल गया। एहतियात के तौर पर किसान सोसाइटी और आसपास के इलाकों में घरेलू कुकिंग गैस की सप्लाई तुरंत रोक दी गई, जिससे कंज्यूमर्स को परेशानी हुई। घटना की सूचना मिलते ही MGVCL और गुजरात गैस कंपनी की टेक्निकल टीमें युद्ध स्तर पर मौके पर पहुंचीं। किसी भी हादसे या जान के नुकसान से बचने के लिए इंजीनियरों ने सबसे पहले मेन वॉल्व बंद किया और पूरे इलाके को घेर लिया। इतने सेंसिटिव ऑपरेशन के दौरान पहले से लाइन की मैपिंग न करने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन की लापरवाही पर भी सवाल उठे हैं। लाइन रिपेयर का काम फिलहाल देर रात तक चल रहा है।

सेवा एवं करुणा का संदेश किया साकार, सूरी गुरुदेव की 5वीं वार्षिक पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों को भोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इन्दौर। परोपकार सम्राट, मोहनखेड़ा महातीर्थ विकास प्रेरक, प.पू. आचार्यदेव श्रीमद्विजय ऋषभचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. की 5वीं वार्षिक पुण्यतिथि पर श्री राजेन्द्र ऋषभ फाउंडेशन ट्रस्ट, इन्दौर द्वारा सेवा अभियान के अंतर्गत जरूरतमंदों को भोजन वितरण का विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर एम.वाय.एच. शासकीय चिकित्सालय, इन्दौर परिसर में मरीजों के परिजनों एवं अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को स्नेहपूर्वक भोजन वितरित किया गया। गुरुदेवश्री के सुशिष्य अष्टम वर्षीतप तपस्वी प.पू. मुनिराज श्री पीयूषचंद विजयजी म.सा. एवं प्रवचनदक्ष प.पू. मुनिराज श्री रजतचंद्र विजयजी म.सा. की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में ट्रस्ट द्वारा जीवदया, गौसेवा एवं मानव सेवा के विविध प्रकल्प निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। इसी सेवा श्रृंखला के अंतर्गत समय-समय पर जरूरतमंदों के लिए भोजन, चिकित्सा सहयोग एवं अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्यों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाते हुए मानव सेवा के इस पुनीत कार्य को समर्पण भाव से सम्पन्न किया। अस्पताल परिसर में उपस्थित अनेक जरूरतमंदों ने भोजन प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त की तथा इस सेवा कार्य की सराहना की। आचार्य भगवंत सदैव सेवा, संवेदना एवं परोपकार को धर्म का वास्तविक स्वरूप बताते थे। उन्हीं के आदर्शों एवं प्रेरणाओं से प्रेरित होकर ट्रस्ट समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता एवं सहयोग पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

काठलाल में खलल चेक पोस्ट से एक फॉर्च्यूनर गाड़ी में ?5.04 लाख की विदेशी शराब ज़ब्त: खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

काठलाल। खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच पुलिस को शराबबंदी अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी मिली है। काठलाल बॉर्डर पर खलल चेक पोस्ट से गुज़र रही एक लग्ज़री फॉर्च्यूनर गाड़ी से लाखों रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त की गई है। पुलिस ने विदेशी शराब और गाड़ी मिलाकर कुल ?15,09,960 ज़ब्त किए हैं और राजस्थान से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच की टीम जब पेट्रोलिंग कर रही थी, तब खास जानकारी के आधार पर खलल चेक पोस्ट के पास नज़र रखी गई थी। इसी बीच, पुलिस ने वहां से गुज़र रही एक संदिग्ध फॉर्च्यूनर गाड़ी को रोका और उसकी गहन तलाशी ली। गाड़ी की जांच करने पर उसमें बड़ी मात्रा में विदेशी शराब छिपी हुई मिली। पुलिस ने मौके से 5,04,960 कीमत की विदेशी शराब और फॉर्च्यूनर गाड़ी समेत कुल 15,09,960 की शराब ज़ब्त की है। राजस्थान का बूटलेगर गिरफ्तार, एक फरार पुलिस ने इस गैर-कानूनी तस्करी के मामले में गाड़ी चला रहे आरोपी हेमेंद्र देवी लालजी तिलारामजी पटेल को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार आरोपी राजस्थान के उदयपुर जिले के नवलसिंहजी में गुड़ा बंबेरिया माताजी मंदिर का रहने वाला बताया गया है। उससे शुरुआती पूछताछ में पुलिस ने इस शराब नेटवर्क में एक और आरोपी का नाम भी बताया है। खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच ने इस जुर्म में शामिल राजस्थान के सलूंबर के रहने वाले आरोपी रतनलाल मीणा को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं। पुलिस यह पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है कि इतनी शराब कहां से लाई गई थी और गुजरात में किसे सप्लाई की जानी थी।

अब कमिश्नर से लेकर PI तक सभी अधिकारियों को हर दिन 2 घंटे आवेदकों से आमने-सामने मिलना होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस सिस्टम को और ज़्यादा लोगों को ध्यान में रखकर, ट्रांसपेरेंट और कुशल बनाने के मकसद से, राज्य के पुलिस चीफ जी.एस. मलिक ने एक बहुत बड़ा और लोगों को ध्यान में रखकर फैसला लिया है। अब, राज्य के सभी पुलिस चीफ और अधिकारियों के लिए एक सख्त गाइडलाइन जारी की गई है ताकि यह पक्का किया जा सके कि आम नागरिकों की शिकायतों, सवालों और शिकायतों का लोकल लेवल पर बहुत जल्दी निपटारा हो। नए ऑफिशियल ऑर्डर के मुताबिक, राज्य के सभी पुलिस कमिश्नर, रेंज IG, डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ और पुलिस स्टेशन के PI लेवल तक के सभी बड़े अधिकारियों को हर दिन सिर्फ़ आम नागरिकों और विज़िटर्स के लिए 2 घंटे का समय देना ज़रूरी होगा। इस तय समय के दौरान, अधिकारियों को ऑफिस में मौजूद रहकर लोगों की समस्याओं को आमने-सामने सुनना होगा। गांधीनगर की भागदौड़ से मिलेगी राहत अभी तक देखा जाता था कि लोकल लेवल पर सही सुनवाई या रिप्रेजेंटेशन न होने की वजह से आम याचिकाकर्ताओं को अपनी छोटी-मोटी शिकायतों और न्याय के लिए गांधीनगर डिस्ट्रिक्ट ऑफिस जाना पड़ता था। यह ज़रूरी एडमिनिस्ट्रेटिव व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि लोगों का समय और पैसा बर्बाद न हो और लोकल लेवल पर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन पर भरोसा बढ़े। DGP के इस आदेश के बाद अब लोकल पुलिस थानों और पुलिस के बड़े ऑफिसों में याचिकाकर्ताओं की सुनवाई आसान हो जाएगी। सूत्रों से पता चला है कि अगर कोई अधिकारी इन घोषित गाइडलाइंस का पालन करने में लापरवाही दिखाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा सकती है। इस फैसले से पुलिस और जनता के बीच तालमेल और मजबूत होगा।

शंकराचार्य पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी ने चौंकाने वाला बयान दिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर लगे यौन शोषण के आरोपों के मामले में एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ आया है, जिसने धार्मिक जगत और सोशल मीडिया में भारी हलचल मचा दी है। शंकराचार्य पर ये गंभीर आरोप लगाने और FIR दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी अब अपने बयान से पूरी तरह पलट गए हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी ने सनातन धर्म के सर्वोच्च प्रमुखों में से एक शंकराचार्य के खिलाफ दर्ज शिकायत को फर्जी बताया है और कहा है कि इस पूरी घटना के पीछे एक बहुत बड़ी अंदरूनी साजिश है। अपने पिछले बयान के बिल्कुल उलट, आशुतोष ब्रह्मचारी ने रिपोर्टरों के सामने खुलासा किया है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह से झूठे, बेबुनियाद और मनगढ़ंत हैं। उन्होंने दावा किया है कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य के कुछ असरदार शिष्यों और फॉलोअर्स ने उन पर बहुत ज़्यादा दबाव डाला। इतना ही नहीं, मजबूर करके उनके खिलाफ़ गंभीर धाराओं में फ़र्ज़ी FIR भी दर्ज करवाई गई। आशुतोष ब्रह्मचारी ने इस मामले को सिर्फ़ धार्मिक दुश्मनी तक ही सीमित नहीं माना है, बल्कि प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं।सनातन धर्म के ऊँचे पद को बदनाम करने की इस खतरनाक साज़िश में सिर्फ़ धार्मिक संस्थाओं कुछ बड़े और ऊँचे सरकारी अधिकारी भी सक्रिय रूप से शामिल थे।

संक्षिप्त न्यूज

एडीसी बैंक ने 20,212 करोड़ से अधिक का बिजनेस कर रचा नया कीर्तिमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव (एडीसी) बैंक लिमिटेड की 101वीं वार्षिक साधारण सभा चेयरमैन अजयभाई पटेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के सपने और सहकारिता मंत्रालय के प्रयासों से बैंक ने ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाई हैं। इस बैठक में बैंक के वाइस चेयरमैन जगदीशभाई पटेल, निदेशक मोहनभाई भरवाड़, बिपिनभाई पटेल सहित कई गणमान्य लोग और सहकारी समितियों के प्रतिनिधि ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से शामिल हुए।

नीट पेपर लीक: अहमदाबाद में युवा कांग्रेस की मशाल रैली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। NEET पेपर लीक के विरोध में गुजरात युवा कांग्रेस 13 जून को अहमदाबाद में एक बड़ी मशाल रैली निकालेगी। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रविणसिंह वणोल ने कहा कि इस घोटाले से देश के 22 लाख और गुजरात के 85 हजार छात्रों का भविष्य बर्बाद हुआ है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर यह रैली गुजरात यूनिवर्सिटी से अहमदाबाद यूनिवर्सिटी तक निकाली जाएगी, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब भी शामिल होंगे।

न्यूजक्लिक को राहत: दिल्ली हाईकोर्ट ने रद्द की पुलिस और ईडी की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। हाईकोर्ट ने ऑनलाइन न्यूज पोर्टल 'न्यूजक्लिक' और उसके संपादक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ दर्ज एफआईआर और ईडी की मनी लॉन्ड्रिंग जांच को पूरी तरह रद्द कर दिया है। अदालत ने इस कार्रवाई को सत्ता का मनमाना दुरुपयोग और स्वतंत्र पत्रकारिता पर हमला करार दिया। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि बिना किसी ठोस सबूत और बिना किसी वास्तविक शिकायतकर्ता के यह कार्रवाई की जा रही थी, जो कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। यह मामला 2020 में एक अमेरिकी कंपनी से मिले ?9.59 करोड़ के विदेशी निवेश के आरोपों से जुड़ा था, अदालत ने खारिज कर दिया है।

न्यूज़क्लिक पर ईडी और पुलिस की कार्रवाई रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने न्यूज़क्लिक और उसके संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ विदेशी फंडिंग मामले में दर्ज एफआईआर और ईडी की जांच रद्द कर दी है।कोर्ट ने कहा कि एजेंसियों की कार्रवाई स्वतंत्र पत्रकारिता के खिलाफ सत्ता का मनमाना दुरुपयोग थी।

न्यूज़क्लिक पर ईडी और पुलिस की कार्रवाई रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में राज्यसभा की चारों सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। कांग्रेस समेत किसी भी दल ने उम्मीदवार नहीं उतारा, जिसके चलते 18 जून को प्रस्तावित मतदान अब नहीं होगा। इस परिणाम के साथ पहली बार गुजरात से राज्यसभा में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व पूरी तरह समाप्त हो गया है।

भंवर सिंह पलाड़ा के जन्मदिवस पर होंगे जनसेवा के विराट कार्यक्रम

भंवर सिंह पलाड़ा के जन्मदिवस पर 24 जून को राजस्थान में मनेगा 'राष्ट्र समर्पण एवं सेवा संकल्प दिवस'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ब्यावर। राजस्थान की राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान रखने वाले अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना के राष्ट्रीय संरक्षक भंवर सिंह पलाड़ा का आगामी 24 जून को आने वाला जन्मदिवस इस बार पूरे प्रदेश में एक बड़े जन-आंदोलन और सेवा पर्व के रूप में मनाया जाएगा। संगठन ने इस विशेष दिन को 'राष्ट्र समर्पण एवं सेवा संकल्प दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत राजस्थान के कोने-कोने में राष्ट्रभक्ति और जनसेवा की गूंज सुनाई देगी। संगठन के प्रांतीय और जिला स्तरीय पदाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, इस बार श्री पलाड़ा के जन्मदिन को केवल औपचारिक उत्सव या बधाई संदेशों तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे पूरी तरह समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति की सेवा और राष्ट्रहित के कार्यों को समर्पित किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों और सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सेवा और संस्कार का दिखेगा अनूठा संगम, आयोजित होंगे ये प्रमुख कार्यक्रम संगठन के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा 24 जून को पूरे प्रदेश में कई जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं विशाल रक्तदान शिविर प्रदेश के विभिन्न चिकित्सालयों और केंद्रों पर हजारों युवाओं द्वारा रक्तदान किया जाएगा, ताकि जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सके। हरित राजस्थान हेतु पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए राज्यभर में हजारों की संख्या में फलदार और छायादार पौधे लगाए जाएंगे। गौसेवा और जल सेवा भीषण गर्मी को देखते हुए गौशालाओं में चारे-पानी की व्यवस्था के साथ-साथ आमजन के लिए जगह-जगह अभूतपूर्व बनाने के लिए संगठन की सभी इकाइयों ने कमर कस ली है।

सड़क निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही होने पर कान्ट्रेक्टर्सपर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निर्माण एजेंसी एवं कान्ट्रेक्टर्स द्वारा किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जिले में अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए सभी निर्माण एजेंसी गुणवत्तापूर्ण कार्य करें। उन्होंने कान्ट्रेक्टर्स को चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान बेरिकेट्स जरूर लगाए, जिससे सड़के अच्छी तरह बनेंगी। उन्होंने जिले में निर्माणाधीन सड़कों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि रोड कनेक्टिविटी से विकास कार्यों को गति मिलती है और आवागमन की सुविधा बढ़ती है। उन्होंने सड़कों के निर्माण का कार्य यथाशीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजनांदगांव-कवर्धा-पोण्डी मार्ग के चौड़ीकरण

एवं मजबूतीकरण, राजनांदगांव के गोपालपुर से गिधवा मार्ग के डामरीकरण एवं पुल-पुलिया निर्माण, राजनांदगांव के डोंगरगांव बस्ती के फोरलेन निर्माण कार्य, सुखरी-झिका-देवानभेड़ी मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण, सुरगी के कोटराभाठा मार्ग, डोंगरगढ़ के छीपा से बड़े कुसमी मार्ग सहित विभिन्न सड़कों के निर्माण की सघन समीक्षा की एवं यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आ रही पोल शिफ्टिंग, पाईप लाईन सहित अन्य समस्याओं को दूर करें। उन्होंने भवन निर्माण कार्य अंतर्गत जिले में विभिन्न कार्यालय एवं आवासीय परिसर में गृह निर्माण, हाई स्कूल भवन निर्माण की समीक्षा की। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग सेतु अंतर्गत उच्च स्तरीय पुल निर्माण एवं नवीन पुल निर्माण एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सड़कों में बीटी कार्य की प्रगति, रिटेनिंग वॉल, सीसी निर्माण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने प्राथमिकता के साथ प्रगतिरत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने कहा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत नवागांव से नवीनीकरण कार्य अंतर्गत गठुला से तुमड़ीलेवा, मुड़ीपार से मनगटा, पटेवा से बिजेतला सहित विभिन्न प्रगतिरत सड़कों के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने नगरीय क्षेत्र में निर्माणाधीन कार्यों के संबंध में जानकारी ली। डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग एसके चौरसिया, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा पद्मसंभव मिश्रा, एसडीओ सेतु फारूखी, डोंगरगांव एसडीओ बीके अखंड, डोंगरगढ़ एसडीओ केके सिंह, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सुश्री दीक्षा गुप्ता एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अहमदाबाद के IDP स्कूल से एक टीचर की बदमाशी का वीडियो वायरल: स्कूल को नोटिस देकर स्टाफ को निकालने का आदेश

एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट लेने आए पुराने स्टाफ के बाद अब जांच करने आए DEO रोहित चौधरी के साथ भी बदतमीजी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शिक्षा जगत को शर्मसार करने वाली और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की हदें परखने वाली एक चौंकाने वाली घटना अहमदाबाद के IDP स्कूल से सामने आई है। स्कूल में काम करने वाले एक टीचर का पहले एक कर्मचारी और फिर खुद डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर की टीम के साथ बहुत ही बदतमीजी और बेइज्जती करने का एक ज्वलंत मामला सामने आया है, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, स्कूल का एक पुराना टीचर अपना लीगल एक्सपीरियंस लेटर (एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट) लेने कैंपस आया था। उस समय स्कूल के इस घमंडी टीचर ने उसके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया, तमीज़ के नियमों को ताक पर रखा और बुरे जवाब दिए। इस घटना का वीडियो वायरल होते ही एजुकेशन डिपार्टमेंट हरकत में आ गया। इस वायरल वीडियो के आधार पर, जब अहमदाबाद डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर रोहित चौधरी और उनकी टीम को स्थिति की गंभीरता का एहसास हुआ और वे खुद जांच करने IDP स्कूल पहुंचे, तो हैरानी की बात है कि टीचर को सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी का भी डर नहीं था। टीचर जांच करने आई DEO टीम और अधिकारियों के साथ बहुत बुरा बर्ताव करता रहा। मामले पर अहमदाबाद के DEO रोहित चौधरी ने सख्त शब्दों में बयान देते हुए कहा, 'जब हम अपनी टीम के साथ जांच के लिए स्कूल कैंपस आए थे, तो उस स्टाफ ने हमारे साथ भी बहुत बुरा बर्ताव किया। डिपार्टमेंट वायरल वीडियो की पूरी जांच करेगा। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में इस तरह की बदमाशी और बदतमीजी बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिस भी स्टाफ ने बुरा बर्ताव किया, उसे तुरंत नौकरी से निकाल दिया जाएगा और इस मामले में लापरवाही के लिए IDP स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर्स को सख्त शो-कॉज नोटिस भी जारी किया जाएगा।

वडोदरा पुलिस ने चमत्कारी रस्मों के बहाने ठगी करने वाले बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

वडोदरा। गुजरात में चमत्कार और अंधविश्वास के नाम पर अरबों रुपये ठगने वाले गैंग कितने एक्टिव हैं, इसकी एक और चौंकाने वाली कहानी कल्चरल सिटी वडोदरा से सामने आई है। वडोदरा सिटी पुलिस ने एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाकर भावनगर के लोगों के एक गैंग को पकड़ा है जो तथाकथित तंत्र-मंत्र और खतरनाक रस्में करके 20 करोड़ की भारी कीमत पर 'सुलेमानी पत्थर' (जादुई पत्थर) बेच रहे थे। मिली जानकारी के मुताबिक, वडोदरा पुलिस को पक्की और सटीक जानकारी मिली थी कि भावनगर के कुछ आदतन ठग वडोदरा में एक काले रंग का आम पत्थर 'सुलेमानी पत्थर' बताकर ऊंचे दाम पर बेचने आए हैं। ये लोग सामने वाले को बेवकूफ बनाने के लिए पत्थर के आस-पास खतरनाक तंत्र-मंत्र की रस्में करते थे। यह लालच देकर कि इस पत्थर को घर में रखने से कभी न खत्म होने वाला पैसा मिलेगा और रातों-रात अमीर बन जाएगा, यह गैंग एक बड़े असमिया से ?20 करोड़ की ठगी करने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, इससे पहले कि करोड़ों की यह डील फाइनल होती और कोई बेकसूर नागरिक लूटा जाता, वडोदरा पुलिस ने जानकारी वाली जगह पर छापा मारकर पूरे गैंग के प्लान को नाकाम कर दिया। पुलिस ने मौके से भावनगर के मुख्य सरगनाओं को गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से तथाकथित सुलेमान पत्थर और रस्म में इस्तेमाल होने वाला संदिग्ध सामान जब्त कर लिया है।

BJP लीडर नाज़िया खानआमिर खान की तीसरी शादी की चर्चा के बीच BJP लीडर नाज़िया खान का बयान चर्चा में का बयान चर्चा में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद / देवगढ़ बारिया। जहां राज्य में हार्ट अटैक से युवाओं की मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है, वहीं दाहोद जिले से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। धनपुर मामलतदार ऑफिस में काम करने वाले एक अधेड़ उम्र के कर्मचारी की बाइक चलाते समय अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। इस असमय मौत से मामलतदार ऑफिस के स्टाफ समेत पूरे इलाके में गहरा दुख फैल गया है।

बाइक से घर लौटते समय हुई मौत

मिली जानकारी के मुताबिक, 47 साल के राजूभाई केशवभाई भूरा धनपुर मामलतदार ऑफिस की सब-रजिस्ट्रार ब्रांच में पट्टावाला के तौर पर अपनी ड्यूटी ईमानदारी से निभा रहे थे। हर दिन की तरह,लेकिन बदकिस्मती से, हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही उनकी जान जा चुकी थी। धनपुर से अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद, वह अपनी मोटरसाइकिल (बाइक) पर अपने पैतृक गांव नंदवा जाने के लिए निकले। वह अपनी बाइक से वासिया डूंगरी गांव के पास से गुज़र रहे थे, तभी बाइक चलते-चलते अचानक उनके सीने में बहुत ज़्यादा दर्द उठा। सीने का दर्द बढ़ने पर वह वहीं गिर पड़े। हालत की गंभीरता को समझते हुए, उनके आस-पास के लोगों और जान-पहचान वालों ने बिना समय बर्बाद किए उन्हें तुरंत इलाज के लिए दाहोद के ज़ाइडस हॉस्पिटल पहुंचाया। हॉस्पिटल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, परिवार में कोहराम ज़ाइडस हॉस्पिटल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने राजूभाई की अच्छी तरह जांच की थी, लेकिन बदकिस्मती से, हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही उनकी जान जा चुकी थी। डॉक्टरों ने उन्हें ऑफिशियली मृत घोषित कर दिया था और कहा था कि मौत का पहला कारण हार्ट अटैक था। घर के मुखिया और सरकारी कर्मचारी राजूभाई की सिर्फ़ 47 साल की कम उम्र में अचानक मौत से उनका परिवार टूट गया है। इस दुखद घटना के बाद परिवार वालों के रोने-बिलखने से माहौल गमगीन हो गया है। ऑफिस के साथी कर्मचारियों ने भी एक वफ़ादार साथी को खोने पर गहरा दुख जताया है।

सोशल मीडिया पर वायरल मैसेज का सच: क्या 30 जून से पेपर करेंसी नोट बैन हो जाएंगे ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अहमदाबाद। पिछले कुछ सालों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इंडियन करेंसी को लेकर एक मैसेज वायरल हो रहा है। इस वायरल मैसेज में दावा किया जा रहा है कि 30 जून से देश में सभी पेपर करेंसी नोट बैन हो जाएंगे और उनकी जगह प्लास्टिक करेंसी नोट आएंगे। जैसे ही यह मैसेज वायरल हुआ, आम लोगों और व्यापारियों में काफी कन्फ्यूजन और चिंता है। हालांकि, अब इस बारे में सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से एक बड़ा और ऑफिशियल अपडेट सामने आया है। सोशल मीडिया पर चल रहे इस फेक मैसेज की जांच करने पर पता चला है कि सरकार या RBI की तरफ से पेपर नोट बैन करने का ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है। RBI के ऑफिशियल नियमों के मुताबिक, देश में अभी जो कागज़ के नोट चल रहे हैं (जैसे 10, 20, 50, 100, 200 और 500) वे 30 जून के बाद भी पूरी तरह वैलिड रहेंगे और हमेशा की तरह चलते रहेंगे। लोगों को ऐसी किसी भी अफवाह से घबराने की ज़रूरत नहीं है।

प्लास्टिक करेंसी को लेकर क्या है स्थिति?

केंद्र सरकार और RBI लंबे समय से नोटों की लाइफ बढ़ाने और नकली नोटों की मिलावट को रोकने के लिए प्लास्टिक (पॉलिमर) नोट लाने पर विचार और ट्रायल कर रहे हैं, लेकिन सभी कागज़ के नोटों की जगह इसे तुरंत लागू करने का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। प्लास्टिक नोट लाने की प्रक्रिया अभी एक्सपेरिमेंटल स्टेज पर है और इसे रातों-रात लागू नहीं किया जाएगा। RBI ने फेक न्यूज़ और अफवाहों से सावधान रहने की अपील की RBI ने पहले साफ किया है कि करेंसी नोटों के बारे में कोई भी ऑफिशियल जानकारी सिर्फ रिजर्व बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट पर ही पब्लिश की जाती है। न्यूज़ अपने रीडर्स से भी अपील करता है कि वे सोशल मीडिया पर ऐसे किसी भी गुमराह करने वाले मैसेज को सच मानकर गुमराह न हों और बिना ऑफिशियल अनाउंसमेंट के ऐसे वीडियो या मैसेज को आगे शेयर न करें। देश में पेपर करेंसी पूरी तरह से सेफ और वैलिड है।

सार समाचार...

जाति प्रमाण पत्र संघर्ष मोर्चा ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जाति प्रमाण पत्र संघर्ष मोर्चा राजनांदगांव ने जिला कार्यालय स्थित भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष उपस्थित होकर भारत सरकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिनांक 10 जून 2025 में उल्लिखित निर्देशों के अनुपालन में छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (सामाजिक प्रास्थिति के प्रमाणीकरण का विनियमन) नियम, 2013 के प्रचलित नियमों में संशोधन करने हेतु उत्तराखण्ड राज्य की भांति छत्तीसगढ़ राज्य में भी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिये कट ऑफ डेट 01 नवम्बर, 2000 लागू किए जाने की अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर कलेक्टर राजनांदगांव के माध्यम से डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया गया है। डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू को ज्ञापन के संबंध में यह भी जानकारी दी गई कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 10 जून 2025 को राज्यों के पुनर्गठन के परिणामस्वरूप अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में स्पष्टीकरण पत्र को जारी हुए एक वर्ष पूर्ण होने के बाद भी सक्षम अधिकारियों द्वारा पत्र में उल्लेखित भारत सरकार के निर्देशों की अवहेलना की जा रही है। जिसके लिए जिला स्तर पर इन अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही करने की भी मांग की गई है। इस दौरान जाति प्रमाण पत्र संघर्ष मोर्चा राजनांदगांव के पदाधिकारी संतोष बोरकर,एस के भालाधारे, पीयूष उके, निलेश ठावरे, जय कुमार टेंभेकर एवं समाज के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

विभा साहू ने किया कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन और समापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव । जिले के डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों गर्मी की रातें खेलकूद के उत्साह से सराबोर हैं। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आयोजित रात्रिकालीन खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के साथ-साथ ग्रामीणों का भी भरपूर उत्साह देखने को मिला। ग्राम अर्जुनी में आयोजित दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता क्षेत्र के युवाओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अर्जुनी में 6 एवं 7 जून को युवा पलटन अर्जुनी के तत्वावधान में आयोजित प्रो कबड्डी 2026 प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन एवं समापन अवसर पर जिला पंचायत सदस्य विभा साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को सशक्त बनाते हैं। गर्मी के मौसम में रात्रिकालीन खेल आयोजनों से लोगों को मनोरंजन के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा भी मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की सकारात्मक सोच विकसित होती है जो समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रतियोगिता की अध्यक्षता मनीष साहू ने की। कबड्डी प्रतियोगिता में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने हिस्सा लिया जिनमें प्रथम स्थान में दतेश्वरी क्लब खैरागढ़, द्वितीय स्थान एकलव्य मेन मेंढा, तृतीय स्थान गोंडवाना क्लब डोंगरगढ़ तथा चतर्थ स्थान पर कान्हेनगर अंबागढ़ चौकी की टीम रहीं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक कमल किशोर साहू, अध्यक्ष डेमन धनकर, उपाध्यक्ष प्रशांत साहू, सचिव रवि साहू, सहसचिव सिद्धू धनकर तथा कोषाध्यक्ष दुर्गय धनकर सहित युवा पलटन अर्जुनी के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अर्जुनी में देर रात तक खेल प्रतियोगिताओं का रोमांच देखने को मिला।

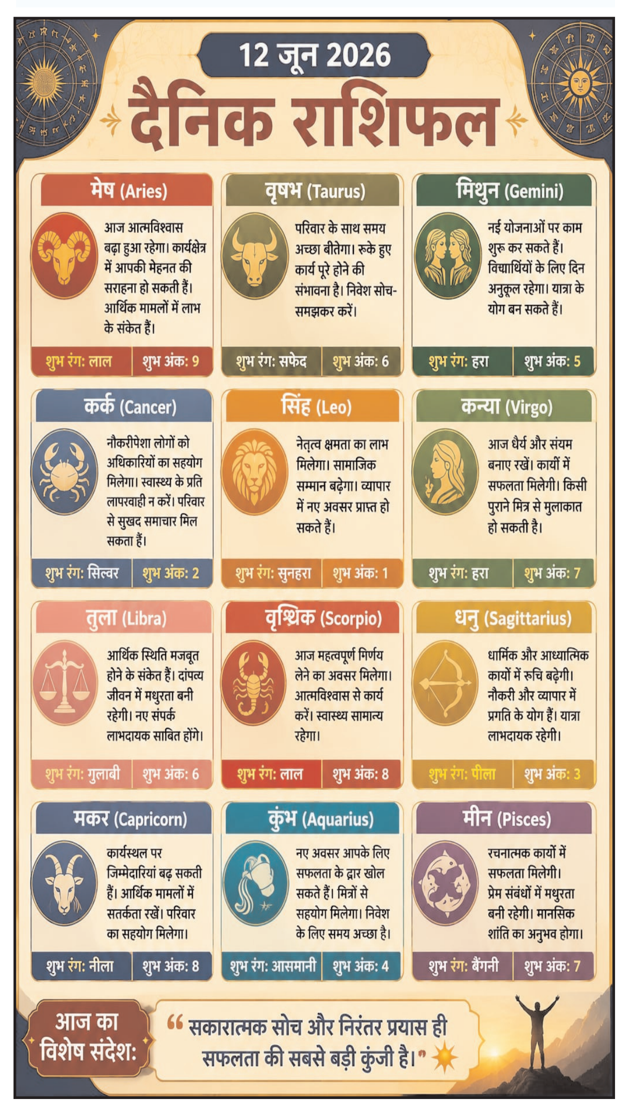

सांसद और विधायक भाग रहे, क्या ममता बनर्जी भी टीएमसी छोड़ कर कांग्रेस में जा रही हैं?

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे उथल पुथल भरे दौर से गुजर रही है। कभी बंगाल की निर्विवाद ताकत मानी जाने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अब अंदरूनी बगावत, सांसदों और विधायकों के पलायन तथा राजनीतिक अस्तित्व के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। दिल्ली में सोनिया गांधी के साथ ममता बनर्जी और राहुल गांधी के साथ अभिषेक बनर्जी की बैठकों ने इस संकट को और अधिक राजनीतिक रंग दे दिया है। भले ही कांग्रेस और तृणमूल दोनों सार्वजनिक रूप से किसी विलय की संभावना से इंकार कर रहे हों, लेकिन घटनाक्रम यह संकेत दे रहा है कि बंगाल की राजनीति में एक बड़ा पुनर्संयोजन शुरू हो चुका है। एक तरह से यह साफ नजर आ रहा है कि सिर्फ टीएमसी के सांसद, विधायक और पार्षद ही पाला नहीं बदल रहे हैं खुद टीएमसी प्रमुख अपनी पार्टी को खत्म कर कांग्रेस में वापस लौटना चाह रही हैं।

हम आपको बता दें कि दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की डेढ़ घंटे लंबी मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने इन बैठकों को लोकतंत्र और संविधान बचाने की साझा प्रतिबद्धता बताया, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह महज औपचारिक बातचीत नहीं थी। बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह तृणमूल कांग्रेस कमजोर हुई है और पार्टी के भीतर टूट की स्थिति बनी है, उसके बाद कांग्रेस से नजदीकी बनाना ममता बनर्जी की राजनीतिक मजबूरी बन गई है।

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है। रितब्रत बनर्जी लगातार दावा कर रहे हैं कि वही ‟असली तृणमूल कांग्रेस” हैं और कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के विलय या समझौते के खिलाफ हैं। उनका दावा है कि उनके साथ विधायकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई सांसद भी उनके संपर्क में हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस के साथ संभावित विलय या अत्यधिक नजदीकी की अटकलों ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर असुरक्षा और बेचैनी को और बढ़ा दिया है। पार्टी के कई विधायक, सांसद और क्षेत्रीय नेता अपनी पूरी राजनीतिक पहचान कांग्रेस विरोध की जमीन पर बनाकर आगे बढ़े थे। ऐसे में उन्हें यह डर सता रहा है कि

यदि ममता बनर्जी अंततः कांग्रेस के साथ विलय या व्यापक राजनीतिक समझौते की राह पर चलती हैं, तो उनकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान समाप्त हो जाएगी। यही कारण है कि तृणमूल में भगदड़ और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो कांग्रेस में लौटने के पक्ष में नहीं है और वह या तो अलग गुट के साथ रहना चाहता है या फिर नए राजनीतिक विकल्प तलाश रहा है। यही बेचैनी अब खुले विद्रोह और लगातार इस्तीफों के रूप में सामने आती दिखाई दे रही है।

संकट केवल विधानसभा तक सीमित नहीं है। संसद में भी तृणमूल कांग्रेस की नींव हिलती दिख रही है। राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे ने पार्टी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनसे पहले सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय भी पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं। सुष्मिता देव की असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से मुलाकात ने यह अटकलें और तेज कर दी हैं कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेता अब भारतीय जनता पार्टी की ओर रुख कर सकते हैं।

लोकसभा में भी तृणमूल के भीतर विद्रोही खेमे की ताकत बढ़ती दिखाई दे रही है। काकोली घोष दस्तिदार के नेतृत्व वाला गुट दावा कर रहा है कि उसे बीस से अधिक सांसदों का समर्थन हासिल है। सयोनी घोष, माला राय, युसुफ पठान, शताब्दी राय, शत्रुघ्न सिन्हा और रचना बनर्जी जैसे कई चर्चित नाम विद्रोही खेमे के साथ बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को समर्थन देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख चुका है।

इन घटनाओं के बीच कांग्रेस की भूमिका बेहद दिलचस्प हो गई है। बंगाल कांग्रेस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। अधीर रंजन चौधरी और अब्दुल मन्नान जैसे वरिष्ठ नेता ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह की नजदीकी के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। मन्नान ने तो यहां तक कह दिया कि ‟गंदे पानी को साफ पानी में मिलाने से साफ पानी भी गंदा हो जाता है”। अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर कांग्रेस को बंगाल से खत्म करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वही ममता गांधी परिवार के सहारे की तलाश में हैं।

दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जो राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री और विपक्ष का नेता मानता है, उसका स्वागत है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए कांग्रेस की छतरी का इस्तेमाल करने वालों के लिए दरवाजे खुले नहीं हैं। यह बयान सीधे तौर पर तृणमूल के उन नेताओं की ओर इशारा माना जा रहा है जिन पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ममता बनर्जी का पूरा राजनीतिक उदय ही कांग्रेस के खिलाफ विद्रोह की जमीन पर खड़ा हुआ था। वर्ष 1998 में उन्होंने जोरशोर से कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता ने कांग्रेस नेतृत्व पर बंगाल की राजनीति की अनदेखी करने और वामपंथ के सामने आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित किया और धीरे धीरे बंगाल में कांग्रेस की जड़ें कमजोर कर दीं। वर्ष 2011 में वाम मोर्चे को सत्ता से हटाने के बाद ममता बनर्जी ने अपने राजनीतिक विस्तार के लिए कांग्रेस से पूरी दूरी बना ली थी और लगातार गांधी परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर तीखे हमले करती रहीं। लेकिन अब जब तृणमूल कांग्रेस भीतर से टूट रही है, सांसद और विधायक पार्टी छोड़ रहे हैं और राजनीतिक जमीन खिसकती दिखाई दे रही है, तब वही ममता बनर्जी एक बार फिर कांग्रेस की जड़ों की ओर लौटती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि दिल्ली में गांधी परिवार के साथ उनकी बैठकों को केवल शिष्टाचार मुलाकात मानने को राजनीतिक विश्लेषक तैयार नहीं हैं।

दरअसल, बंगाल की राजनीति अब केवल सत्ता की लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि यह अस्तित्व की जंग बन चुकी है। तृणमूल कांग्रेस संगठनात्मक बिखराव से जूझ रही है और बात सिर्फ संसद या विधानसभा में उसके सदस्यों तक सीमित नहीं रह गयी है। बंगाल में कई निगमों से उसके महापौर या पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं और पंचायतों में भी इसी तरह के इस्तीफों का दौर जारी है। इस सबके बीच भाजपा यह स्पष्ट कर चुकी है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के लिए उसके दरवाजे बंद हैं वहीं कांग्रेस इस संकट को अपने पुनर्जीवन के अवसर के रूप में देख रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी एकता की राजनीति को मजबूती देने के लिए कांग्रेस बंगाल में नई संभावनाएं तलाश रही है।

बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ राजनीतिक समझौते की राह पर चलेंगी, या फिर पार्टी के भीतर का विद्रोह उन्हें और कमजोर कर देगा। यदि तृणमूल कांग्रेस का टूटना जारी रहा तो बंगाल की राजनीति में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। आने वाले नगर निकाय चुनाव और उपचुनाव इस बदलाव की पहली बड़ी परीक्षा साबित होंगे। फिलहाल इतना तय है कि बंगाल की राजनीति में शुरू हुई यह हलचल केवल राज्य तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष की राजनीति पर भी इसका गहरा असर पड़ने वाला है।

संपादकीय

भाखड़ा का जल स्तर

हमारे नीति-नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन-धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर-तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत शृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता। तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

मानसून सत्र और भारतीय राजनीति का समुद्र मंथन

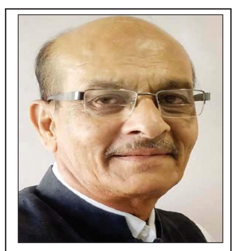

सनत जैन

जुलाई माह में संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था तथा विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। पिछले सत्र में परिसीमन बिल सरकार संसद में पास नहीं करा पाई थी। बीते महीनों में जिस तरह से सरकार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश किया धन वापस निकाल रहे हैं। कच्चे तेल के आयात से सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थिति में सरकार मानसून सत्र में कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। देश में खाद्य पदार्थों, ईंधन और घरेलू जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों को लेकर जनता के बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। किसान संगठन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल खरीद और कृषि लागत जैसे मुद्दों पर आंदोलित हैं। वहीं नीट पेपर लीक से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों की ओर से सड़क पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। काकरोच के नाम पर युवा जेन-जी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है।

विपक्षी दलों द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाब में काम करने के आरोप हैं। जबकि सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है। सरकार अपने कार्यकाल में हुए विकासकार्यों, कल्याणकारी योजनाओं तथा आर्थिक उपलब्धियों को सामने रखती है। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने संसद के आगामी सत्र को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही संसद सत्र के पहले अपने-अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने में जुटे हुए हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद का मानसून सत्र आने वाले विधानसभा चुनावों और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में यह मानसून सत्र सरकार के लिए संकटभरा हो सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को यदि समुद्र मंथन की उपमा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। समुद्र मंथन में जिस प्रकार देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सहयोग भी था, उसी प्रकार भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस पौराणिक कथा में पहले विष निकला और अंत में अमृत प्राप्त हुआ था। लोकतंत्र के इस राजनीतिक मंथन से मानसून सत्र में कौन लाभान्वित होगा और किसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा, इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा है।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि मानसून सत्र केवल विधायी कार्यवाही का मंच नहीं रहेगा, बल्कि यह सरकार की नीतियों, विपक्ष की रणनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर व्यापक राजनीतिक बहस का केंद्र बनने जा रहा है। इस राजनीतिक समुद्र मंथन का परिणाम क्या होगा, इसका निर्णय अंततः जनता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं ही तय करेंगी। जिस तरह से सत्ता पक्ष ने लोकसभा एवं राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 6 सांसदों इसके बाद टीएमसी के सांसदों को पार्टी से अलग होकर अलग गुट बनाने या सांसदों से इस्तीफा दिलवाकर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उसका स्पष्ट संकेत है, मानसून सत्र में सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। इसके लिए सरकार किसी भी स्तर पर अपने आपको सुरक्षित करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसका एक संदेश यह भी है, सरकार अंदर से कमजोर है। भाजपा के अंदर से भी असंतोष के स्वर उठने लगे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार ने चारों ओर से सुरक्षित रहने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी है।

बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस: बचपन को श्रम नहीं, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार मिलें

ललित गर्ग

हर वर्ष 12 जून को मनाया जाने वाला बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानवता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया का कोई भी बच्चा मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं होता। उसके हाथों में औजार, ईंट, बर्तन, हथौड़े, कूड़े की बोरी या कारखानों की मशीनें नहीं, बल्कि किताबें, खिलौने, रंग, सुनहले सपने और संभावनाएं होनी चाहिए। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार, शिक्षा और भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि यही काल श्रम, शोषण और अभाव की भट्टी में झोंक दिया जाए तो केवल एक बच्चे का नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन- आईअलओ द्वारा 2002 में शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की भयावहता के प्रति वैश्विक चेतना जगाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस ऐसे समय पर आ रहा है जब दुनिया तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक प्रगति के नए आयाम छू रही है, लेकिन दूसरी ओर करोड़ों बच्चे आज भी शिक्षा और बचपन के अधिकार से वंचित हैं। यह विडम्बना मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब हम किसी ढाबे, होटल, चाय की दुकान, कारखाने, गैरेज, ईंट-भट्टे, खेत या ट्रैफिक सिग्नल पर किसी मासूम बच्चे को कठिन श्रम करते देखते हैं, तब अक्सर हमारी संवेदना कुछ क्षणों के लिए जागती है और फिर हम अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि कब तक हम इस पीड़ा को सामान्य मानते रहेंगे? क्या हम उस बचपन की चीख नहीं सुन पा रहे जो अपने अधिकारों से वंचित होकर मजदूरी के अंधेरे में खो रहा है?

आज भी विश्व में करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में बाल श्रम में संलग्न हैं। इनमें से बड़ी संख्या खतरनाक परिस्थितियों में काम करती है, जहां उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, विस्थापन, तस्करी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बाल श्रम की प्रमुख वजहें हैं। परिवार की आर्थिक विवशताएं बच्चों को स्कूल की बजाय काम की दुनिया में धकेल देती हैं। लेकिन गरीबी का समाधान बच्चों से काम कराना नहीं, बल्कि परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए, वह यदि कारखाने में है, तो यह केवल उस बच्चे की नहीं, पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है, क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है।

भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईअलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाए जाने चाहिए। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, मीडिया, उद्योग जगत और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और महिला अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना विकसित हुई है, उसी प्रकार बाल अधिकारों के लिए भी विश्वव्यापी जनमत तैयार करना होगा। कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य मानते नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? मिसाल के तौर पर एक कानून बनाकर हमने बच्चों से उनका बचपन छिनने की कुचेष्टा की है। इस कानून में हमने यदि पारिवारिक कामधंधा या रोजगार है तो 4 से 14 की उम्र के बच्चों से कानूनन काम कराया जा सकता है और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह कैसी विडम्बना है कि जब इस उम्र के बच्चों को स्कूल में होना चाहिए, खानदानी व्यवसाय के नाम पर एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा, खेलकूद और सामान्य बाल्य सुलभ व्यवहार से वंचित किया जा रहा है और हम अपनी पीठ थपथपाए जा रहे हैं। बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं।

विशेष रूप से डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग बाल श्रम उन्मूलन के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शी निगरानी, बाल श्रम शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल, त्वरित कार्रवाई तंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कहीं भी बाल श्रम का उपयोग न हो। जो कंपनियां ऐसा करती पाई जाएं, उनके विरुद्ध कठोर आर्थिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बाल श्रम समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा है। केवल विद्यालय खोल देना पर्याप्त नहीं है; शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों को आकर्षित करे, जीवनोपयोगी कौशल दे और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करे। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का विस्तार आवश्यक है। यदि परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी तो बच्चों को मजदूरी के लिए भेजने की मजबूरी भी कम होगी।

हमें यह भी समझना होगा कि बचपन केवल जीवित रहने का नाम नहीं है; बचपन का अर्थ है सपने देखने की स्वतंत्रता, खेलने का अधिकार, सीखने का अवसर, स्नेहपूर्ण वातावरण और सुरक्षित भविष्य। जिस समाज में बच्चे मुस्कुरा नहीं सकते, वह समाज कभी वास्तविक विकास नहीं कर सकता। आर्थिक विकास की ऊंची इमारतें तब तक अधूरी हैं जब तक उनके नीचे किसी बच्चे का कुचला हुआ बचपन पड़ा हो। महान शिक्षाविद् नेल्सन मंडेला ने कहा था, 'किसी समाज की आत्मा को जानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करता है।' यदि हम सचमुच विकसित और संवेदनशील समाज बनना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा। उन्हें दया का नहीं, अधिकार का विषय मानना होगा।

आज आवश्यकता है कि सरकारें बाल श्रम के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें, तस्करी और बंधुआ श्रम के नेटवर्क को ध्वस्त करें, और हर बच्चे तक शिक्षा एवं सुरक्षा की पहुंच सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह किसी भी रूप में बाल श्रम को बढ़ावा नहीं देगा और जहां भी ऐसी घटना देखेगा, उसके विरुद्ध आवाज उठाएगा। बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस हमें यह संदेश देता है कि बचपन को बचाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। यदि हम प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और अवसर प्रदान कर सकें, तो वही बच्चा कल एक सशक्त नागरिक, संवेदनशील मानव और राष्ट्रनिमार्ता बनेगा। सच तो यह है कि बचपन को बचाना ही भविष्य को बचाना है। जब दुनिया का हर बच्चा भय और श्रम से मुक्त होकर मुस्कुराएगा, तभी मानव विकास की यात्रा वास्तव में सार्थक कहलाएगी।

ढाई लाख के डीजल की जमाखोरी! बेचने से पहले पुलिस ने दबोचा तो बरामद हुआ 2640 लीटर तेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। देश में लगातार बढ़ते पेट्रोल,डीजल और गैस के दामों के बीच बांदा में एक जमाखोरी का मामला सामने आया है.इसे स्टोर कर महंगे दामों में बेचने की तैयारी के बीच पुलिस ने आरोपियों को धर दबोचा. दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से लाखों रुपये का 12 बड़े ड्रम भरकर डीजल बरामद हुआ है. पुलिस ने जांच पड़ताल की, जिसके बाद मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया. आपको बता दें बांदा के नरैनी थाना की पुलिस मध्यप्रदेश बॉर्डर क्षेत्र में चेकिंग पर थी. उसी दौरान एक पिकअप लोडर में बड़ी संख्या में डीजल लेकर जाया जा रहा था. पुलिस ने रोककर एक साथ इतना डीजल ले जाने और उपयोग का कारण पूछा तो मौजूद लोग कोई जवाब नहीं दे सके. इसके बाद पुलिस ने 2640 लीटर डीजल कब्जे में लिया और दो को गिरफ्तार कर लिया. इतने सारे डीजल की कीमत करीब 2.5 लाख बताई गई है. पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वो डीजल यूपी से मध्यप्रदेश ले जाकर महंगे दामों में बेचने की तैयारी में थे.रोजाना डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ रहे हैं. बांदा के डीएसपी प्रवीण कुमार ने बताया कि थाना नरैनी पुलिस ने रात्रि गश्त एवं चेकिंग के दौरान मध्य प्रदेश की सीमा की तरफ जाते हुए एक पिक-अप वाहन को चेक किया गया, तो पाया गया कि उक्त वाहन में कुल 12 ड्रम में 2640 लीटर डीजल लदा हुआ है. भारी मात्रा में डीजल के परिवहन के सम्बन्ध में पूछे जाने पर वाहन चालक द्वारा कोई कागजात नहीं दिखाए गए. पेट्रोलियम पदार्थ के अवैध भंडारण एवं परिवहन के दृष्टिगत कार्यवाही करते हुए वाहन को कब्जे में ले लिया गया है. पूरे प्रकरण की गहनता से जांच की जा रही है. साथ ही सम्बन्धित विभागों को रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई है.

पन्ना : बेटी को किया कमरे से बाहर, कुंडी लगाकर मां को दी दर्दनाक मौत, सिरफिरे ने खुद भी खाई सल्फास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना। मध्यप्रदेश पन्ना जिले के पवई क्षेत्र में एक आशा कार्यकर्ता की मौत के मामले ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है. घर के अंदर हुई इस घटना में एक युवक पर महिला की हत्या का आरोप है. बाद में आरोपी भी मृत मिला. पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और घटना के पीछे की वजह जानने का प्रयास कर रही है. पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र में हुई एक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है. वार्ड नंबर 14 में रहने वाली 37 साल क आशा कार्यकर्ता रजनी शुक्ला अपने घर में मृत पाई गई. मामले में एक युवक सुरेंद्र उर्फ सीताराम तिवारी का नाम सामने आया है, जो बाद में उसी घर के अंदर मृत मिला. जानकारी के अनुसार, घटना के समय रजनी शुक्ला की 17 वर्षीय बेटी भी घर में मौजूद थी. आरोप है कि युवक ने उसे कमरे से खींचकर बाहर भेज दिया और दरवाजा बंद कर लिया. फिर उसने रजनी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. तड़प-तड़प कर मौके पर ही रजनी की मौत हो गई. लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई. कानून के शिकंजे और पुलिस के खौफ से डरकर आरोपी सुरेंद्र ने भी कमरे के भीतर ही सल्फास की गोली खाकर अपनी जान दे दी. बेटी की सूचना पर पुलिस को मामले की जानकारी दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने घर का दरवाजा खुलवाया. अंदर रजनी शुक्ला और सुरेंद्र उर्फ सीताराम तिवारी मृत अवस्था में मिले. घटना की खबर फैलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई और पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बन गया. सूचना मिलने के बाद एसडीओपी भावना सिंह दांगी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं. पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई. पन्ना जिले के पवई क्षेत्र में एक आशा कार्यकर्ता की मौत के मामले ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है. घर के अंदर हुई इस घटना में एक युवक पर महिला की हत्या का आरोप है. जबकि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी भी जांच की जा रही है. पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है. फिलहाल घटना के पीछे की असली वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है. पुलिस परिजनों और अन्य लोगों से पूछताछ कर रही है. जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकेगी.पन्ना : बेटी को किया कमरे से बाहर, कुंडी लगाकर मां को दी दर्दनाक मौत, सिरफिरे ने खुद भी खाई सल्फास मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के पवई क्षेत्र में एक आशा कार्यकर्ता की मौत के मामले ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है. घर के अंदर हुई इस घटना में एक युवक पर महिला की हत्या का आरोप है. बाद में आरोपी भी मृत मिला. पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और घटना के पीछे की वजह जानने का प्रयास कर रही है. पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र में हुई एक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है.

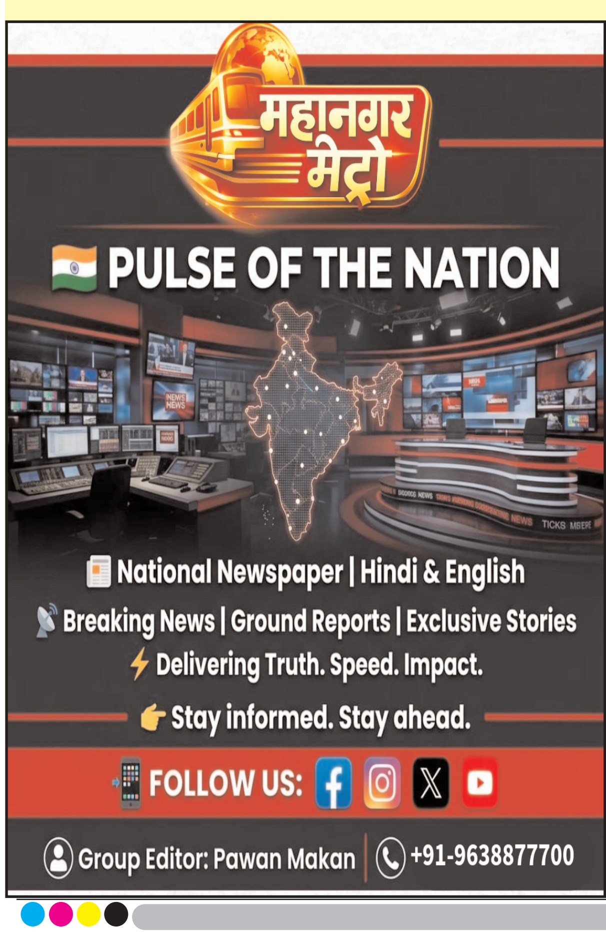

रायसेन किले पर बाघ का कब्जा, 15 दिनों से पहाड़ी पर डेरा जमाए बैठा है टाइगर, पर्यटकों की एंट्री बैन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। पास स्थित ऐतिहासिक रायसेन किले की पहाड़ी पर इन दिनों एक बाघ का कब्जा है। यह बाघ पिछले करीब 15 दिनों से किले के आसपास ही घूम रहा है। वन्यजीव की इस मौजूदगी के बाद वन विभाग ने ऐहतियात के तौर पर पर्यटकों की सुरक्षा के लिए किले के कुछ हिस्सों में आवाजाही को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है।

मॉर्निंग वॉकर्स को दिखे थे पगमार्क

इस मामले की शुरुआत तब हुई जब सुबह की सैर पर निकले कुछ स्थानीय लोगों को पहाड़ी पर बाघ के ताजा फुटमार्क दिखाई दिए। इसके बाद वन विभाग ने मुस्तैदी दिखाते हुए इलाके में निगरानी बढ़ा दी। किले के अलग-अलग हिस्सों में लगाए गए कैमरा ट्रैप में इस बड़े कैट की तस्वीरें और मूवमेंट लगातार रिकॉर्ड हो रही हैं। सोमेश्वर धाम मंदिर के पास बनाया ठिकाना वन अधिकारियों के मुताबिक, बाघ ने किले के भीतर स्थित ऐतिहासिक सोमेश्वर धाम मंदिर के पास एक पानी के कुंड के आसपास अपना ठिकाना बना लिया है। उसे कई बार वहां पानी पीते और छांव में आराम करते हुए कैमरे में देखा गया है। रायसेन की जिला वन

अधिकारी प्रतिभा शुक्ला ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को काफी कड़ा कर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'इलाके में कैमरा ट्रैप बढ़ा दिए गए हैं और पर्यटकों की एंट्री को सीमित किया गया है। हमने मुख्य प्रवेश द्वार पर बैरिकेड्स लगा दिए हैं और चेतावनी के बैनर भी पोस्ट किए हैं।' संवेदनशील रास्तों पर फॉरेस्ट गार्ड्स को तैनात किया गया है ताकि कोई भी पर्यटक खतरे वाले क्षेत्र में न जा सके। पर्यटकों के लिए वन विभाग की गाइडलाइन प्रवेश पर आंशिक रोकः मुख्य द्वार और सोमेश्वर धाम मंदिर की ओर जाने वाले संवेदनशील रास्तों को बैरिकेडिंग करके बंद कर दिया गया है। चेतावनी बोर्डः किले की चढ़ाई और रास्तों पर जगह-जगह चेतावनी पोस्टर लगाए गए हैं, जिन पर बाघ की मौजूदगी का जिक्र है।

सुरक्षा कर्मियों की तैनातीः वन विभाग के जवान तैनात किए गए हैं, जो पर्यटकों को तय दायरे से आगे जाने से रोक रहे हैं। मुरैना के पोरसा में संदिग्ध परिस्थितियों में एक नवविवाहिता की मौत हो गई है। मायके पक्ष का आरोप है कि उसकी हत्या हुई है। रानी पचौरी दो महीने की गर्भवती थी।

मां को फोन लगाकर रोती रही नवविवाहिता, थोड़ी देर बाद ससुराल से आई मौत की खबर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना में एक नवविवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो घई है। ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि उसने जान दी है। वहीं, मायके के लोगों का कहना है कि उसकी हत्या हुई है। मां का कहना है कि मौत से पहले उसने कॉल किया था और रोए जा रही थी। पुलिस मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

रविवार की रात हुई मौत

मृतक रानी पचौरी 24 साल की थी। रविवार को आधी रात को परिजन पोरसा अस्पताल लेकर पहुंचे थे। कहा था कि रानी ने खुदकुशी कर ली है। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। रानी दो महीने की प्रेग्नेंट थी। रानी पचौरी भिंड जिले के गढ़ गनेरा गांव की रहने वाली थी। मौत की खबर

मिलने के बाद परिजन भी वहां पहुंच गए थे। भाई का है बड़ा आरोप रानी के भाई अमन पचौरी ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया है कि बहन को फंदे पर लटकाकर हत्या की गई है। उसने रोते हुए मां को फोन किया था। वह सिर्फ रोती रही फिर मौत की खबर आई। पहले लोगों ने सूचना दी थी कि रानी को हार्ट अटैक आया है।

एक साल पहले हुई थी शादी

मृतक रानी पचौरी की 17 मई 2025 को हुई थी शादी शादी की सालगिरह के बाद ससुराल में बढ़ा विवाद मायके के लोगों का आरोप, रानी की हुई है हत्या पुलिस को सूचना दिए बिना शव को उतार ले गए वहीं, मृतक रानी के परिजन भागते हुए रात में ही पोरसा पहुंचे। यहां पहुंचने पर पता चला कि उसकी मौत फंदे पर लटकने से हुई है। भाई ने कहा कि रानी पचौरी की शादी एक साल पहले हुई थी। 17 मई को पहली सालगिरह थी। बातचीत में उसने बताया था कि सालगिरह के बाद लगातार ससुराली लोग बेइज्जत कर रहे थे। जिसकी वजह से वह टूट गई। जौटई रोड पर एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस को सूचना दिए बिना शव जिला अस्पताल ले गए।

3 गोलियां खाकर भी आतंकी को मार गिराया, CRPF कमांडो संजय तिवारी का हुआ ग्रैंड वेलकम

डेल्ही गांव निवासी संजय को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान अदम्य साहस दिखाने के लिए यह सम्मान मिला है. मुठभेड़ में तीन गोलियां लगने के बावजूद उन्होंने मोर्चा नहीं छोड़ा और एक आतंकी को मार गिराया.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों शौर्य चक्र से सम्मानित होने के बाद सीआरपीएफ कमांडो संजय तिवारी अपने गृह जिला रीवा पहुंचे, जहां उनका भव्य और भावनात्मक स्वागत किया गया. रीवा रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर देश के इस वीर सपूत का अभिनंदन किया. ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता की जय के गगनभेदी नारों के बीच संजय तिवारी का स्वागत किया गया. सिरमौर तहसील के डेल्ही गांव निवासी संजय तिवारी की इस उपलब्धि पर पूरे विंध्य क्षेत्र में गर्व का माहौल है. रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों ने कहा कि संजय तिवारी ने न केवल रीवा और विंध्य का, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है. उनके सम्मान में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में युवाओं, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली. इस अवसर पर संजय तिवारी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके लिए देश सर्वोपरि है. उन्होंने कहा कि अपनी जान से ज्यादा उन्हें अपने देश की चिंता थी. उन्होंने बताया कि आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान उन्हें तीन गोलियां लगी थीं, लेकिन उस समय उनका पूरा ध्यान मिशन को सफल बनाने पर था. उन्होंने कहा

कि उनकी सबसे बड़ी चिंता यह थी कि कोई आतंकी बचकर निकलने न पाए. संजय तिवारी को यह प्रतिष्ठित सम्मान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान दिखाए गए अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रदान किया गया है. अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी. इसके बाद इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया. घुटने और शरीर के अन्य हिस्सों में तीन गोलियां लगीं तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने अचानक सुरक्षा बलों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी. बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और भारी गोलीबारी के बीच संजय तिवारी अग्रिम मोर्चे पर डटे रहे. मुठभेड़ के दौरान उनकी बांह, घुटने और शरीर के अन्य हिस्सों में तीन गोलियां लगीं, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने अपना मोर्चा नहीं छोड़ा. अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए उन्होंने जवाबी कार्रवाई जारी रखी और एक आतंकी को मार गिराया. उनके इसी साहसिक योगदान और कर्तव्य के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें देश के प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कार शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया.

'मैं डर के मारे सच नहीं बोल रहा, वो बहुत पावरफुल लोग हैं' राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर बोले बृजभूषण शरण सिंह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर चल रहे विवाद पर सियासत गरमा गई है। इस मामले पर अब बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में बहुत बड़े लोग शामिल हैं और यदि वह अभी पूरी सच्चाई बता देंगे तो स्वयं बड़ी परेशानी में पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह इस विषय पर अधिक नहीं बोलना चाहते, लेकिन समय आने पर पूरे मामले का सच सामने रखेंगे। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, 'मैं अगर सच बोल दूंगा, तो बहुत चोट लगेगी और मैं खुद विवाद में फंस जाऊंगा, क्योंकि वो बहुत पावरफुल लोग हैं। इसीलिए, डर के मारे मैं सच नहीं बोल रहा। मैं डर की वजह से सच नहीं बोल सकता। बता दें कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों रुपये का चढ़ावा गायब होने का गंभीर आरोप लगाया है। अखिलेश यादव ने बीते रविवार को सोशल मीडिया पर शेयर किया था कि अयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों रुपये का चढ़ावा गायब हो गया है। अखिलेश यादव ने लिखा था कि समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पाई गई है। न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है।

चंपत राय ने खंडन किया

अखिलेश यादव के आरोपों पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने खंडन किया है। चंपत राय वीडियो जारी कर बयान जारी कर चुके हैं। चंपत राय ने बताया कि इंटरनल ऑडिट चल रहा है। ट्रस्ट और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के लोग साझा रूप से ये काम करते हैं।

महज 3 मिनट में उड़ा दिए 40000 रुपये, चोरी की ये CCTV फुटेज देखिए ! गोरखपुर में गजब का चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर जा रहे हैं। बीते दिनों जिले के पिपराइच और अब बड़हलगंज क्षेत्र से चोरी की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं, जिससे लोगों में दहशत है। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के सिधवा बाजार में दिनदहाड़े एक दुकान से 40 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली गई। चोरी की वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस बारे में पुलिस का कहना है की सीसी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीसीटीवी कैमरे में कैद वारदात

मारुति एजेंसी के सामने स्थित वर्मा गैसेस के संचालक राजन वर्मा मंगलवार की शाम करीब 6 बजे किसी काम से छत पर गए हुए थे। इसी दौरान एक किशोर दुकान में दाखिल हुआ और काउंटर में रखे बिक्री के 40 हजार रुपये की नकदी लेकर फरार हो गया। कुछ देर बाद जब दुकानदार नीचे लौटे तो काउंटर खुला मिला और नकदी गायब थी। जांच करने पर पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद मिली।

नगदी को अंडरवियर में छुपाया

फुटेज में एक किशोर चोरी करते हुए साफ दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने पुलिस को सूचना देने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी सौंप दी है। फुटेज में किशोर पहले इधर-उधर देखता है फिर काउंटर में ऊपर की दराज खोलकर लाकर की चाबी निकलता है और फिर चाबी से लाकर खोलकर उसमें रखी नगदी को अपने अंडरवियर में छुपा कर दुकान से बाहर निकल जाता है। दूसरी घटना पिपराइच थाना क्षेत्र के बजरंग पुरम कॉलोनी की है। यहां रहने वाले बृजेश कुमार तिवारी परिवार के साथ बच्चों के एडमिशन के लिए 4 जून को नोएडा गए हुए थे। जब वह मंगलवार को वापस लौटे तो घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला और ताला टूटा हुआ था।

UP के मेडिकल संस्थानों में धर्मांतरण रोकने के लिए बनेगा स्पेशल सेल, आनंदीबेन पटेल का आदेश होगी कड़ी निगरानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में अब धर्मांतरण से जुड़े मामलों की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था बनाई जाएगी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय और संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान से जुड़े कथित धर्मांतरण प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने सभी संस्थानों में धर्मांतरण रोकथाम सेल गठित करने के निर्देश दिए हैं। अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा विश्वविद्यालय ने अपने सभी संबद्ध कॉलेजों को भी इसके आदेश जारी कर दिए हैं। कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ. सुधीर एम. बोबड़े के पत्र के आधार पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अमित देवगन के निर्देश पर यह पहल शुरू की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मेडिकल और डेंटल कॉलेजों से जल्द विशेष सेल गठित कर उसकी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है।

ऐसे निगरानी रखेगा यह सेल छात्रों, रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के साथ किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखेगा। अधिकारियों का कहना है कि इस कवायद का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण बनाए रखना है। साथ ही किसी भी शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कॉलेजों को जागरूकता अभियान चलाने तथा नियमों, अधिकारों और जिम्मेदारियों की जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए हैं। राज्यपाल के निर्देश के बाद प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में निगरानी बढ़ाने की कवायद की जा रही है। अधिकारियों की पहल कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के विशेष कार्याधिकारी डॉ. सुधीर एम. बोबड़े द्वारा जारी पत्र और अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अमित देवगन के स्पष्ट निर्देशों के बाद इस पूरी पहल को धरातल पर उतारा जा रहा है। राज्यपाल के इस कड़े रुख के बाद प्रदेश के तमाम चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा और निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत करने की प्रक्रिया तेजी से शुरू हो गई है।

शाहजहांपुर में एनकाउंटरः लूट और चेन स्नैचिंग करने वाले जुड़वां भाई पैर में गोली लगने से घायल, एक सिपाही भी जख्मी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाहजहांपुर। जिले की रिंग रोड पर देर रात चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस मुठभेड़ में लूट और चेन स्नैचिंग के आरोपी जुड़वां भाई राम और श्याम पैर में गोली लगने से घायल हो गए. पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देश पर तीन महिलाओं से कुंडल और जेवर छीनने की घटनाओं के बाद गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और आपराधिक रिकॉर्ड के जरिए पीलीभीत निवासी इन 25 वर्षीय जुड़वां भाइयों को चिन्हित किया था. मोटरसाइकिल गिरने के बाद आरोपियों द्वारा की गई गोलीबारी में 27 वर्षीय सिपाही सुनील घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की. शाहजहांपुर के एसपी सौरभ दीक्षित ने बताया कि क्षेत्र में तीन महिलाओं ने अपने कुंडल और अन्य आभूषण छीने जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. इन वारदातों को गंभीरता से लेते हुए तुरंत एक विशेष पुलिस टीम का गठन

किया गया. पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिससे इन आरोपियों की पहचान हो सकी. इसके बाद पुलिस ने उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी बारीकी से जांच की. बुधवार की रात पुलिस टीम रिंग रोड पर चेकिंग अभियान चला रही थी, तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध आते दिखे. पुलिस को देखते ही उन्होंने भागने का प्रयास किया, लेकिन उनकी मोटरसाइकिल असंतुलित होकर गिर गई. खुद को घिरा देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें सिपाही सुनील घायल हो गए. पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिससे दोनों जुड़वां भाइयों के पैरों में गोली लग गई. गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पीलीभीत निवासी जुड़वां भाइयों राम और श्याम के रूप में हुई है, जिन पर पहले से 24 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं. पूछताछ में दोनों भाइयों ने शाहजहांपुर में की गई स्नैचिंग की वारदातों को स्वीकार किया है. पुलिस ने उनके पास से लूटे गए कुछ आभूषण भी बरामद कर लिए हैं. घायल सिपाही और दोनों आरोपियों को इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है.

सावधान! हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर हो रही ठगी
दिल्ली पुलिस ने ऐसे किया इंटरस्टेट गिरोह का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की साउथ डिस्ट्रिक्ट साइबर पुलिस स्टेशन ने एक संगठित अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह फर्जी ऑनलाइन हेलीकॉप्टर और ट्रैवल बुकिंग वेबसाइटों के जरिए देशभर में लोगों से ठगी कर रहा था। मामले की शुरुआत उस शिकायत से हुई जिसमें पीड़ित से 20,328 रुपए की ठगी की गई थी। आरोपियों ने फर्जी वेबसाइटें बनाकर उन्हें सरकारी या अधिकृत ट्रैवल पोर्टल जैसा दिखाया और लोगों को यात्रा बुकिंग का झांसा देकर पैसे ऐंठे। इस आधार पर साइबर थाना, साउथ जिला में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने बैंक ट्रांजैक्शन, डिजिटल पेमेंट चैनल, डोमेन रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड, ईमेल अकाउंट, आईपी लॉग और होस्टिंग सर्विस से प्राप्त तकनीकी डेटा का विश्लेषण किया। तकनीकी जांच और सर्विलांस के जरिए पुलिस ने बिहार के नालंदा से ओमप्रकाश कुमार और रोहित कुमार को गिरफ्तार किया। पेड विज्ञापन चलाकर लोगों को फर्जी वेबसाइटों तक पहुंचाते थे आरोपी पूछताछ में सामने आया कि इस गिरोह का एक और प्रमुख सदस्य श्रेयांश तिवारी उर्फ शिवम है, जो फर्जी वेबसाइटों को विकसित और संचालित करता था, जिसे बाद में ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पेड विज्ञापन चलाकर लोगों को इन फर्जी वेबसाइटों तक पहुंचाते थे और बुकिंग के नाम पर पैसे वसूलते थे, जिसके बाद रिफंड या अतिरिक्त शुल्क के नाम पर और रकम ली जाती थी। पुलिस के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क म्यूल बैंक खातों और डिजिटल माध्यमों के जरिए पैसे को आगे ट्रांसफर करता था। इस गिरोह से जुड़ी लगभग 30 शिकायतों का पता चला है, जिनमें करीब 10 लाख रुपए की साइबर ठगी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 मोबाइल फोन, 2 लैपटॉप, 1 आईपैड, कई एटीएम/डेबिट कार्ड और महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं,

दिल्ली एयरपोर्ट पर ड्रग्स तस्करी का हुआ भंडाफोड़, बैंकॉक से आए यात्री के बैग से मिला लगभग 7 किलो गांजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सीमा शुल्क अधिकारियों ने दिल्ली हवाई अड्डे पर एक भारतीय यात्री को गिरफ्तार किया, जिसके बैग से लगभग 2.43 करोड़ रुपये मूल्य का संदिग्ध गांजा बरामद किया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैंकॉक से आ रहे उस यात्री को बुधवार को एक्स-रे जांच और उसके सामान की विस्तृत तलाशी के बाद गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान उसके बैग से हरे रंग के मादक पदार्थ से भरे आठ पॉलीथीन पाउच बरामद हुए। बयान में बताया गया कि बरामद किए गए पदार्थ का वजन 6,939.5 ग्राम था। सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला कि यह पदार्थ प्रथम दृष्टया गांजा (मारिजुआना) है। बयान में कहा गया कि जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 2.43 करोड़ रुपये है। दिल्ली हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री को कस्टम अधिकारियों ने गिरफ्तार किया। यात्री के बैग से आठ पॉलीथीन पाउच में भरा लगभग 7 किलो संदिग्ध गांजा बरामद हुआ। जब्त किए गए इस गांजे की अनुमानित कीमत 92.43 करोड़ रुपये है। आरोपी को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार कर सामान जब्त कर लिया गया है।

जब्त कर लिया गया गांजा

यात्री को स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया और मादक पदार्थ के साथ उसकी पैकिंग सामग्री को आगे की जांच के लिए जब्त कर लिया गया। सीमा शुल्क अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए मादक पदार्थों के स्रोत और इनके संभावित गंतव्य का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

थाईलैंड से भारत लाया गया इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस वाला भगोड़ा गणेश बालासो काले, मुंबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने साइबर ठगी के एक मामले में वांछित आरोपी गणेश बालासो काले को थाईलैंड से सफलतापूर्वक भारत प्रत्यर्पित करा लिया है। प्रत्यर्पण की यह प्रक्रिया विदेश मंत्रालय (एमईए), गृह मंत्रालय (एमएचए) और बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास के समन्वय से पूरी की गई। सीबीआई ने गुरुवार को बताया कि गणेश बालासो काले इंटरपोल रेड नोटिस वाला वांछित भगोड़ा था। वह लोगों को ऑनलाइन पार्ट-टाइम नौकरी का लालच देकर उनके साथ ठगी करता था। आरोपी पीड़ितों से निवेश के नाम पर पैसे जमा करवाता था और बाद में उनके साथ धोखाधड़ी कर फरार हो जाता था। उसने कई लोगों को अपने नेटवर्क में शामिल कर एक बड़ा साइबर वित्तीय अपराध का गिरोह चलाया था। आरोपी लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल अवैध फंड ट्रांसफर के लिए करता था और इसके बदले उन्हें ब्याज या कमीशन देने का लालच देता था। इन खातों (म्यूल अकाउंट्स) का इस्तेमाल निर्दोष पीड़ितों को ठगने के लिए किया जाता था। उसने अपने साथियों को नकली सिम कार्ड और मोबाइल फोन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए थे।

24 मई को बैंकॉक में हुआ था गिरफ्तार

मई 2026 में जारी इंटरपोल रेड नोटिस के आधार पर थाई पुलिस ने 24 मई को बैंकॉक में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। भारतीय और थाई अधिकारियों के बीच तेज समन्वय और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद मात्र 20 दिनों के अंदर आरोपी को भारत वापस लाया गया।

सीबीआई ने ऐसे ऑपरेशन को दिया अंजाम

गणेश बालासो काले 11 जून को मुंबई पहुंचा, जहां महाराष्ट्र पुलिस की साइबर सेल ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया। सीबीआई ने 'भारतपोल' प्लेटफॉर्म के माध्यम से इंटरपोल चैनलों का उपयोग कर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। सीबीआई भारत में इंटरपोल का राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो है और पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय कर 160 से अधिक वांछित अपराधियों को विदेशों से भारत वापस ला चुकी है।

उद्धव गुट के सात सांसद शिंदे की शिवसेना के संपर्क में, बंगाल ही नहीं महाराष्ट्र में भी होने वाला है 'खेला'

विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद टीएमसी में भगदड़ मची हुई है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पश्चिम बंगाल में आए सियासी तूफान के बाद अब महाराष्ट्र में भी बड़ा 'खेला' होता हुआ दिखाई दे रहा है। सूत्रों के अनुसार, शिवसेना यूबीटी के सात लोकसभा सांसद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के संपर्क में हैं। बताया जा रहा है कि 7 जून को नई दिल्ली में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट के कई सांसदों के बीच एक गोपनीय बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद इन सात सांसदों के शिवसेना में शामिल होने की चर्चाएं शुरू हो गई है। बता दें कि वर्तमान में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 9 लोकसभा सांसद हैं।

बैठक में क्या हुआ

इस बैठक में सांसदों के सामने ऐसा राजनीतिक प्रस्ताव रखा गया, जिससे उद्धव ठाकरे खेमे में संभावित फूट की चर्चा शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के संभावित विस्तार को देखते हुए एक सांसद को केंद्रीय मंत्री बनाने और अन्य नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां देने का संकेत दिया गया। इसी बीच, एकनाथ शिंदे की केंद्रीय गृह मंत्री अमित से हुई मुलाकात ने भी चर्चाओं को और तेज कर दिया है। दिल्ली में हुई इस मुलाकात में महाराष्ट्र की बदलती राजनीतिक स्थिति और उद्धव गुट के सांसदों के संभावित रुख पर भी चर्चा हुई हो सकती है। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शिवसेना यूबीटी में फिर से बगावत

सूत्रों के अनुसार, लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पिछले कई महीनों से उद्धव गुट के सांसदों के संपर्क में हैं। दिल्ली में कई दौर की बैठकों के बाद अब यह चर्चा तेज हो गई है कि आने वाले समय में महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह वैसा ही सियासी झटका हो सकता है जैसा 2022 में शिवसेना में हुई बड़ी बगावत के दौरान देखने को मिला था। उस समय एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में विधायकों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ दिया था। जिसके बाद महाराष्ट्र की सत्ता का पूरा समीकरण बदल गया था।

प्रणित मोरे के 370 बिरयानी वाले कॉमेंट विवाद में मुंबई पुलिस की एंट्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। प्रणित मोरे और 370 वाली बिरयानी का विवाद अब मुंबई पुलिस के सोशल मीडिया पेज तक पहुंच गया है। जागरूकता फैलाने के लिए तीखे, समसामयिक और मजेदार पोस्ट करने के लिए मशहूर मुंबई पुलिस ने 'सहमति' पर चल रही बहस में एक दमदार इंस्टाग्राम पोस्ट के ज़रिए हिस्सा लिया, जो तेजी से वायरल हो गया। इस पोस्ट में एक साफ-सुथरा सफेद ग्राफ़िक था, जिसमें बड़े अक्षरों में 370 लिखा था और '0' की जगह बिरयानी की एक प्लेट बनी थी। मुंबई पुलिस ने तस्वीर पर लिखा ?370 में आपको बिरयानी की एक प्लेट मिलती है। हमारे लॉक-अप में ज्यादा समय बिताने पर मुफ्त खाना मिलता है। पोस्ट का अंत में मुंबई पुलिस ने BiryaniIsNotConsent हैशटैग भी लगाया। कुछ ने इसे मजाकिया अंदाज में लिया, पर कुछ यूजर्स मुंबई पुलिस पर भी भड़क गए।

मुंबई पुलिस का क्लियर मेसेज

मुंबई पुलिस ने पोस्ट का कैप्शन दिया कि यह आपकी पसंद है और बिना किसी का नाम लिए अपना संदेश साफ कर दिया। यह पोस्ट कॉमेडियन प्रणीत मोरे के स्टैंड-अप शो के एक वायरल क्लिप पर मचे भारी हंगामे के बीच आया, जिसमें दर्शकों में से एक व्यक्ति ने बिरयानी पर खर्च किए गए 370 रुपये और शारीरिक संबंध की उम्मीद से जुड़ी एक आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। क्या बोले यूजर्स एक यूजर ने लिखा, भाऊ, आप लोग मुंबई पुलिस हैं। हर ट्रेंडिंग टॉपिक पर अपने घटिया मीम मत बनाया करो। प्रणय महेश्वरी नाम के यूजर ने लिखा 'नहीं' का मतलब 'नहीं' ही होता है।अगर कोई महिला आपके साथ पार्टी करती है या बाहर जाती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको अपनी गंदी इच्छाओं या ज़रूरतों को पूरा करने की मंजूरी मिल गई है। जिन महिलाओं के साथ आप रहते हैं, खाते-पीते हैं, जश्न मनाते हैं या बाहर जाते हैं, उनका सम्मान करें। उनकी पसंद, उनकी सीमाओं और सबसे ज़रूरी बात, उनकी प्राइवेसी का सम्मान करें।

370 रुपये वाली बिरयानी का विवाद क्या है?

यह विवाद प्रणीत मोरे के शो के एक 'क्राउड-वर्क' वीडियो के वायरल होने के बाद शुरू हुआ। क्लिप में, हिमांशु जांगड़ा नाम के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक महिला को बाहर ले जाने और चिकन बिरयानी पर 370 रुपये खर्च करने के बारे में बात की। फिर उसने कहा कि चूंकि उसने खाने पर पैसे खर्च किए हैं, इसलिए उसे शारीरिक संबंध के रूप में बदले की उम्मीद थी। इस टिप्पणी ने ऑनलाइन बड़े पैमाने पर गुस्सा पैदा किया। कई लोगों ने इसे महिलाओं के प्रति नफरत और बेहद गलत बताया। दर्शकों का कहना था कि इस टिप्पणी ने सहमति को एक लेन-देन बना दिया और डेटिंग, पैसे और हक जताने की सोच के बारे में एक परेशान करने वाली मानसिकता को दिखाया।

ED का बड़ा एक्शन, SKNL बैंक घोटाले में अलीबाग की 60 करोड़ की संपत्ति जब्त

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1,400 करोड़ रुपये के एसकेएनएल बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए रायगढ़ में अलीबाग के पास अरब सागर के सामने स्थित एक लग्जरी संपत्ति को अस्थायी रूप से अटैच (जब्त) किया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रायगढ़ के मुरुद में अलीबाग के पास स्थित अरब सागर के सामने वाली एक संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त किया है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य 60 करोड़ रुपये से अधिक है. यह कार्रवाई पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है. जांच में पता चला है कि एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड (एसकेएनएल) के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन शंभूकुमार कासलीवाल ने बैंकों के एक कंसोर्टियम से लोन लेने के दौरान फंड की हेराफेरी और उसकी लेयरिंग की. इसके लिए उसने अपने परिवार के नियंत्रण वाली कई जुड़ी हुई कंपनियों के नेटवर्क का इस्तेमाल किया था. एसकेएनएल से निकाले गए पैसे का इस्तेमाल रायगढ़ के मुरुद में अलीबाग के पास अरब सागर के सामने स्थित अचल संपत्ति के लिए किया गया था, जिसे चल रहे 1,400 करोड़ रुपये के एसकेएनएल बैंक धोखाधड़ी मामले में अपराध की आय से प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त किया गया पाया गया. म्यांमार से भारत आने वाली अवैध सुपारी पर श्रेष्ठ का शिकंजा, चम्फाई में कई ठिकानों पर छापेमारी ईडी की जांच में यह भी साफ हुआ कि विभिन्न बैंकों की ओर से एसकेएनएल को दिए गए लोन को नितिन कासलीवाल द्वारा नियंत्रित संबंधित संस्थाओं के एक नेटवर्क के माध्यम से कथित तौर पर डायवर्ट किया गया था, और इन निधियों के एक हिस्से का उपयोग अलीबाग के पास समुद्र के सामने स्थित एक आलीशान संपत्ति के लिए किया गया था. इससे पहले, ईडी ने 23 दिसंबर 2025 को पीएमएलए, 2002 की धारा 17 के तहत तलाशी अभियान चलाया था और विदेशी ट्रस्टों और कंपनी संरचनाओं के माध्यम से रखी गई विदेशी संपत्तियों से संबंधित सबूत जुटाए थे. जांच के दौरान मिले सबूतों के आधार पर, ईडी इंदौर ने लंदन, यूनाइटेड किंगडम में बकिंघम पैलेस के पास स्थित लगभग 119.55 करोड़ रुपये मूल्य की एक उच्च मूल्य वाली संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया था. बैंकों के कंसोर्टियम के साथ किए गए धोखाधड़ी के माध्यम से प्राप्त अतिरिक्त अपराध आय का पता लगाने और उसकी पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है.

ठाणे में सड़क पर थूकने से टोका तो कैब चालक ने 70 साल के बुजुर्ग को पीटा, CM फडणवीस ने पुलिस को घुमाया फोन

महाराष्ट्र के ठाने में एक 70 साल के बुज़ुर्ग की पिटाई करने का मामला सामने आया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में सड़क पर थूकने का विरोध करना एक 70 वर्षीय बुजुर्ग के लिए भारी पड़ गया। सार्वजनिक स्थान पर थूकने से रोकने पर एक कैब चालक ने बुजुर्ग के साथ न केवल गाली-गलौज की, बल्कि उनकी पिटाई भी कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सीएम और डिप्टी सीएम भी एक्शन में आ गए। पुलिस ने इस मामले में आरोपी कैब चालक निशांत शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

कहां की घटना

जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार शाम करीब 7 बजे ठाणे के जुपिटर हॉस्पिटल के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, बुजुर्ग व्यक्ति ने आरोपी को अपनी कार के बाहर सड़क पर थूकते देखा तो उसे ऐसा करने से मना किया। आरोप है कि इस मामूली आपत्ति पर आरोपी भड़क गया और उसने बुजुर्ग के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए मारपीट शुरू कर दी। एफआईआर के अनुसार, आरोपी ने बुजुर्ग को मुक्का मारा जिससे वह लड़खड़ा गए। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने पास में पड़ा एक पत्थर उठाकर बुजुर्ग के सिर पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि, आसपास मौजूद लोगों ने उसे ऐसा करने से रोक लिया। मारपीट के दौरान बुजुर्ग की पत्नी और अन्य परिजन भी मौके पर मौजूद थे। घटना के बाद बुजुर्ग सड़क पर गिर पड़े। कैसे सामने आया मामला इस पूरी घटना का वीडियो किसी राहगीर ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। यह वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठने लगे। मामले ने इतना तूल पकड़ा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने भी पुलिस अधिकारियों को आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं, मनसे ने सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ती रोड रेज और हिंसक घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

सोशल मीडिया पर भड़के यूजर्स

सोशल मीडिया पर भी लोगों ने घटना की कड़ी निंदा की। कई यूज़र्स ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। कुछ लोगों ने यह सवाल भी उठाया कि नागरिक जिम्मेदारी निभाने वाले लोगों को हिंसा का सामना क्यों करना पड़ रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पीड़ित बुजुर्ग शुरुआत में शिकायत दर्ज कराने को लेकर हिचकिचा रहे थे। इसके बाद शिवसेना नेता नितेश पटोले की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया।

आधी रात हुआ विवाद, पत्नी को हथौड़ा से मारकर भाग गया पति, दोस्त को फोन कर बताई सारी बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। गौतमपुरी इलाके में घरेलू विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया. आरोप है कि पति ने गुस्से में अपनी पत्नी पर हथौड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी. वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश में छापेमारी जारी है. उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर थाना क्षेत्र के गौतमपुरी इलाके में एक सनसनीखेज हत्या की वारदात सामने आई है. आरोप है कि एक पति ने घरेलू विवाद के दौरान अपनी पत्नी की हथौड़े से हमला कर निर्मम हत्या कर दी. मृतका की पहचान राजदा के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति की पहचान दाऊद के तौर पर हुई है, जो घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है. जानकारी के अनुसार, दाऊद ने करीब तीन महीने पहले राजदा से दूसरी शादी की थी. उसकी पहली पत्नी से चार बच्चे हैं. मृतका के परिजनों का आरोप है कि दाऊद और उसके परिवार ने दूसरी शादी की बात उनसे छिपाई थी. परिजनों का यह भी कहना है कि शादी के बाद से ही दाऊद उनकी बेटी के साथ मारपीट करता था और उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता था. बताया जा रहा है कि बुधवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद गुस्से में आकर दाऊद ने राजदा पर हथौड़े से हमला कर दिया. हमले में गंभीर रूप से घायल राजदा की मौके पर ही मौत हो गई. सूत्रों के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपने एक दोस्त वसीम को फोन कर बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है. इसके बाद मामले की सूचना पुलिस तक पहुंची. सूचना मिलते ही सीलमपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

अब प्राइवेट स्कूलों की महिला टीचरों को भी मिलेगी चाइल्ड केयर लीव, दिल्ली HC का ऐतिहासिक फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। हाईकोर्ट ने प्राइवेट स्कूलों में काम करने वाली महिला शिक्षकों को चाइल्ड केयर लीव का अधिकार दिया है. अब तक ये सुविधा सिर्फ सरकारी स्कूलों की फीमेल टीचर्स को दी जा रही थी. लेकिन अब अदालत ने कहा कि ये अधिकार महिला शिक्षकों के समानता के मौलिक अधिकार का हिस्सा है और निजी संस्थान इस छुट्टी से उन्हें वंचित नहीं कर सकते. दिल्ली हाईकोर्ट ने कामकाजी महिलाओं के हक में एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है. अदालत ने कहा है कि अब प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने वाली फीमेल टीचर्स भी सरकारी स्कूलों की तरह 'चाइल्ड केयर लीव' पाने की हकदार होंगी. ये फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की डिवीजनल बेंच ने सुनाया. डिवीजनल बेंच ने इस मामले में सिंगल जज बेंच के पुराने फैसले को पूरी तरह पलट दिया है. हाईकोर्ट के इस फैसले से दिल्ली के हजारों निजी स्कूलों में काम करने वाली महिला शिक्षकों को एक बड़ी राहत मिली है. अदालत ने कहा कि फीमेल टीचर्स को बच्चों की देखभाल के लिए छुट्टी मिलना उनके समानता के मौलिक अधिकार का हिस्सा है. कोर्ट ने आदेश में बताया कि कोई भी मान्यता प्राप्त निजी संस्थान अपनी महिला कर्मचारियों को उनके बच्चों की देखभाल, पढ़ाई या बीमारी से जुड़े इस जरूरी छुट्टियों से वंचित नहीं कर सकता. अदालत ने अपने फैसले का आधार दिल्ली स्कूल शिक्षा नियमों को बनाया है. नियम 111 के तहत ये प्रावधान है कि प्राइवेट स्कूलों के स्टाफ को भी सरकारी स्टाफ की तरह ही छुट्टियों की सुविधाएं मिलनी चाहिए. इस नियम के तहत दोनों जगह के स्टाफ में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जा सकता. केंद्रीय सिविल सेवा अवकाश नियमों के मुताबिक, कोई भी महिला कर्मचारी अपनी पूरी नौकरी के दौरान कुल मिलाकर 730 दिन यानी पूरे दो साल की चाइल्ड केयर लीव ले सकती है. हालांकि, इसके लिए कुछ जरूरी शर्तें तय की गई हैं. चाइल्ड केयर लीव फीमेल स्टाफ को अपने पहले दो बच्चों के पालन-पोषण के लिए ही मिलेगी.

दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर को पल्सर सवारों ने दिखाया ठेंगा, बदमाशों ने चलती बाइक से लूटा डेढ़ करोड़ का कैश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में कल बदमाशों ने एक बार फिर दिनदहाड़े वारदात कर लॉ एंड ऑर्डर को ठेंगा दिया। दरअसल बदमाशों ने चांदनी चौक स्थित कूचा घासीराम में डेढ़ करोड़ रुपये देने जा रहे एक कंपनी के कर्मचारियों से लूट की वारदात को अंजाम दे दिया। आरोपियों ने पिस्टल तान कर्मचारियों से कैश वाला बैग लूटा और मौके से फरार हो गए। घटना नॉर्थ दिल्ली के सराय रोहिल्ला इलाके में हुई। पुलिस मामले में लूट का केस दर्ज छानबीन कर रही है। लोकल पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल की टीमें भी मामले की जांच में जुटी हैं। पुलिस सूत्र ने बताया, वारदात नितिन और करण के साथ हुई है। दोनों पश्चिम विहार की एक रियल एस्टेट कंपनी में काम करते हैं। कल दोपहर कंपनी के मालिक निशांत ने दोनों को डेढ़ करोड़ रुपये कैश देकर चांदनी चौक के कूचा घासी राम में देकर आने के लिए कहा था। दोनों स्कूटी से चांदनी चौक के लिए निकले। रास्ते में दोनों अशोका पार्क मेट्रो स्टेशन से इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन की ओर चल रहे थे, उसी दौरान पीछे से पल्सर बाइक पर आए दो बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोका और पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी देकर कैश वाला बैग लूट लिया। इसके बाद दोनों पंजाबी बाग की ओर फरार हो गए। कर्मचारियों ने कंपनी मालिक और पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस कंपनी के ऑफिस के आस-पास से लेकर घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है।

कोई अपना या रेकी कर दिया वारदात को अंजाम

फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की छानबीन कर रही है। कंपनी में काम करने वाले तमाम कर्मचारियों तक की भूमिक की जांच की जा रही है। पूरी संभावना है कि वारदात में किसी जानकार का हो सकता है

लालू यादव का जन्मदिन : राबड़ी के हाथों से केक और परिवार का प्यार

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के दिग्गज और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन उनके पटना स्थित आवास पर धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर उनके पूरे परिवार की मौजूदगी थी, जिसने माहौल को और खुशनुमा कर दिया। पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने उन्हें हैप्पी बर्थडे साहेब कहकर शुभकामनाएं दीं और लालू यादव ने भावुक पल में केक काटा। मगर जश्न की सबसे खूबसूरत और हृदयस्पर्शी तस्वीर तब सामने आई जब राबड़ी देवी ने अपने पारंपरिक प्रेम और स्नेह का प्रदर्शन कर अपने हाथों से पति लालू यादव को केक खिलाया। यह दृश्य तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया, जहाँ समर्थकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, यहाँ तक कि आम लोगों के बीच भी बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। राबड़ी का यह खास और स्नेहपूर्ण अंदाज इंटरनेट पर खूब चर्चा का विषय बना रहा। हर साल की तरह इस बार भी उन्होंने आरजेडी प्रमुख के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए उन्हें बेहद प्यार से केक खिलाया। दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच की यह खूबसूरत केमिस्ट्री और आपसी सौहार्द उनके कार्यकर्ताओं और आम जनता को खूब पसंद आया। इस पारिवारिक उत्सव में लालू यादव के छोटे बेटे और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बेटी मीसा भारती सहित परिवार के सभी सदस्य एकजुट दिखाई दिए। जैसे ही घड़ी की सुइयां आधी रात को बदलीं, पूरा परिवार अपने साहेब और मुखिया को जन्मदिन की मुबारकबाद देने के लिए इकट्ठा हो गया। तेजस्वी ने अंतरंग तस्वीरों को खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कर पिता के प्रति अपना गहरा सम्मान और असीम प्रेम जाहिर किया।

मरवाही में 4 हाथियों का उपद्रव : हॉस्टल की दीवार तोड़ी, कॉलोनी में मचा हड़कंप

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में तब हड़कंप मच गया जब चार जंगली हाथी अचानक रिहायशी इलाके में घुसे। मरवाही स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और रेंज ऑफिस परिसर में इन विशालकाय हाथियों को टहलते देख लोगों में दहशत मच गई। सुबह-सुबह अपने घरों से निकले लोगों को जब सड़क पर हाथी नजर आए, वे हैरान हो गए। कई लोगों ने मोबाइल पर अनोखे और डरावने नजारे को कैद किया, जबकि कुछ लोग सुरक्षित दूरी से अप्रत्याशित मेहमानों को देख रहे थे। हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम पहुंची। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर हाथियों को वहां से खदेड़ने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद वनकर्मी उन्हें दर्रीटोला की दिशा में भेजने में कामयाब रहे, जिससे लगा कि फिलहाल खतरा टल गया है और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, यह राहत कुछ ही देर की साबित हुई। कुछ समय बाद वहीं चारों हाथी फिर से वापस लौट आए। इस बार वे एक छात्रावास की ओर बढ़े और उसकी बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए आगे निकल गए। इसके बाद हाथियों का यह दल नवाटोला स्थित आम की बगिया में पहुंच गया और वहीं कुछ समय के लिए डेरा डाल दिया। हाथियों की फिर वापसी ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि एक बार आबादी वाले क्षेत्र का रास्ता पहचानने के बाद उनके बार-बार लौटने की संभावना बढ़ जाती है।

सचिन पायलट का पूर्व सीएम गहलोत पर स्नेह बयान, भाजपा पर तीखा हमला

जयपुर(एजेंसी)। दौसा में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा राजस्थान की राजनीति का केंद्र बनी। अपने दोनों बेटों के साथ पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बगावत संबंधी बयानों पर पलटवार कर पायलट ने मुस्कुराते हुए कहा कि गहलोत जी का स्नेह उनके साथ भी उतना ही है, जैसा उनके बेटे वैभव गहलोत के साथ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में उनके बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद कभी नहीं रहे। हालांकि, इससे ठीक पहले, पायलट ने बिना नाम लिए विरोधियों को आंख में आंख डालकर सच-झूठ पहचानने की चुनौती दी थी। अपने पिता के स्मारक से कांग्रेस नेता पायलट ने भजनलाल और केंद्र सरकार पर चौतरफा हमला किया। उन्होंने देश में नीट पेपर लीक और लगातार हो रही परीक्षाओं में धांधली पर गहरी चिंता जताकर कहा कि इससे 22 लाख से अधिक युवाओं का भविष्य दांव पर है। पायलट ने किसानों की घटती आमदनी, डीजल-पेट्रोल और गैस सिलेंडर के आसमान छूते दामों पर सवाल उठाए, साथ ही सरकार के किसान 20 दिन काम करता है जैसे बयानों को उनकी किसान विरोधी मानसिकता का परिचायक बताया।

तमिलनाडु में सिंगप्पन स्पेशल फोर्स ने संभाला मोर्चा, महिला-बाल सुरक्षा हुई मजबूत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री विजय द्वारा गठित सिंगप्पन स्पेशल फोर्स ने अपने औपचारिक उद्घाटन के बाद मोर्चा संभाल लिया है। इस विशेष बल की टीमें राज्य के संवेदनशील इलाकों में तुरंत तैनात हुई हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला और बाल अपराधों पर लगाम लगाना है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के.भुवनेश्वरी ने बताया कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थल और अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी है। साथ ही, घनी आबादी वाले क्षेत्रों और संभावित संवेदनशील जगहों पर निगरानी के लिए ड्रोनों का इस्तेमाल होगा। आईजी भुवनेश्वरी ने राजारथिनम स्टेडियम में पहल की शुरुआत के बाद बताया कि महिला पुलिसकर्मियों वाली यह विशेष इकाई महिलाओं की सुरक्षा और बचाव के लिए एक समर्पित है। अपनी प्रारंभिक अवस्था में, यह इकाई राज्यभर में 70 फील्ड यूनिट्स के साथ कार्य कर रही है, जिनमें 140 उप निरीक्षक और 420 कॉन्स्टेबल शामिल हैं। भविष्य में इसके विस्तार के लिए राज्यभर में कुल 2,545 नए पद भी स्वीकृत किए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर, आईजी भुवनेश्वरी ने स्पष्ट किया कि पीछा करने, यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक रूप से अश्लीलता फैलाने जैसे अपराधों के दोषियों के खिलाफ तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहले चरण में, इन 70 विशेष टीमों में से 12 चेन्नई शहर में, जबकि अवादी और ताम्बरम पुलिस कमिश्नरेट में दो-दो टीमें कार्यरत रहेंगी। ये सभी टीमें स्थानीय पुलिस अधिकारियों की निगरानी में काम करेंगी और कंट्रोल रूम से प्राप्त होने वाली आपातकालीन सूचनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देंगी, जिससे राज्य में महिला-बाल सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा।

मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं

-राम मंदिर दान में गड़बड़ी पर बृजभूषण शरण सिंह ने दिया चौंकाने वाला बयान

अयोध्या (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर में चढ़ावे के दुरुपयोग और चोरी के आरोपों पर एक बेहद चौंकाने वाला बयान दिया है। जिले के विश्नोहरपुर स्थित अपने पैतृक आवास पर बुधवार को पत्रकारों से कहा कि वह इस पूरे विषय पर बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन फिलहाल सच बोलने की स्थिति में नहीं हैं। अयोध्या में राम मंदिर के दान में गड़बड़ी को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी विवाद के बीच बृजभूषण की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजभूषण सिंह ने कहा कि मैं बहुत कमजोर आदमी हूं। अगर मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं। सच बोलने की हिम्मत अभी मेरे अंदर नहीं है। कभी समय आएगा तो बोलूंगा। उन्होंने यह निर्दिष्ट नहीं किया कि वे से उनका तात्पर्य किससे है। सिंह की टिप्पणी अयोध्या में राम मंदिर के दान में गड़बड़ी को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आई है। दिल्ली में करीब 10 दिन के प्रवास के बाद गांव लौटे बृजभूषण सिंह ने अपने हालिया राजनीतिक और सामाजिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से वह कई जटिल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। 2023 में कुछ महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े विवाद का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से उस प्रकरण से उपजी परिस्थितियों को संभालने में लगे हुए हैं।

नीट में अनियमितताओं और पेपर लीक के मुद्दे पर बृजभूषण ने कहा कि किसी मंत्री के इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के पीछे एक संगठित तंत्र है जिसमें विभिन्न स्तरों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी मंत्री के इस्तीफा देने से भविष्य में पेपर लीक रुकने की गारंटी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मंत्री प्रत्येक परीक्षा केंद्र या व्यवस्था की व्यक्तिगत निगरानी नहीं कर सकता। उनके अनुसार जब तक दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना संभव नहीं। उन्होंने कहा कि पहली बार बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती दिखाई दे रही है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा सरकार नकल एवं पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क को तोड़ने में सफल होगी।

संजय सिंह ने कांग्रेस, पीएम मोदी और विदेश नीति पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के भाजपा के साथ मिले होने की बात सभी को पता है, तब उन्होंने सपोर्टिंग कैंडिडेट का पर्चा क्यों नहीं भरवाया। आप नेता सिंह ने कहा कि इसतरह के समय में जब एक-एक सांसद महत्वपूर्ण है, यह घटना भाजपा को राज्यसभा में आसानी से जीत दिला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मीनाक्षी का पर्चा गलत ढंग से खारिज हुआ है और चुनाव आयोग भाजपा के हाथ में खेल रहा है। मीनाक्षी नटराजन के मुद्दे के बाद, संजय सिंह ने ओमान तट पर हुए वाणिज्यिक जहाज पर हमले की घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस हमले में 24 भारतीय चालक दल सदस्यों में से तीन अभी भी लापता हैं। आप सांसद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस पर अपना प्रतिरोध दर्ज कराना चाहिए। उन्होंने अतीत की घटनाओं का जिक्र किया जहां अमेरिका ने भारतीयों के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणियां कीं या कार्रवाइयां कीं, लेकिन प्रधानमंत्री शांत रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय से तत्काल विरोध दर्ज कराने की मांग की। इसके बाद अंत में आप सांसद सिंह ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मामले पर भी केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत सरकार पीओके को अपना हिस्सा मानती है और वहां आतंकी ठिकानों की बात करती है, तब उस पर अब तक कब्जा क्यों नहीं किया। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की बहादुरी का हवाला देकर आरोप लगाया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कहने पर युद्धविराम कर दिया गया, जो ठीक नहीं था। उन्होंने सलाह दी कि भारत को पीओके की गतिविधियों पर लगातार नजर रखनी चाहिए और उसके अनुसार फैसले लेने चाहिए।

बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर फिलहाल बने रहेंगे ऋतब्रत बनर्जी

-कलकत्ता हाईकोर्ट ने तत्काल हस्तक्षेप से किया इनकार

-टीएमसी की याचिका पर अगली सुनवाई 16 जून को

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) की नियुक्ति को लेकर चल रहे राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को महत्वपूर्ण अंतरिम फैसला सुनाया। अदालत ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उस मांग पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में ऋतब्रत बनर्जी की नियुक्ति पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। इसके साथ ही ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल विपक्ष के नेता के पद पर बने रहेंगे।

यह मामला उस समय शुरू हुआ जब विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बोस ने टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया और तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया। टीएमसी का तर्क है कि नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति केवल विधानसभा अध्यक्ष के विवेक पर आधारित नहीं हो सकती। पार्टी का कहना है कि इस पद के निर्धारण में सदन में दलों की वास्तविक संख्या, राजनीतिक परिस्थितियों और संसदीय परंपराओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पार्टी ने दावा किया कि विपक्ष में रहते हुए उसने इस जिम्मेदारी के लिए सोवंदेब चट्टोपाध्याय को चुना था और अध्यक्ष का निर्णय लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप नहीं है।

दूसरी ओर, विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के बाद ऋतब्रत बनर्जी को आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष की मान्यता मिल चुकी है। हाईकोर्ट द्वारा तत्काल रोक लगाने से इनकार किए जाने के बाद उनकी स्थिति फिलहाल यथावत बनी रहेगी। अदालत के इस अंतरिम रुख को राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विपक्षी दलों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे विधानसभा के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन पर असर पड़ सकता है। वहीं टीएमसी इसे अपने राजनीतिक अधिकारों और संसदीय परंपराओं से जुड़ा मुद्दा बता रही है।

पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि उन्होंने एक बागी विधायक को विपक्ष का नेता बनाकर स्थापित परंपराओं से हटकर निर्णय लिया है। टीएमसी का कहना है कि इससे सदन की राजनीतिक संरचना और विपक्षी दलों की भूमिका प्रभावित हुई है। मामले की अगली सुनवाई 16 जून को निर्धारित की गई है।

13 जून तक दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में ओले व बारिश की संभावना

-आने वाले दिनों में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान

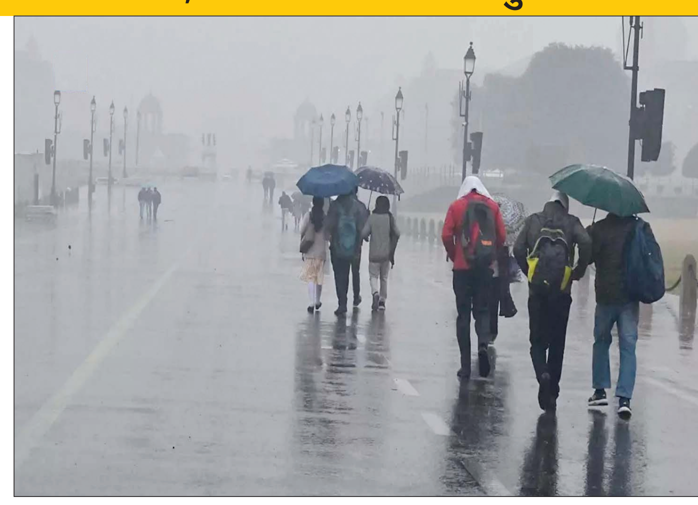

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और मध्य भारत में भीषण गर्मी और लू का सामना कर रहे लोगों राहत मिल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पश्चिम भारत के मौसम में बड़ा बदलाव आने वाला है। 13 जून तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में तेज आंधी-तूफान, आकाशीय बिजली कड़कने, ओलावृष्टि और व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मौसम की सबसे ज्यादा हलचल 11 और 12 जून को देखने को मिलेगी, जिससे बढ़ते पारे से बड़ी राहत मिल सकती है।

इस दौरान देश के कई हिस्सों में जिसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और उत्तर भारत के आस-पास के इलाके शामिल हैं बिजली कड़कने, तेज़ हवाओं और ओले गिरने के साथ आंधी-तूफान आ सकता है। पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में अगले पांच से सात दिनों में कुछ जगहों पर 7 सेमी से 20 सेमी तक बारिश हो सकती है। दक्षिण के राज्यों केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी भारी बारिश का अनुमान है। पिछले 24 घंटों में हिमालयी क्षेत्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के कुछ इलाकों में 12 सेमी से 20 सेमी के बीच बारिश दर्ज की गई।

विभाग के मुताबिक हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर ओले गिरने की खबर है। देश के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की घटनाएं भी देखी गईं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लू की स्थिति बने रहने की उम्मीद है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में ओले भी गिर सकते हैं, जिसके चलते आईएमडी ने इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है, जबकि आने वाले दिनों में पूर्वी भारत में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आ सकता है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले तीन से चार दिनों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के और हिस्सों में आगे बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान इसके तमिलनाडु के बाकी हिस्सों को भी कवर करने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मानसून के और आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हो रही हैं। मध्य भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की मदद से मानसून के आगे बढ़ने में मदद कर रहा है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान में कोई खास बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। हालांकि, 11 से 13 जून के बीच तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट आ सकती है, जिसके बाद धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। मध्य भारत में, 12 जून तक तापमान काफी हद तक स्थिर रहने की उम्मीद है, उसके बाद इसमें 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। पूर्वी भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में बहुत कम बदलाव की संभावना है, जिसके बाद 12 से 14 जून के बीच 2 से 4 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

विभाग ने पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय के साथ-साथ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने की उम्मीद है। असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश वाले अन्य इलाकों में अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, तेलंगाना, कर्नाटक, दक्षिण कोंकण, तटीय कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप शामिल हैं। कर्नाटक, गोवा और केरल के कुछ हिस्सों में हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है।

टीएमसी में बगावत~ममता के पंसदीदा स्टार चेहरों की रहस्यमयी चुप्पी

-सयानी घोष ममता और अभिषेक दोनों की करीबी

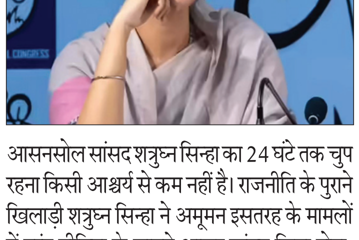

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। ममता की पार्टी के अंदर सुलग रही सियासी बगावत की आग अब खुलकर सामने आ गई है, जहाँ टीएमसी के विधायक के बाद सांसद भी बागी हो रहे हैं। टीएमसी के उन 19 बागी सांसदों की एक सूची सामने आई है, जिन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को समर्थन देने और काकोली घोष को अपना नेता घोषित किया है।

इस बागी सूची में सयानी घोष, शत्रुघ्न सिन्हा और यूसुफ पठान जैसे तीन बड़े और ग्लैमरस चेहरों के नाम भी शामिल हैं। सूची सामने आने के 24 घंटे से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी ये तीनों नेता पूरी तरह खामोश हैं। न उनकी तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है और न ही सोशल मीडिया पर कोई सफाई दी गई है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार बेहद गर्म है।

अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए मशहूर आसनसोल सांसद शत्रुघ्न सिन्हा का 24 घंटे तक चुप रहना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। राजनीति के पुराने खिलाड़ी शत्रुघ्न सिन्हा ने अमूमन इसतरह के मामलों में तुरंत मीडिया के सामने आकर खंडन किया होता, लेकिन उनकी खामोशी यह संकेत देती है कि वे फिलहाल वेट एंड वॉच के मोड में हैं। मार्च 2022 में टीएमसी में शामिल हुए और ममता बनर्जी द्वारा गैर-बंगाली होने के बावजूद दिए गए सम्मान के बाद उनका बागी गुट में नाम आना पार्टी के लिए चिंता का कारण है।

बहरामपुर से टीएमसी सांसद बने पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान भी पूरी तरह मौन हैं। ममता बनर्जी ने उन्हें सियासत में लाकर एक बड़े धर्मनिरपेक्ष चेहरे के रूप में दिखाया था। इसके बाद बागी लिस्ट में उनका नाम होना और उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया न आने से टीएमसी नेतृत्व के माथे पर शिकन साफ दिख रही है।

लेकिन इन बागी सांसदों में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम सयानी घोष का है। टीएमसी की युवा विंग की बड़ी नेता रहीं सयानी को ममता और अभिषेक बनर्जी का बेहद करीबी कहा जाता है। हर मुद्दे पर पार्टी का पक्ष आक्रामक तरीके से सोशल मीडिया और टीवी डिबेट में रखने वाली सयानी की चुप्पी बताती है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। ममता और अभिषेक बनर्जी भी सयानी के इस बदलाव को लेकर बेचैन हैं। सत्ता गंवाने के बाद पार्टी पहले से ही बिखराव के दौर से गुजर रही है, इसके बाद सयानी का बागी गुट के साथ जाना उनकी चिंताएं और बढ़ा रहा है।

वहीं टीएमसी की तरफ से डैमेज कंट्रोल की कोशिशें जारी हैं। सांसद कीर्ति आजाद ने बताया कि उन्होंने सयानी घोष से कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। सयानी की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलना यह दर्शाता है कि बगावत की जड़ें अनुमान से कहीं ज्यादा गहरी हैं।

मैं पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़ा हूं, जिसके साथ वर्तमान में जुड़ा हूं : सुप्रियो

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन विकास कार्यों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सियासी उथल-पुथल जारी है। चुनाव हारने के बाद से टीएमसी लगातार बिखरती जा रही है और एक-एक करके ममता के करीबी उनका साथ छोड़ते जा रहे हैं। अब तक टीएमसी के तीन राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं और एक अनुमानित लिस्ट में कई ऐसे बागियों के नाम हैं जो आने वाले दिनों में पार्टी छोड़ सकते हैं। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद बाबुल सुप्रियो ने पार्टी में चल रही अंदरूनी उथल-पुथल और राजनीतिक अटकलों के बीच बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि मीडिया लगातार उनसे यह पूछ रहा है कि वे किस खेमे में हैं, जिससे वे थक चुके हैं। सुप्रियो ने साफ किया कि वह पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़े हैं, जिसके साथ वर्तमान में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने जो जनादेश दिया है, उसका सम्मान करना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। इसी भावना के तहत वह राज्य सरकार के साथ तालमेल बनाकर अपने संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। बाबुल सुप्रियो ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना फंड को जनता का पैसा बताते हुए कहा कि यह राशि सीधे राज्य सरकार और जिला प्रशासन के जरिए खर्च होती है, न कि सांसद के निजी नियंत्रण में रहती है, उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि उपलब्ध निधि का करीब 90 फीसदी हिस्सा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं पर खर्च किया जाए।

सुप्रियो ने याद दिलाया कि अतीत में राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए राज्य सरकारों के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन विकास कार्यों और जनता के हितों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर ओपन लेटर की तरह एक लंबा जवाब लिखकर पोस्ट किया है और लिखा है कि मुझे किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। हर व्यक्ति को अपने फैसले लेने का अधिकार है, मैं उन लोगों का बचाव नहीं करूंगा जिन्होंने भ्रष्टाचार किया, जनता का पैसा लूटा और सिस्टम को नुकसान पहुंचाया। ऐसे लोगों की जगह जेल में है और उन्हें कानून के मुताबिक सजा मिलनी चाहिए। उम्मीद है कि सभी दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

नया भारत: पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (स्त्रिपी) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया है, जो उसकी परमाणु नीति में बड़े बदलाव को दिखाता है। पहले भारत युद्धकालीन स्थिति में ही परमाणु वॉरहेड और मिसाइलों को जोड़ता था, लेकिन अब कुछ वॉरहेड मिसाइल साइलो और परमाणु पनडुब्बियों पर हमेशा तैयार रखे जाएंगे। इस कदम से भारत की परमाणु तैयारियों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और यह उसके परमाणु त्रय (हवाई, जमीन और समुद्री) को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अब मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्री प्रतिरोध गश्त जैसे उपाय कर रहा है, जिससे शांतिकाल में भी कुछ वॉरहेड लांचर से जुड़े रह सकते हैं। यह कदम सुरक्षा को लेकर भारत की बढ़ती चिंताओं का स्पष्ट संकेत देता है। भारत का परमाणु कार्यक्रम हमेशा से रक्षात्मक रहा है, जिसका उद्देश्य हमला करना नहीं, बल्कि दुश्मनों को रोकना है।

भारत अपनी नो फर्स्ट यूज (पहले परमाणु हमला न करने) की नीति पर दृढ़ता से कायम है, जिसका अर्थ है कि उसके परमाणु हथियार केवल जवाबी कार्रवाई के लिए हैं। यदि कोई देश भारत या उसकी सेनाओं पर परमाणु हमला करता है, तभी इनका इस्तेमाल किया जाएगा। भारत अपना परमाणु शस्त्रागार सीमित लेकिन प्रभावी रखता है, जिसका मकसद केवल दुश्मनों को रोकना है, न कि हथियारों की होड़ में शामिल होना। स्त्रिपी के हालिया अनुमानों के अनुसार, भारत के पास करीब 190 परमाणु हथियार हैं, जो पिछले वर्ष से थोड़े अधिक हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हथियारों की निगरानी करने वाली प्रमुख संस्था स्त्रिपी की रिपोर्ट बताती है कि भारत इस बदलाव से अपनी सुरक्षा को और पुख्ता बनाने की कोशिश कर रहा है। इसी बीच, पाकिस्तान भी परमाणु हथियारों की दौड़ में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के पास अनुमानित रूप से 170 परमाणु हथियार हैं और वह नई हथियार प्रणालियों का विकास जारी रखे हुए है, जिससे उसके भंडार में आने वाले दशक में और वृद्धि होने की संभावना है।

स्त्रिपी ने अपनी रिपोर्ट में पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच रहे असामान्य रूप से गंभीर सैन्य संकट का भी उल्लेख किया है। मई 2025 में दोनों देशों के बीच हुए संक्षिप्त सैन्य संघर्ष के दौरान, भारत ने पाकिस्तानी हवाई और मिसाइल ठिकानों पर हमले किए थे, जिनके परमाणु स्तर तक बढ़ने की आशंका भी थी, हालांकि दोनों पक्षों ने तनाव को बढ़ने से रोकने के प्रयास किए। रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2025 में 92.1 अरब अमेरिकी डॉलर के रक्षा व्यय के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 150, निफ्टी 53 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बना ली है। अमेरिका द्वारा ईरान पर की गई ताजा सैन्य कार्रवाई के बाद वैश्विक बाजारों में चिंता बनी हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 150.63 अंक टूटकर 73,832.55 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 53.35 अंक टूटकर 23,161.60 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में सबसे ज्यादा गिरावट तकनीकी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स क्षेत्र में रही। निफ्टी आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और केमिकल इंडेक्स सबसे ज्यादा गिरे। आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयर सबसे अधिक गिरे। व्यापक बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर नीचे आये। हालांकि निफ्टी मीडिया, प्राइवेट बैंक और फार्मा क्षेत्र के शेयरों में बढ़त रही। इससे बाजार की गिरावट पर अंकुश लगा। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों की धारणा को कमजोर कर दिया। सुबह के कारोबार में, प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआत में सेंसेक्स 311.08 अंक की गिरावट के साथ 73,672.10 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं निफ्टी भी 86.20 अंक फिसलकर 23,128.75 के स्तर पर आ गया।

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका द्वारा ईरान पर नए हमलों और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कड़े बयानों ने वैश्विक निवेशकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

उद्योगों और कॉर्पोरेट्स का हरित ऊर्जा की ओर रुझान

- वित्त वर्ष 30 तक सीएंडआई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 134 जीडब्ल्यू पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली ।

देश के बड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ता (सीएंडआई) अब महंगी ग्रिड बिजली की बजाय सीधे सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं से बिजली खरीद रहे हैं। 30-45 फीसदी तक की लागत बचत को मुख्य कारण बताते हुए, एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2025 तक देश में सीएंडआई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर लगभग 45 गीगावॉट हो गई है। यह क्षमता वित्त वर्ष 2030 तक 121-134 गीगावॉट तक पहुंच सकती है, जो सात साल पहले के मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की कुल बिजली मांग में सीएंडआई उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। उद्योगों को ग्रिड बिजली के लिए प्रति यूनिट 6.6-8.7 रुपये चुकाने पड़ते हैं, जबकि कैप्टिव सौर परियोजनाओं से यह 4-5.9 रुपये प्रति यूनिट में उपलब्ध है, जिससे 20-60 फीसदी तक बचत होती है। इस आर्थिक लाभ के कारण कंपनियां ओपन एक्सेस मॉडल अपना रही हैं, सीधे उत्पादकों से बिजली खरीद रही हैं। 2019 में नई सौर और पवन ऊर्जा क्षमता में ओपन एक्सेस की हिस्सेदारी 5 फीसदी थी, जो 2024 तक 34 फीसदी हो गई। डेटा सेंटर इस बदलाव का एक बड़ा नया अवसर हैं; इनकी आईटी क्षमता 2030 तक 1.5 जीडब्ल्यू से बढ़कर 7 जीडब्ल्यू तक पहुंचने का अनुमान है, जहाँ बिजली कुल परिचालन लागत का 30-40 फीसदी होती है। 24 घंटे निर्बाध बिजली की जरूरत के कारण डेटा सेंटर भी तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा और बैटरी स्टोरेज की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत को कृषि से उद्योग की ओर बढ़ना होगा- नीति आयोग

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने भारत के कृषि क्षेत्र के लिए एक व्यापक सुधार एजेंडा पेश किया है, जिसमें मध्यम से दीर्घावधि में अधिशेष श्रम को उद्योग व सेवाओं में स्थानांतरित करने, कुशल बाजार बनाने और जिंस सब्सिडी को प्रत्यक्ष आय हस्तांतरण में बदलने पर जोर दिया गया है। उन्होंने आगाह किया कि आधी आबादी की आजीविका के लिए कृषि पर निर्भरता, जो जीडीपी का मात्र छठा हिस्सा है, संकट का कारण है। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में लाहिड़ी ने जोर दिया कि कृषि से अधिशेष श्रम को उद्योग और सेवाओं जैसे उत्पादक क्षेत्रों में स्थानांतरित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिंस-आधारित सब्सिडी को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण में बदलने की वकालत की, हालांकि इसे राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण बताया। लाहिड़ी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली की भी कड़ी आलोचना की, बताया कि इससे 10 फीसदी से भी कम किसानों को सीधा लाभ मिलता है, फिर भी यह फसल विविधीकरण को रोकता है और पानी-गहन अनाजों की खेती को बढ़ावा देता है। उन्होंने बिना एमएसपी समर्थन के सफल हुए मुर्गी पालन और डेयरी जैसे क्षेत्रों का उदाहरण दिया। लाहिड़ी ने निष्कर्ष निकाला कि खाद्य कमी के युग में बना एमएसपी अब अधिशेष के दौर में वित्तीय और पर्यावरणीय लागतों को बढ़ा रहा है, जिससे इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठते हैं।

एथेनॉल वाले पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क खत्म

ग्राहकों, कंपनियों व किसानों को लाभ, ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली ।

पेट्रोल में उच्च एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब 22 से 30 फीसदी तक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर लगने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इस फैसले से ग्राहकों, तेल कंपनियों और आम किसानों को सीधा फायदा पहुंचने की उम्मीद है, साथ ही देश की ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी। सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के जरिए ई22, ई25, ई27 और ई30 श्रेणी के पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य किया है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश भारत, लंबे समय से पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की नीति पर काम कर रहा है। यह कदम कच्चे तेल आयात पर निर्भरता कम करेगा और भविष्य में ईंधन की कीमतों को स्थिर रखने में सहायक होगा। एथेनॉल गन्ने और मक्का जैसे कृषि उत्पादों से बनने वाला एक जैव-ईंधन (बायोफ्यूल) है। इसके उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और एथेनॉल उत्पादन के लिए कृषि क्षेत्र में मांग बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि होगी।

रुपया 32 पैसे टूटकर 95.57 प्रति डॉलर पर खुला

घरेलू शेयर बाजारों के कमजोर रुख और डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर डाला दबाव

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.57 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। इसके अलावा विदेशी मुद्रा की निरंतर निकासी, घरेलू शेयर बाजारों के कमजोर रुख और डॉलर में मामूली मजबूती ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.55 प्रति डॉलर पर खुला और फिर टूटकर 95.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया बुधवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.25 पर बंद हुआ था। अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने तथा घरेलू मुद्रा में और गिरावट को थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से रुपये को समर्थन मिला था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.95 पर रहा।

अमेरिकी महंगाई का तीन साल के उच्च स्तर पर, ट्रंप बोले- मुझे पसंद है

बढ़ती गैस कीमतों ने खुदरा महंगाई को 4.2 फीसदी तक पहुंचाया

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में बढ़ती गैस कीमतों के कारण मई में खुदरा महंगाई 4.2 प्रतिशत के साथ तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इसने फेडरल रिजर्व की चिंता बढ़ाई है और मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिकी प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है। इसी बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महंगाई पर अप्रत्याशित बयान देकर सबको चौंका दिया है। श्रम विभाग के अनुसार मई में खुदरा महंगाई सालाना 4.2 प्रतिशत बढ़ी, जो अप्रैल के 3.8 प्रतिशत से अधिक है। यह लगातार तीसरे महीने की वृद्धि है और फेडरल रिजर्व के 2 प्रतिशत लक्ष्य से काफी ऊपर है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने महंगाई पर अप्रत्याशित रूप से आशावादी रुख अपनाते हुए कहा, मुझे वास्तव में महंगाई पसंद है। उन्होंने न तो इसे डेमोक्रेटिक पार्टी का छल बताया और न ही जीवन-यापन की लागत कम होने का दावा किया। नवंबर के मध्यावधि चुनाव से पहले मतदाता अर्थव्यवस्था को प्रमुख चिंता मान रहे हैं, ऐसे में यह बयान अप्रत्याशित है। डेमोक्रेट्स ने तुरंत इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर राजनीतिक सरगर्मियां तेज कर दी हैं।

अडानी ने 3050 करोड़ में खरीदी इंटेलीस्मार्ट, स्मार्ट मीटर बाजार में बढ़ाएंगे दबदबा

सरकार के 25 करोड़ मीटर बदलने के मेगा प्लान के बीच बड़ा दांव, हर घर के बिजली बिल पर होगा असर

मुंबई ।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने स्मार्ट मीटर बनाने वाली कंपनी इंटेलिजेंट इंफ्रास्ट्रक्चर (इंटेलीस्मार्ट) को 3050 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। यह डील सरकार की 25 करोड़ पारंपरिक मीटरों को बदलने की मेगा योजना के बीच हुई है, जिससे अडानी देश के पावर सेक्टर में अपनी स्थिति और मजबूत करेंगे। यह अधिग्रहण अडानी के लिए सिर्फ एक सौदा नहीं, बल्कि देश भर में स्मार्ट मीटरिंग पर दबदबा बनाने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। गौतम अडानी की कंपनी एईएसएल का यह कदम आने वाले दिनों में हर घर के बिजली बिल और मीटरिंग व्यवस्था को प्रभावित करने वाला है। इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण अडानी के लिए महंगा सौदा लग सकता है क्योंकि उन्होंने कंपनी की सेल्स के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा कीमत चुकाई है, लेकिन यह भविष्य की एक बड़ी रणनीतिक तैयारी है। केंद्र सरकार की रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत देश के 25 करोड़ पुराने और पारंपरिक बिजली मीटरों को स्मार्ट मीटरों से बदलने का लक्ष्य है। इंटेलीस्मार्ट के पास पहले से ही उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और असम जैसे बड़े राज्यों में 2.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटरों का मजबूत पोर्टफोलियो है। एईएसएल खुद भी 1 करोड़ से ज्यादा स्मार्ट मीटर लगा चुकी है, जिससे यह डील उनकी बाजार हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ा देगी।

कंपनी ने 2019 में अपनी स्थापना के बाद से ही शानदार तरक्की की है। कंपनी का रेवेन्यू और मुनाफा तेजी से बढ़ा है, जो अडानी को प्रीमियम कीमत चुकाने के लिए प्रेरित किया। यह अधिग्रहण तात्कालिक लाभ से कहीं आगे, भविष्य में स्मार्ट मीटरिंग के विशाल बाजार पर कब्जा जमाने की अडानी ग्रुप की दूरदर्शी रणनीति का हिस्सा है। अब देखना होगा कि अडानी इस बड़े मौके को कितनी कुशलता से भुना पाते हैं।

लेंसकार्ट में 1960 करोड़ की ब्लॉक डील, शेयर उछले

– अबू धाबी निवेश अथॉरिटी की इकाई ने घटाई हिस्सेदारी, लेकिन निवेशकों का भरोसा कायम

मुंबई ।

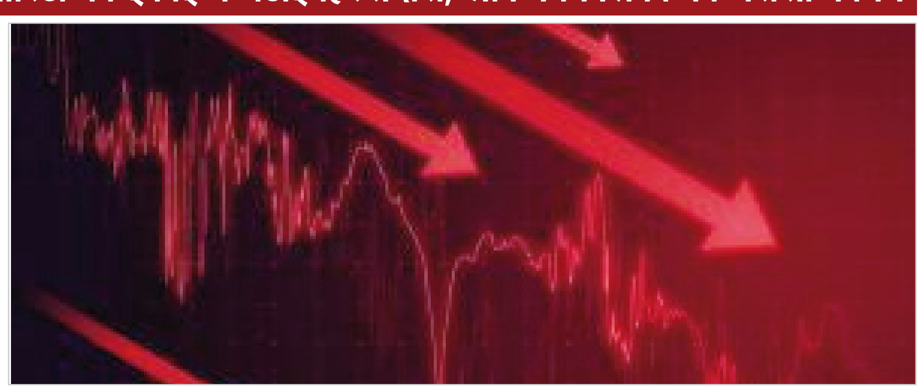

चश्मा बनाने वाली प्रमुख कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में हाल ही में एक बड़ी ब्लॉक डील हुई है। अबू धाबी इनवेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) की इकाई ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेची है, लेकिन इसके बावजूद लेंसकार्ट के शेयरों में मजबूती बनी हुई है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एडीआईए की यूनिट प्लैटिनम जैस्मीन ए 2018 ट्रस्ट ने ब्लॉक डील के जरिए लेंसकार्ट के 4 करोड़ शेयर 1960 करोड़ रुपये में बेचे। यह सौदा 490 रुपये प्रति शेयर पर हुआ, जो कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 2.3 फीसदी है। इस बिक्री के बाद ट्रस्ट की हिस्सेदारी 12.08 फीसदी से घटकर लगभग 9.8 फीसदी रह गई है। डील के बावजूद, लेंसकार्ट के शेयरों में लगभग 1 फीसदी की तेजी आई और यह बीएसई पर 505.15 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंचा। ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी ने आउटपरफॉर्म रेटिंग के साथ 600 रुपये का संशोधित टारगेट प्राइस दिया है। कुल 19 एनालिस्ट में से 15 ने शेयर पर खरीदने की सलाह दी है। गौरतलब है कि हाल ही में सॉफ्टबैंक समूह ने भी लेंसकार्ट में 3.25 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। इन लगातार बड़ी डील्स के बावजूद, बाजार में लेंसकार्ट को लेकर सकारात्मक माहौल बना हुआ है, जो इसकी मजबूत व्यावसायिक संभावनाओं को दर्शाता है।

अमेरिका-ईरान तनाव से 150 डॉलर तक पहुंच सकता है कच्चा तेल- रिपोर्ट

- विशेषज्ञों ने चेताया, वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अप्रैल में हुए युद्धविराम को गंभीर चुनौती दे रहा है, जिससे वैश्विक तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार टकराव युद्ध में बदला तो कच्चा तेल 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है, जिससे शेयर बाजार भी दबाव में हैं। एक ऊर्जा रिसर्च फर्म की रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी क्षेत्र के छह प्रमुख तेल उत्पादक देशों से प्रतिदिन करीब 1.18 करोड़ बैरल तेल उत्पादन प्रभावित हुआ है, जिसे आधुनिक दौर में तेल आपूर्ति पर सबसे बड़ा असर माना जा रहा है। इस अनिश्चितता के कारण ब्रेंट क्रूड एक समय 94.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि, तीन कारक बाजार को पूरी तरह बेकाबू होने से बचा रहे हैं- अमेरिका का रिकॉर्ड रणनीतिक भंडार जारी करना, चीन द्वारा कच्चे तेल का आयात कम करना, और सऊदी अरब के यानबू बंदरगाह से हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बायपास कर 50 लाख बैरल तेल की दैनिक आपूर्ति। कुछ हफ्ते पहले अमेरिका-ईरान समझौते की 40 फीसदी संभावना अब कमजोर पड़ गई है। आने वाले दिन निर्णायक होंगे, जो तय करेंगे कि तनाव बातचीत से कम होगा या टकराव बढ़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन महीनों में वैश्विक बाजार से लगभग 100 करोड़ बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

आरबीआई ने 135 एनबीएफसी के लाइसेंस किए रद्द, 13 ने स्वेच्छा से सौंपे प्रमाणपत्र

– नियमों का उल्लंघन और कारोबार से बाहर निकलने सहित विभिन्न कारणों से की गई कार्रवाई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर कड़ा रुख अपनाते हुए 135 कंपनियों के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द कर दिए हैं। इस फैसले से वित्तीय क्षेत्र में हलचल बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त, 13 एनबीएफसी ने विभिन्न व्यावसायिक कारणों से स्वेच्छा से अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र आरबीआई को वापस सौंप दिए हैं। आरबीआई ने बताया कि जिन कंपनियों के रजिस्ट्रेशन रद्द किए गए हैं, उनमें से बड़ी संख्या पश्चिम बंगाल में पंजीकृत कंपनियों की है।

रद्द की गई प्रमुख कंपनियों में एक्सप्रेस फिनकैप हाउस, अक्षय फिस्कल सर्विसेज, टाइम्स फाइनेंस, जुपिटर फिनवेस्ट और एस्सेल फाइनेंस बिजनेस लोन्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। ऋद्ध समय-समय पर एनबीएफसी की गतिविधियों की समीक्षा करता है और नियमों का पालन न करने या अन्य आवश्यक कारणों से ऐसे सख्त कदम उठाता है। वहीं 13 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने स्वेच्छा से अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र आरबीआई को सौंप दिए हैं। इन कंपनियों ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कारोबार से बाहर निकलने, विलय, अधिग्रहण, विघटन या स्वैच्छिक बंदी जैसे कारणों से यह कदम उठाया है। इनमें जे. थॉमस फाइनेंस, कार्नेक्स विनिमय और इम्पैक्ट लीजिंग प्रमुख हैं।कुछ कंपनियों ने अपनी कारोबारी संरचना में बदलाव के कारण लाइसेंस वापस किए, जैसे फोररनर कैपिटल इन्वेस्टमेंट्स। कैस्पियन इम्पैक्ट इन्वेस्टमेंट्स सहित कई अन्य कंपनियों ने विलय या कानूनी रूप से समाप्त होने के कारण अपने लाइसेंस लौटाए।

चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान- बीएमआई

नई दिल्ली ।

फिच समूह की कंपनी बीएमआई ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी।

यह वित्त वर्ष 2025-26 में दर्ज 7.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में स्पष्ट मंदी दर्शाती है।

इस संभावित गिरावट के पीछे कमजोर निवेश, खपत में कमी और पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न व्यापारिक झटके प्रमुख कारण बताए गए हैं।

बीएमआई ने कहा कि हालांकि यह वृद्धि दर पिछले एक दशक की औसत 6.1 प्रतिशत से अधिक है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.6 प्रतिशत के अनुमान के अनुरूप है।

पिछले सप्ताह जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि मजबूत खपत और सशक्त निवेश गतिविधियों के समर्थन से 7.7 प्रतिशत रही थी। उपभोग के मोर्चे पर, सितंबर 2025 में लागू माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के कारण वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में खपत में उछाल आया था।

हालांकि, जनवरी-मार्च तिमाही में खपत वृद्धि सालाना आधार पर 1.1 प्रतिशत अंक घटकर 7.1 प्रतिशत रह गई। बीएमआई को उम्मीद है कि चालू कैलेंडर वर्ष में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.1 के स्तर के आसपास कारोबार करेगा। 2025 में 87 के औसत स्तर से रुपये में यह गिरावट निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी, जिससे ईरान संघर्ष के कारण व्यापार की शर्तों पर पड़े नकारात्मक प्रभाव की भरपाई हो सकेगी।

बिहार में उद्योग लगाना अब मात्र 30 दिन का काम

- निवेश आकर्षित करने सरकार की बड़ी पहल

पटना ।

बिहार सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और निवेश आकर्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। अब राज्य में उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया मात्र 30 दिनों में पूरी की जा सकेगी। बिहार सरकार में मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि एनडीए सरकार बिहार को निवेश और उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि बिहार में उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने के उद्देश्य से एक नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इस क्रांतिकारी बदलाव के तहत, निवेशक अब सिर्फ 30 दिनों के भीतर अपनी औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित कर सकेंगे। सरकार का यह निर्णय निवेशकों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है और इसे राज्य में निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पहल से नए उद्योग स्थापित होंगे, औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे। सरकार का लक्ष्य निवेशकों को बेहतर सुविधाएँ और समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराना है, जिसके लिए सिंगल विंडो प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। यह प्रणाली उद्योग स्थापना से जुड़ी सभी आवश्यक अनुमतियों और स्वीकृतियों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, राज्य निवेश प्रोत्साहन परिषद सचिवालय को एकल नोडल एजेंसी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह सचिवालय उद्योगों की स्थापना की पूरी प्रक्रिया को अधिक सुगम, सरल और निवेशक-अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा, अब मात्र 30 दिनों में बिहार में लगाइए उद्योग। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये कदम बिहार को निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करेंगे और राज्य की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

टीसीएस और एंथ्रोपिक ने उद्यम स्तर पर की साझेदारी

नई दिल्ली ।

आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने गुरुवार को एआई अग्रणी एंथ्रोपिक के साथ एक रणनीतिक वैश्विक साझेदारी की घोषणा की। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य विभिन्न उद्योगों के ग्राहकों को उद्यम स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) समाधानों को प्रभावी ढंग से अपनाने और लागू करने में सहायता करना है।

इस साझेदारी के तहत, टीसीएस एक समर्पित व्यवसाय इकाई स्थापित करेगा।

यह इकाई एंथ्रोपिक के अत्याधुनिक क्लॉड एआई मॉडल तक शुरुआती पहुंच का उपयोग करते हुए विशेष उद्योग-केंद्रित समाधान और विशेषज्ञता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी ने बताया कि वह अपने इंजीनियरिंग, वित्त, विधि, विपणन और बिक्री विभागों के 50,000 कर्मचारियों को उद्यम स्तरीय लाइसेंसिंग के माध्यम से क्लॉड तक पहुंच प्रदान करेगी।

एंथ्रोपिक के एक प्रमुख अधिकारी ने इस साझेदारी को भारत के प्रति अपनी कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करने वाला बताया, जो उनके लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि यह सहयोग ग्राहकों को उत्पादन स्तर पर तेजी से प्रगति करने में मदद करेगा, विशेषकर उन उद्योगों में जहां भरोसा, लचीलापन और नियामक अनुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

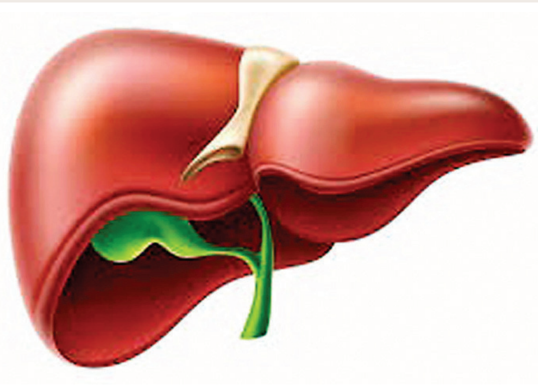

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान–पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान–पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला–भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर – विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं – पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ–साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5–10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मज़बूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म–गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताज़ा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज़ करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम–गरम पी लें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह–सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार–बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह–सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद–ब–खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

भारत / अफगानिस्तान: इतिहास रचने की दहलीज पर शुभमन गिल, पहले वनडे में बना सकते हैं बड़ा रिकॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 जून से धर्मशाला में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला कई बड़े रिकॉर्ड्र्स का गवाह बन सकता है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस मैच में बल्लेबाजी के एक खास मुकाम के बेहद करीब हैं। अगर वह बड़ी पारी खेलते हैं तो वनडे क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा सकते हैं।

3000 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 43 रन दूर गिल

जनवरी 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू करने वाले शुभमन गिल ने अब तक 61 पारियों में 2953 रन बनाए हैं। उन्हें 3000 वनडे रन पूरे करने के लिए सिर्फ 43 रनों की जरूरत है। अगर गिल धर्मशाला में यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो वह वनडे इतिहास में 3000 रन तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज हाशिम अमला ने यह कारनामा 57 पारियों में किया था, जो अब भी विश्व रिकॉर्ड है।

कई दिग्गजों को पीछे छोड़ सकते हैं शुभमन

3000 रन का आंकड़ा छूते ही शुभमन गिल वेस्टइंडीज के शाई होप, पाकिस्तान के फखर जमान और इमाम-उल-हक को पीछे छोड़ देंगे। इन तीनों बल्लेबाजों ने 67 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। साथ ही गिल भारत के सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था।

रोहित शर्मा भी रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

सीरीज के पहले मुकाबले में रोहित शर्मा के पास भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। भारतीय कप्तान को वनडे क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 3 रनों की जरूरत है। कैलिस ने अपने करियर में 328 वनडे मैचों में 11,579 रन बनाए थे, जबकि रोहित शर्मा 282 मैचों में 11,577 रन तक पहुंच चुके हैं। तीन रन बनाते ही रोहित इस सूची में उनसे आगे निकल जाएंगे।

कुलदीप यादव की नजर 200 विकेट पर

स्टार स्पिनर कुलदीप यादव भी एक खास रिकॉर्ड के करीब हैं। कुलदीप ने अब तक 120 वनडे मैचों में 194 विकेट हासिल किए हैं और उन्हें 200 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ 6 विकेट की जरूरत है। अगर कुलदीप पहले वनडे में छह विकेट लेने में सफल रहते हैं तो वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम दर्ज है।

सिंधु और तन्वी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने राउंड ऑफ 16 मैच में हमवतन ईशारानी बरुआ को 42 मिनट में 22-20, 21-12 से शिकस्त दी।

बुधवार को चीनी ताइपे की पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी च्यू पिन चियान को हराकर उलटफेर करने वाली तन्वी ने हमवतन मालविका बंसोड़ को 21-13, 21-15 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अब सिंधु चीनी ताइपे की चेन सु यू से भिड़ेंगी जबकि तन्वी का सामना जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से होगा। तान्या हेमंत का सफर थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से 12-21, 15-21 से हारकर खत्म हो गया।

भारत के हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के माइकल ओवेन और डायलन सोएदजासा की जोड़ी को 21-17, 21-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब वे अगले दौर में चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग की जोड़ी से भिड़ेंगे। ध्रुव रावत और के मनीषा की मिश्रित युगल जोड़ी दूसरे दौर में जापान के अकीरा कोगा और नात्सु सैतो की जोड़ी से 19-21, 18-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

भारत आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, न्यूजीलैंड ने बढ़ाई टीम इंडिया के लिए चिंता

दुबई (एजेंसी)। भारत वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की पुरुषों की एकदिवसीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन न्यूजीलैंड पर उसकी बढ़त आठ अंक से घटकर सिर्फ पांच अंक की रह गई है। अपडेट के बाद भारत के अंक 119 से घटकर 118 हो गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के दो अंक के फायदे से 113 अंक हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 109 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष 10 टीम में एकमात्र बदलाव में दक्षिण अफ्रीका (102) ने पाकिस्तान (98) को पछाड़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। नौवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच अंतर अब बढ़कर 10 अंक का हो गया है। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पीछे छोड़कर 11वां स्थान हासिल किया है जबकि अमेरिका भी स्कॉटलैंड से आगे निकलकर 13वें स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात अब कनाडा से आगे 19वें स्थान पर है। पिछले सप्ताह किए गए सालाना अपडेट के बाद भारत आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक है। ऑस्ट्रेलिया महिलाओं की एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों रैंकिंग में शीर्ष पर है।

त्रिकोणीय सीरीज: अफगानिस्तान ए ने भारत ए को हराया, डीएलएस नियम बना कारण

दांबुला (एजेंसी)। भारत ए टीम यहां अफगानिस्तान ए टीम के खिलाफ हुए त्रिकोणीय सीरीज के अपने दूसरे मैच में 349 रनों का विशाल स्कोर बनाने के बाद भी हार गयी। इसका कारण बारिश होने के कारण डीएलएस नियम से किया गया फैसला रहा। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाज करते हुए 9 विकेट पर 349 रन बनाए। इसक बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस?तान ने 25.5 ओवर में ही दो विकेट पर 177 रन बना लिए थे। डीएलएस के आधार पर अफगानिस?तान ए को इतने समय तक 174 रन बनाने थे। ऐसे में उसे चार रनों से आगे होने के कारण विजेता घोषित कर दिया गया।

वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रभसिमरन सिंह, ऋतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा के अर्धशतको से भारत ए ने यहां त्रिकोणीय सीरीज में अफगानिस्तान ए के खिलाफ 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाये। इस प्रकार अफगान टीम को जीत के लिए 350 रनों का कठिन लक्ष्य मिला। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 7.1 ओवर में 74 रन जोड़े। वैभव ने तेजी से खेलते हुए केवल 22 गेंदों में 44 रन बनाए। वहीं प्रियांश आर्या केवल 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और प्रभसिमरन ने तीसरे विकेट के लिए 74 गेंदों में 79 रन बनाये। ऋतुराज ने 80 गेंदों पर 66 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं प्रभसिमरन अपने शतक से रह गए और 69 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 84 रन ही बना पाये। आयुष बदोनी शून्य पर ही आउट हुए। वहीं तिलक ने 73 गेंदों में 5 चौके लगाकर 66 रन बनाए। सूर्यांश शेडगे ने 27 गेंदों में 40 रन बनाये।वहीं अरशद खान केवल एक रन ही बना सके। अनुकूल रॉय ने 8 गेंदों का सामना करते हुए 2 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 16 रन बनाए। वहीं, विपराज निगम ने 3 गेंदों में 8 रन बनाए। अफगानिस्तान ए की ओर से गेंदबाजी में अब्दुल्ला अहमदजई ने 68 रन देकर 5 विकेट लिए जबकि फरमानुल्लाह साफी ने 3 विकेट जबकि कप्तान इमरान मीर ने एक विकेट लिया।

एकदिवसीय सीरीज के लिए पांड्या के विकल्प की घोषणा शीघ्र होगी : सैकिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोट के कारण अफगानिस्तान के साथ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये है। पांड्या की जगह पर अभी किसी खिलाड़ी को शामिल करने की घोष्णा नहीं की गयी है। वहीं इसको लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया का बयान आया है। सैकिया ने कहा कि चयन समिति जल्द ही यह फैसला करेगी कि उनके स्थान पर किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाए या वर्तमान 14 खिलाड़ियों के साथ ही सीरीज खेली जाए। सैकिया ने कहा, हार्दिक पांड्या चोट के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके विकल्प को लेकर जल्द फैसला लिया जाएगा। पांड्या इसी महीने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआई) पहुंचे थे। आईपीएल में खेलते हुए उनकी पीठ में एंठन आ गयी थी। रिहैब के दौरान उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन बाद में जांघ की मांसपेशी में खिंचाव को देखते हुए उन्हें कुछ सप्ताह के लिए आराम की सलाह दी गई। उम्मीद है कि वह अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज तक फिट हो जाएंगे। हार्दिक की गैरमौजूदगी में नितीश कुमार रेड्डी को उनकी जगह अंतिम ग्यारह में मौका मिल सकता है। आईपीएल 2026 में अपनी तेज गेंदबाजी और अच्छी बल्लेबाजी से नितीश ने प्रभावित किया था। नितीश ने 14 मैचों में 8 विकेट हासिल किए थे और कई अवसरों पर जबरदस्त बल्लेबाजी भी की है। उनके अलावा शिवदुबे और अर्शद खान भी दावेदार हो सकते हैं। शिवम दुबे फिलहाल टी20 मुंबई लीग में खेल रहे हैं, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शद खान भारत-ए की ओर से श्रीलंका-ए और अफगानिस्तान-ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं।

ओलंपिक में विराट और वैभव को पारी की शुरुआत के लिए शामिल करे बीसीसीआई : श्रीसंत

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस. श्रीसंत भी उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से बेहद प्रभावित हैं। इसी को देखते हुए श्रीसंत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत के लिए अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी को रखे। गौरतलब है कि साल 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों से क्रिकेट की वापसी हो रही है। जिससे लेकर क्रिकेट जगत में बेहद उत्साह है। इसमें टी20 प्रारुप में मुकाबले रखे गये हैं। इसमें भारत सहित कुल छह शीर्ष टीमों को भाग लेने का अवसर मिलेगा।

श्रीसंत के अनुसार ओलंपिक खेलों के लिए विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में रखा जाना चाहिए, और उनके साथ ही 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी मौका मिलना चाहिए। श्रीसंत के इस सुझाव के पीछे एक अनुभवी और एक युवा बल्लेबाज के मिश्रण से शीर्ष क्रम को मजबूती देने का विचार है। हालांकि, यह अनुरोध पूरा करना बीसीसीआई के लिए संभव नजर नहीं आता क्योंकि विराट ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हैं, और वैभव को भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करना है।

श्रीसंत ने एक वीडियो में कहा, विराट ने जो काम किया है, वह अविश्वसनीय है। यदि हम ओलंपिक स्वर्ण की बात कर रहे हैं, तो मैं अनुरोध करता हूं कि विराट टीम में खेलें। यह सीनियर और जूनियर का एक बेहतरीन मिश्रण होगा। विराट के साथ सूर्यवंशी का उतरना अद्भुत होगा। उन्होंने कहा, चयनकर्ताओं को विराट को टी20 में बनाए रखना चाहिए, क्योंकि उनकी फिटनेस अभी शीर्ष स्तर की है। गौरतलब है कि विराट का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है, जबकि वैभव ने आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखायी है। इसलिए उन्हें भविष्य का सितारा माना जा रहा है, और उनकी क्षमताओं को देखते हुए ही उन्हें आगामी एशियई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में चुना गया है।

फीफा विश्व कप : पहले दिन के अपने खराब रिकॉर्ड को बदलना चाहेगा मैक्सिको

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सहमेजबान मैक्सिको का फुटबॉल विश्व कप के पहले दिन खेलते हुए रिकॉर्ड काफी खराब है और टीम आमतौर पर विश्व कप के पहले दिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती। पिछले सात प्रयास में मैक्सिको की टीम को पांच बार हार का सामना करना पड़ा जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। बृहस्पतिवार को मैक्सिको को एक और मौका मिलेगा जब वह 48 टीम वाले टूर्नामेंट के शुरुआती दिन दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा।

कोच जेवियर एग्वायरे ने बुधवार को एज्टेका स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमें इस सिलसिले को तोड़ना होगा।'' बिना जीत वाले इस सिलसिले के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझे इसके बारे में पता नहीं था लेकिन मैं खिलाड़ियों को इसके बारे में बताऊंगा। यह उन्हें यह बताने का एक अच्छा कारण है कि हमें मैदान पर उतरकर मैच जीतना है। उम्मीद है कि हम कल इस सिलसिले को तोड़ देंगे।'

मैच दक्षिण अफ्रीका में 2010 विश्व कप के उद्घाटन मैच जैसा ही है। वह मैच जोहानिसबर्ग में 1-1 से ड्रॉ हुआ था। मैक्सिको के मैनेजर के तौर पर अपना तीसरा कार्यकाल संभाल रहे एग्वायरे ने टीम को वर्षों बाद अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलते हुए देखा है और टीत सात मैच के अजेय अभियान के साथ विश्व कप में उतर रही है। मैक्सिको को अपनी पिछली हार नवंबर में पैराग्वे के खिलाफ मिली थी।

एग्वायरे ने कहा, 'यह हमारे लिए एक शानदार दिन हो सकता है। चाहे कुछ भी हो यह एक ऐसा जश्न होगा जो दशकों तक याद रखा जाएगा।' एग्वायरे ने 1986 में अपने देश में हुए विश्व कप में मैक्सिको का प्रतिनिधित्व किया था तब टीम ने टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच नहीं खेला था लेकिन क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। मैक्सिको 1930, 1950, 1954, 1958 और 1962 विश्व कप में पहले दिन हुए अपने मैच हार गया था और 1970 (अपने देश में) और 2010 में मैच ड्रॉ रहे थे।

महिला टी20 विश्वकप : अभ्यास मैच में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को 5 रनों से हराया

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 5 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप को देखते हुए ये मैच काफी अहम माना जा रहा था। इस मैच मेजबान इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को 172 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम 19.5 ओवर में 166 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने सबसे अधिक 68 रन बनाये। इससे पहले भारतीय टीम ने ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाये। इंग्लैंड की तरफ से एमी जोंस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों पर शानदार 64 रन बनाए। वहीं, नट सेवियर ब्रंट ने भी 45 गेंदों पर 57 रन बनाये। डानी गिब्सन ने 12 गेंदों पर 4 चौकों और 1 छक्के की सहायता से नाबाद 30 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से श्रेयांका पाटिल ने दो विकेट लिए जबकि शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह, श्री कारणी और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 20 रनों के अंदर ही सिमट गये पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ऋचा ने 36 गेंदों पर ही 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 68 रन बना दिये। वहीं इंग्लैंड की ओर से लिंसे स्मिथ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट हासिल किए, जबकि चार्ली डीन, कोलमैन और डानी गिब्सन को दो-दो विकेट मिले। इजी वॉग ने भी एक विकेट लिया।

विंबलडन ने इनामी राशि में किया भारी इजाफा, एकल विजेताओं को मिलेंगे 48 लाख डॉलर

लंदन । खिलाड़ियों की राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग के बीच विंबलडन ने कुल इनामी राशि में 20 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी का ऐलान किया। अगले महीने होने वाले इस ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब 36 लाख पाउंड (48 लाख डॉलर) मिलेंगे। ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष डेबोरा जेवन्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि खिलाड़ियों के रोजाना भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) होगी। खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम से होने वाली कमाई में अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में कदम उठाना शुरू किया है। फ्रेंच ओपन से पहले दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा था कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो खिलाड़ियों को किसी ना किसी स्तर पर बहिष्कार करना चाहिए। पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, कोको गॉफ और अन्य खिलाड़ियों ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। इसके बाद रोलां गैरो पर टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से होने वाली कमाई में अपने हिस्से को लेकर सांकेतिक विरोध जताते हुए पत्रकारों के साथ अपने सत्र को 15 मिनट तक ही सीमित रखा। एक साल से कुछ अधिक समय पहले 20 प्रमुख खिलाड़ियों ने चारों ग्रैंडस्लैम के प्रमुखों को एक पत्र भेजा था जिसमें अधिक इनामी राशि और फैसले लेने की प्रक्रिया में अपनी अधिक भागीदारी की मांग की गई थी।

स्टोक्स को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी के साथ ही टीम से बाहर करने पर भड़के वॉन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नाइटक्लब विवाद को लेकर बेन स्टोक्स को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी से हटाने के साथ ही टीम से बाहर करने पर नाराजगी जतायी है। इंग्लैंड और मेहमान टीम न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट केनिंग्टन ओवल, लंदन में 17 जून से खेला जाएगा पर इस मैच से पहले इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने स्टोक और गस एटकिंसन को टीम से बाहर कर दिया है। ईसीबी ने जो रूट को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तान बनाया है। इस फैसले पर भड़े वॉन का मानना है कि स्टोक्स ने जरूर गलती की है, मगर उन्हें कप्तानी से नहीं हटाना चाहिए थे। बता दें, बेन स्टोक्स की अगुवाई में ही इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में हुए पहले टेस्ट में जीत दर्ज कर तीन मैच की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई थी। वॉन ने कहा कि स्टोक्स ने नीयम तोड़कर गलती की थी पर उन्होंने सवाल किया कि क्या यह गलती इतनी गंभीर थी कि उन्हें कप्तानी के पद से हटाया जाए। वॉन ने लिखा, स्टोक्स ने नियम तोड़ा। हां, उन्होंने गलती की। लेकिन क्या यह इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर हटाने लायक गलती है? मुझे ऐसा नहीं लगता। वॉन ने कहा कि ईसीसी को कार्रवाई का पूरा अधिकार है पर वह स्टोक्स को लीडरशिप रोल से हटाने के किसी भी कदम से सहमत नहीं हैं। उन्होंने लिखा, ईसीब को इतना साहसी और मजबूत होना होगा कि वह वही करे जो उसे सही लगता है। अगर इसका मतलब उसे निकालना है तो ठीक है, लेकिन मैं इस मुद्दे पर उस फैसले से सहमत नहीं हूं। वॉन ने स्टोक्स का बचाव ऐसे समय में किया है जब टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के बाद इंग्लैंड के कप्तान का भविष्य चर्चा का विषय बन गया है। यह मानते हुए कि वॉन ने तर्क दिया कि सजा गलती के हिसाब से होनी चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की हाल की सफलता में स्टोक्स की भूमिका को देखते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि फैसले में गलती होने पर कप्तानी अपने आप नहीं चली जानी चाहिए।

टी20 विश्वकप से 60 गुना अधिक है फीफा विश्वकप की इनामी राशि

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिकि, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से हो रहे टी20 विश्कवकप में पिछले बार से भी अधिक इनामी राशि मिलेगी। वहीं अगर टी20 क्रिकेट विश्वकप से तुलना की जाये तो फीफा विश्व की इनामी राशि 60 गुना अधिक है। इस प्रकार देखा जाये तो क्रिकेट और फुटबॉल जैसे दो सबसे लोकप्रिय खेलों के विश्वक कप की इनामी राशि में भारी अंतर है। जिससे सभी हैरान हैं। फीफा विश्व कप 2026 में इस बार कुल 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट से पहले ही फीफा ने इस साल की इनामी राशि घोषित कर दी है। जिसमें पिछली बार के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हुई है। पिछली बार 2022 में फीफा वर्ल्ड प अर्जेंटीना ने खिताब जीता था, और उस समय कुल इनामी राशि 440 मिलियन डॉलर थी। वहीं साल 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 655 मिलियन डॉलर (लगभग 6241 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है।

अब अगर इस विशाल राशि की तुलना हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 से करें, तो यह अंतर और भी हैरान करने वाला हो जाता है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने भारत में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 जीतकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। ऐसे में उसे कुल प्राइज मनी 11.25 मिलियन डॉलर में से विजेता के तौर पर 2.63 मिलियन डॉलर (लगभग 24.28 करोड़ रुपये) मिले थे। वहीं फीफा विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी टी20 वर्ल्ड कप की तुलना में 60 गुना अधिक है। इतना ही नहीं, फीफा विश्व कप में 33वें से 48वें स्थान पर रहने वाली टीमों को भी 9-9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) का इनाम मिलेगा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम इंडिया को मिली राशि से तीन गुना से भी ज्यादा है। और अगर हम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन की इनामी राशि देखें, तो विजेता टीम को 50 मिलियन डॉलर (लगभग 476 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ये टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम की राशि से 19 गुना अधिक है। उप-विजेता टीम को भी 33 मिलियन डॉलर यानी 314 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। वहीं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर (लगभग 276 करोड़ रुपये) मिलेंगे। चौथे स्थान पर 27 मिलियन डॉलर (लगभग 257 करोड़ रुपये) जबकि 5वें से 8वें स्थान तक~ 19 मिलियन डॉलर (लगभग 181 करोड़ रुपये)। 9वें से 16वें स्थान तक~ 15 मिलियन डॉलर (लगभग 143 करोड़ रुपये)।

17वें से 32वें स्थान तक~ 11 मिलियन डॉलर (लगभग 105 करोड़ रुपये) और 33वें से 48वें स्थान तक~ 9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) दिये जाएंगे।

दर्शकों को फिल्म की कमाई या बजट से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' और महेश बाबू की 'वाराणसी' जैसी बड़ी फिल्मों की काफी चर्चा है। लोग इन फिल्मों की कहानी से ज्यादा इनके करोड़ों रुपये के बजट को लेकर बातें कर रहे हैं। मशहूर अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इस बात पर नाराजगी जताई है और दर्शकों को समझाया है कि उन्हें फिल्म की कमाई या बजट से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए।

बजट बताना सिर्फ पब्लिसिटी का एक तरीका है

एक खबर के अनुसार, मनोज बाजपेयी से जब पूछा गया कि 'रामायण' और 'वाराणसी' जैसी फिल्मों के मेकर्स उनके भारी-भरकम बजट का इतना प्रचार क्यों कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि यह सब पब्लिसिटी स्टंट का एक जरिया है। पिछले 15 साल से फिल्मों को हिट दिखाने के लिए इस तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है। मनोज बाजपेयी ने दर्शकों को समझाने के लिए कहा, 'यह बीमारी इतनी बढ़ गई है कि एयरपोर्ट पर मिलने वाले आम लोग भी मुझसे फिल्मों की कमाई के आंकड़े पूछने लगते हैं। मैं उन्हें टोकता हूं कि यह पैसा आपके बैंक खाते में नहीं आ रहा है। दर्शकों का फिल्म से सिर्फ इतना नाता होना चाहिए कि उन्हें फिल्म पसंद आई या नहीं। मेकर्स जिस 500-600 करोड़ रुपये की बात करते हैं, उससे दर्शकों का कोई फायदा नहीं होता। फिल्म का बिजनेस सिर्फ निर्माता का काम है।'

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है, जिसका बजट 4,000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस फिल्म में रणबीर कपूर (भगवान राम), साई पल्लवी (सीता), सनी देओल (हनुमान), रवि दुबे (लक्ष्मण) और यश (रावण) के किरदार में नजर आएंगे। इसका पहला भाग इसी साल दिवाली पर रिलीज हो होगा।

एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वाराणसी' का बजट लगभग 1,400 करोड़ रुपये है। इसमें महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं और प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म से साउथ में वापसी कर रही हैं। खास बात यह है कि यह पूरी तरह से आईमैक्स फॉर्मेट पर शूट होने वाली भारत की पहली फिल्म होगी।

एक्ट्रेस माही विज ने 'सहर होने को है' शो से कहा अलविदा

टीवी एक्ट्रेस माही विज ने टीवी शो 'सहर होने को है' को अलविदा कह दिया है। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस का दिल छू लिया। खास बात यह है कि इस पोस्ट पर उनके एक्स पति जय भानुशाली ने भी कमेंट किया। माही विज ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने मेकअप रूम के दरवाजे के पास नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर भावुकता साफ दिखाई दे रही है। तस्वीर के साथ, उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''आज मैं इस किरदार, इस कमरे और इस पूरे सफर को अलविदा कह रही हूं और अपने साथ अनगिनत खूबसूरत यादें लेकर जा रही हूं। इस किरदार को पर्दे पर जीवंत बनाने का हर पल मेरे लिए बेहद खास रहा। हर सीन, हर इमोशन और हर दिन मेरे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया था। यह अनुभव मैं हमेशा अपने दिल में संजोकर रखूंगी और इसे कभी नहीं भूलूंगी।''

अपने पोस्ट में माही ने उन सभी लोगों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने इस सफर में उनका साथ दिया। उन्होंने निर्देशक, निर्माता, क्रिएटिव टीम, साथी कलाकारों, तकनीकी कर्मचारियों और चैनल से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार जताया। माही ने लिखा, ''इन सभी लोगों के सहयोग, मार्गदर्शन और विश्वास ने मेरे सफर को यादगार बना दिया। अगर पूरी टीम का साथ और भरोसा न मिलता, तो मैं इस किरदार को इतनी खूबसूरती से नहीं निभा पातीं।''

माही ने अपने लोकप्रिय किरदार 'कौसर' का भी खास जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''अब जब मैं जिंदगी में आगे बढ़ रही हूं, तब भी इस किरदार की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। मुझे कौसर की बहुत याद आएगी, क्योंकि इस किरदार ने मुझे दर्शकों के दिलों तक पहुंचाने में मदद की है। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मेरे इस किरदार को प्यार और अपनापन दिया। यह मेरे लिए किसी पुरस्कार से कम नहीं है।'' पोस्ट के आखिर में माही ने लिखा, ''यह मेरी जिंदगी का एक बेहद खूबसूरत अध्याय था और मैं इस सफर को हमेशा याद रखूंगी।''

माही की इस पोस्ट पर सबसे ज्यादा ध्यान जय भानुशाली के कमेंट ने खींचा। जय ने कमेंट में ताली बजाने वाला इमोजी भेजा और माही का हौसला बढ़ाया। इसके जवाब में माही ने भी हार्ट इमोजी भेजकर उनका आभार व्यक्त किया। इसी साल जनवरी में माही विज और जय भानुशाली ने अपनी 14 साल पुरानी शादी खत्म करने की घोषणा की थी। दोनों ने बयान जारी करते हुए बताया था कि हमने किसी विवाद की जगह शांति और सम्मान का रास्ता चुना है। भले ही हमारी जिंदगी की राहें अब अलग हो गई हों, लेकिन हम हमेशा एक-दूसरे का सम्मान करेंगे और जरूरत पड़ने पर साथ खड़े रहेंगे।

'स्वयंभू' के लिए 45 दिन की कड़ी ट्रेनिंग के बाद योद्धा जैसे बने निखिल

निखिल सिद्धार्थ की आगामी फिल्म 'स्वयंभू' लगातार चर्चा में बनी हुई है। टीजर और पहले गीत 'रा रा धीवरा' के बाद अब निर्माताओं ने फिल्म का एक बिहाइंड द सीन्स वीडियो जारी किया है, जिसमें निखिल के योद्धा में बदलने की तैयारी दिखाई गई है। निखिल के जन्मदिन के अवसर पर जारी इस वीडियो में एक्टर 45 दिनों की विशेष ट्रेनिंग लेते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह अंतरराष्ट्रीय स्टंट विशेषज्ञों के साथ एक्शन सीन्स की तैयारी करते दिखाई देते हैं। फिल्म के लिए उन्होंने तलवारबाजी, युद्ध कौशल और शारीरिक प्रशिक्षण पर विशेष मेहनत की है। यह फिल्म एक ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा है, जिसकी कहानी भारतीय इतिहास और पौराणिक परंपराओं से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म का आधार सेंगोल है, जिसे न्याय, धर्म और सत्ता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। हालांकि फिल्म किसी वास्तविक घटना का सीधा चित्रण नहीं होगी, बल्कि सेंगोल से प्रेरित एक कालखंड और योद्धा की कहानी प्रस्तुत करेगी। फिल्म का निर्देशन भरत कृष्णमाचारी ने किया है। टेक्निकल टीम में कई बड़े नाम शामिल हैं।

लेकिन भाषाएं सीखना रोमांचित करता है

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा। अपने इस अनुभव को उन्होंने आईएएनएस संग साझा किया। आईएएनएस से बात करते हुए शरवरी वाघ ने कहा, ''घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था।'' शरवरी ने कहा, ''भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं।'' शरवरी ने कहा, 'अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं। महाराष्ट्र से होने का एक फायदा यह भी मिला कि मुझे दूसरी भाषाओं को समझने और अपनाने में आसानी हुई। भारत की कई भाषाएं एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई हैं। यही वजह है कि नई भाषा सीखने की प्रक्रिया मेरे लिए मुश्किल के बजाय आनंददायक रही।'

एलियन- अर्थ 2 का हिस्सा बनना खास

अभिनेता आदर्श गौरव ने रिडले स्कॉट की फिल्म 'एलियन अर्थ' में स्लाइटली के किरदार के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। अब अभिनेता इस साइंस फिक्शन शो के आगामी दूसरे सीजन में भी वही भूमिका निभाएंगे और जल्द ही शूटिंग के लिए रवाना होने वाले हैं। दूसरे सीजन में पीटर डिंकलेज के शामिल होने से इसको लेकर लोगों का उत्साह और भी बढ़ गया है। आदर्श ने एमी पुरस्कार विजेता इस अभिनेता की जमकर तारीफ की है।

शूटिंग के बाद भी यह मन में रहता है

नोआ हॉली द्वारा निर्मित और दिग्गज फिल्म निर्माता रिडले स्कॉट द्वारा कार्यकारी निर्मित 'एलियन: अर्थ' स्कॉट की प्रतिष्ठित एलियन फिल्मों का स्पिन-ऑफ है। पहले सीजन में आदर्श ने स्लाइटली उर्फ आरुष की भूमिका निभाई, जो मनुष्य और मशीन का एक हाइब्रिड है। आदर्श गौरव ने कहा कि 'एलियन: अर्थ' के सीजन 2 में वापसी करना बेहद खास लगता है। स्लाइटली एक ऐसा किरदार है जो शूटिंग खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक मेरे मन में बसा रहा, क्योंकि उसकी इमोशनली जटिलता और ट्विस्ट ने मुझे दीवाना बना दिया। नोआ हॉली और रिडले स्कॉट द्वारा निर्मित दुनिया में उसे और गहराई से जानने का अवसर मिलना एक अभिनेता के रूप में रोमांचक और बेहद संतोषजनक है।

शूटिंग के लिए निकले आदर्श

'एलियन: अर्थ' में सिडनी चैंडलर, एलेक्स लॉथर, एस्सी डेविस, सैमुअल ब्लेंकिन और बाबौ सीसे मुख्य भूमिका में हैं, जबकि टिमोथी ओलिवेंट एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आते हैं। सीजन 2 में गेम ऑफ थ्रोन्स के मशहूर अभिनेता पीटर डिंकलेज की एंट्री होती है, जिससे एलियन यूनिवर्स का विस्तार होता है। आदर्श ने आगे कहा कि इस अनुभव को वास्तव में उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह है कि मुझे एक टेलेंटेड एक्टर्स के साथ इस लोकप्रिय यूनिवर्स का हिस्सा बनने का मौका मिला। पीटर डिंकलेज, टिमोथी ओलिवेंट और पूरी टीम जैसे कलाकारों के साथ काम करना आपको हर दिन क्रिएटिव रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मैं जून के पहले वीक में शूटिंग के लिए निकल रहा हूं और उसके तुरंत बाद शूटिंग शुरू हो जाएगी। इस सीजन को लेकर काफी उत्सुकता है, क्योंकि इसमें कहानी कहने का तरीका और भी महत्वाकांक्षी हो गया है।

2025 में आया था पहला सीजन

'एलियन: अर्थ' सीजन 1 का प्रीमियर अगस्त 2025 में भारत में जियोहॉटस्टार पर हुआ था। डिज्नी ने घोषणा की कि 'एलियन: अर्थ' के पहले एपिसोड को स्ट्रीमिंग के पहले छह दिनों में ही दुनिया भर में 9.2 मिलियन व्यूज मिले। इस शो को क्रिटिक्स से भी सराहना मिली। दूसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, लेकिन रिलीज डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है।

'तू या मैं' में नजर आए थे आदर्श गौरव

बॉलीवुड में आदर्श गौरव को आखिरी बार बेजॉय नाम्बियार की सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में शनाया कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फरवरी में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही।

हॉरर-कॉमेडी और सुपरनैचुरल तत्वों के इर्द-गिर्द बुनी गई है गोलमाल 5 की कहानी

रोहित शेट्टी की कॉमेडी फ्रेंचाइज 'गोलमाल' की पांचवीं किस्त को लेकर इंडस्ट्री में चर्चाएं तेज हैं। फिल्म अभी बनने की प्रोसेस में है लेकिन प्रोडक्शन और क्रू से जुड़े सूत्रों के हवाले से इसके शेड्यूल, स्टारकास्ट, कहानी और किरदारों से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। खास जानकारी के मुताबिक, इस बार फिल्म में अक्षय की एंट्री सबसे बड़ा आकर्षण होगी, वहीं कहानी हॉरर-कॉमेडी और सुपरनैचुरल तत्वों के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

मुंबई में अगला बड़ा शेड्यूल शुरू होने की तैयारियां चल रही हैं

फिल्म का करीब 80 से 85 प्रतिशत हिस्सा मुंबई के स्टूडियो और अलग-अलग लोकेशंस पर शूट हो रहा है। एक्टर्स को उनके किरदारों के हिसाब से 10 से 15 दिन के स्लॉट में बुलाया जा रहा है। पहला प्रमुख शेड्यूल ऊटी में पूरा हो चुका है, जहां कुछ गानों और पैचवर्क की शूटिंग की गई। इसके अलावा गोवा भी फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा रहेगा। जुलाई से अगला बड़ा शेड्यूल शुरू होगा।

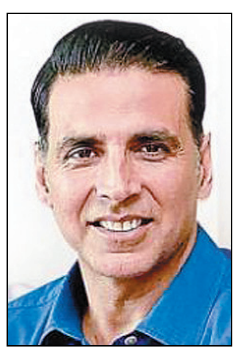

अक्षय का किरदार फिल्म में तमिलनाडु के 'बादशाह' के रूप में दिखाया जाएगा

फिल्म में अक्षय कथित तौर पर मुख्य विलेन या एंटी-हीरो की भूमिका में नजर आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, उनका किरदार 'हाउसफुल 4' के चर्चित 'बाला' अवतार से प्रेरित हो सकता है। कहानी में इस किरदार को तमिलनाडु की पृष्ठभूमि वाले 'बादशाह' नाम से पेश किए जाने की चर्चा है। अक्षय और अजय देवगन-अरशद वारसी की गैंग के बीच एक बड़ा एक्शन-कॉमेडी सीक्वेंस पहले ही शूट किया जा चुका है, जिसे फिल्म का प्रमुख आकर्षण माना जा रहा है।

शरमन जोशी इस बार अजय देवगन नहीं अक्षय की टीम का होंगे हिस्सा

पहली 'गोलमाल' के बाद फ्रेंचाइज से अलग हुए शरमन जोशी इस बार वापसी कर रहे हैं। वे अपने पुराने किरदार और उसी पहचान के साथ कहानी में लौटेंगे। हालांकि इस बार उनका झुकाव गोपाल की टीम के बजाय अक्षय के किरदार की तरफ दिख सकता है, जिससे कहानी में नया संघर्ष पैदा होगा।

बच्ची के रोल के लिए नई चाइल्ड आर्टिस्ट हुई कास्ट

'गोलमाल अगेन' की हॉरर-कॉमेडी सफलता के बाद रोहित शेट्टी उसी जॉनर को ही नए अंदाज में आगे बढ़ा रहे हैं। कहानी एक ऐसी बच्ची के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसके पास रहस्यमयी शक्तियां आ जाती हैं। इस रोल के लिए किसी स्टारकिड को न चुनकर मुंबई से बाहर की एक नई बाल कलाकार को चुना गया है।

रोहित के कॉप यूनिवर्स से रणवीर सिंह के भी कैमियो की है चर्चा

परिणीति चोपड़ा इस बार प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। तबु की मौजूदगी को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। वहीं अजय अपने क्लासिक 'गोपाल' लुक में ही नजर आएंगे। फिल्म में रोहित के कॉप यूनिवर्स से रणवीर सिंह के संभावित स्पेशल अपीयरेंस और क्लाइमैक्स में कुछ सरप्राइज एंट्री की भी चर्चाएं हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
12 जून 2026

संक्षिप्त समाचार

नेपाल : 'फिर खुलेगी 2001 के शाही हत्याकांड की फाइल', दोबारा गृह मंत्री पदभार संभालते ही गुरुंग ने किया एलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के नए गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने मंगलवार को घोषणा की कि वह 2001 के शाही हत्याकांड से जुड़ी फाइल को फिर से खोलेंगे, जिसमें तत्कालीन राजा वीरेंद्र शाह के पूरे परिवार की हत्या कर दी गई थी। पदभार संभालने के बाद गुरुंग ने यह घोषणा की। एक जून 2001 को नेपाल के नारायणहिटी शाही महल में शुक्रवार के रात्रिभोज के दौरान राजा शाह के परिवार के सभी सदस्य मारे गए थे, जिनमें रानी ऐश्वर्या और युवराज दीपेन्द्र शामिल थे। एक आधिकारिक जांच आयोग की रिपोर्ट में कहा गया था कि उस समय के युवराज ही इस हत्याकांड के जिम्मेदार थे। रिपोर्ट के अनुसार, शराब के प्रभाव में दीपेन्द्र ने कथित रूप से अपने पिता, माता, भाई, बहन और अन्य परिवार के सदस्यों को गोली मार दी। बाद में खुद को भी मार लिया। कई लोगों ने उस समय इस रिपोर्ट को खारिज किया था। गुरुंग ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद जांच फिर से शुरू करने की घोषणा की। वह पहले कैबिनेट से वित्तीय अनियमितताओं और अवैध संपत्ति के आरोपों के कारण इस्तीफा दे चुके थे। लेकिन सरकार की ओर से गठित जांच समिति ने उन्हें क्लीन चिट दे दी, जिससे उनकी फिर से नियुक्ति संभव हुई।

पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत, 11 बच्चे भी शामिल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर उसके क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इन हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तानी हवाई हमले अफगानिस्तान के खोस्त, कुनार और पक्तिका प्रांतों में किए गए। उनके अनुसार हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हुई है। तालिबान सरकार ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों को निशाना बनाने वाली कार्रवाई बताया है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इन हमलों को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कई महीनों से सीमा पर तनाव बना हुआ है। फरवरी के अंत से दोनों देशों के बीच लगातार संघर्ष और जवाबी कार्रवाइयां हो रही हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल ऐसे आतंकवादी संगठन कर रहे हैं, जो पाकिस्तान के भीतर हमले करते हैं। विशेष रूप से पाकिस्तान तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर चिंता जताता है। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान में शरण लेकर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं।

भारतीय मूल के छात्रों का एआई में जलवा, व्हाइट हाउस में कई ने जीता राष्ट्रीय सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित समारोह में पहले प्रेसिडेंशियल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैलेंज नेशनल चैंपियन अवॉर्ड्स प्रदान किए। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय मूल के कई छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान हासिल किया। वर्जीनिया के एल्डी शहर की पांच सदस्यीय टीम, जिसमें आरना जायसवाल, ईशानी खत्री, रीवा मट्टा, साम्हिता पिन्नामारेड्डी और सनुली रत्नायके शामिल थीं, ने एलिमेंट्री स्कूल ट्रैक-2 श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। टीम ने स्कूलों में बदमाशी (बुलिंग) की घटनाओं को रोकने के लिए 'फ्रेंडजोन चैटबॉट बुलिंग प्रिवेंशन ऐप' विकसित किया। वहीं, वॉशिंगटन राज्य के सम्मामिश स्थित नॉर्थस्टार मिडिल स्कूल के छात्रों विहा अय्यर, आर्य प्रताप और श्रीमयी शेट्टी ने अपने प्रोजेक्ट 'स्किलअप' के लिए मिडिल स्कूल ट्रैक-1 श्रेणी में राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। हाई स्कूल वर्ग में पेनसिल्वेनिया के अपर डार्बी सीनियर हाई स्कूल के छात्र खंडाकर माहिन ने ट्रैक-1 श्रेणी में राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब जीता। उनका प्रोजेक्ट 'आपराधिक जांच में होटल के कमरों की पहचान के लिए कंप्यूटर विजन का उपयोग' विषय पर आधारित था। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने छात्रों की सराहना की और उन्हें अमेरिका का भविष्य बताया। उन्होंने कहा, 'व्हाइट हाउस में नवाचार से भरपूर इस प्रतिभाशाली समूह का स्वागत करना बेहद सुखद है। मुझे गर्व है कि आप अमेरिका की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। आप ही हमारा भविष्य हैं।' प्रेसिडेंशियल एआई चैलेंज में अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, प्यूर्टो रिको और विदेशों में स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं।

अमेरिका-ईरान के बीच टूटा युद्धविराम, यूएस ने तेहरान पर दागीं मिसाइलें; आईआरजीसी ने दी धमकी

तेहरान , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्धविराम टूट गया है। सैन्य हेलिकॉप्टर को निशाना बनाए जाने के बाद अमेरिका बुरी तरह से ईरान पर भड़क गया है और अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू कर दिए हैं। वहीं आईआरजीसी ने भी एक बयान जारी कर रहा है कि वे भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

रडार और एयर डिफेंस पर हमला : अमेरिकी हमलों में मुख्य रूप से होर्मुज के आसपास मौजूद कई ईरानी एयर डिफेंस और रडार सिस्टम को निशाना बनाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि केशम द्वीप पर छह बड़े धमाकों की भयंकर आवाजें सुनाई दी हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह भीषण अटैक ड्रोन से नहीं बल्कि लड़ाकू विमानों से किया गया है। बंदर अब्बास और सिरिक में भी भारी प्रोजेक्टाइल के टकराने की आधिकारिक पुष्टि की गई है। अमेरिकी हमलों के जवाब में अब ईरान ने भी अमेरिकी बेसों पर अपना सीधा हमला शुरू करने का बड़ा दावा किया है। ईरान की टॉप जॉइंट मिलिट्री कमांड खतम अल-अंबिया ने कहा कि दक्षिणी ईरान में अमेरिकी आक्रामकता का जवाब दिया गया है। उन्होंने इलाके में मौजूद कुछ अहम अमेरिकी ठिकानों को अपना निशाना बनाया है। मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार जास्क इलाके में भी लगातार बड़े धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।

पायलटों का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन : राहत की बात यह है कि दुर्घटनाग्रस्त अपाचे हेलिकॉप्टर के दोनों पायलटों को अमेरिकी सेना ने सुरक्षित बचा लिया है। इन दोनों पायलटों का रेस्क्यू ड्रोन की मदद से बहुत ही सफलतापूर्वक किया गया था। लेकिन ट्रंप के अनुसार यह हमला जानबूझकर किया गया था और इसका बदला जरूर लिया जाएगा। अमेरिका ने कहा है कि उनका यह वर्तमान मिशन अब पूरी तरह से सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अमेरिका को बहुत ही सख्त और सीधी चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि हमारी ताकतवर सेना किसी भी बाहरी हमले या खतरे का जवाब दिए बिना बिलकुल नहीं छोड़ेगी। अराघची ने कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं तो हमारे इलाके से तुरंत चले जाएं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का कहना है कि ये हमले ईरान को सिर्फ एक बड़ी चेतावनी देने के लिए हैं। जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान का हमला ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सेना वाले सैन्य अड्डे पर हमला किया; हालांकि, अभी तक जॉर्डन और अमेरिका की ओर से इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है।

ईरान हमलों के खिलाफ कुवैत की जवाबी कार्रवाई : ईरान के इस एलान के बाद कि उसने अमेरिकी हवाई हमलों का बदला लेने के लिए पश्चिम एशिया के इस देश को निशाना बनाया है, कुवैत का कहना है कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर दागीं मिसाइलें, आईआरजीसी ने जवाबी हमले की धमकी दी ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि अमेरिका के हमलों के जवाब में अमेरिकी सेना की बहरीन में मौजूद पांचवीं फ्लीट पर ड्रोन हमला किया गया है। आईआरजीसी ने ये भी कहा कि अगर अमेरिका के हमले जारी रहे तो वे भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे। वहीं अमेरिका ने हमले रोकने के संकेत दिए हैं और कहा है कि ईरान पर हमले आत्मरक्षा में किए गए और अब हमले पूरे हो गए हैं।

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक स्तर पर बढ़ी महंगाई : 28 फरवरी से अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इसके चलते ऊर्जा कीमतों में तेजी आई है और खाद्य पदार्थों समेत कई आवश्यक वस्तुएं महंगी हुई हैं। हालांकि अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक स्थायी शांति समझौता नहीं हो सका है। इस बीच, इस्राइल ने लेबनान में ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है, जिससे क्षेत्रीय तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

टूटने के कगार पर पहुंचा ईरान–अमेरिका युद्धविराम : यह घटना ऐसे समय हुई है जब दो महीने पुराने संघर्षविराम पर पहले से ही संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक दिन पहले ही ईरान और इस्राइल के बीच संघर्षविराम लागू होने के बाद पहली बार दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए थे। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, इस्राइली हमलों में ईरान की वायु रक्षा इकाइयों के कम से कम दो सदस्य मारे गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, उनका अपाचे हेलिकॉप्टर ओमान के तट के निकट उस समय गिर गया, जब वह एक ईरानी ड्रोन से टकरा गया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह टक्कर जानबूझकर कराई गई थी।

नॉर्डिक-बाल्टिक सम्मेलन: एस्टोनिया पहुंचे वोलोदिमिर जेलेंस्की, रूस पर दबाव बढ़ाने समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

ताल्लिन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की मंगलवार को एस्टोनिया पहुंचे। वह यहां नॉर्डिक और बाल्टिक देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और एस्टोनियाई समकक्ष अलार कारिस से मुलाकात करेंगे। एस्टोनिया के सरकारी प्रसारक ईआरआर ने यह जानकारी दी।

एस्टोनिया की राजधानी ताल्लिन में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस समय एस्टोनिया एनबी8 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। एनबी8 में पांच नॉर्डिक और तीन बाल्टिक देश शामिल हैं। सम्मेलन में इन देशों के प्रधानमंत्रियों के साथ जेलेंस्की भी शामिल हुए हैं।

जेलेंस्की के साथ उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्का भी एस्टोनिया पहुंची हैं। एस्टोनिया के विदेश मंत्रालय ने स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट की। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब यूक्रेनी ड्रोन हमलों को लेकर इलाके में तनाव बढ़ा हुआ है। पिछले कुछ महीनों में कई यूक्रेनी ड्रोन गलती से इस क्षेत्र में पहुंचे हैं। वहीं, यूक्रेन ने बाल्टिक सागर के उन बंदरगाहों पर हमले तेज कर दिए हैं, जहां से रूस तेल का निर्यात करता है। यूक्रेन चाहता है कि इन हमलों से रूस को आर्थिक नुकसान हो और उस पर युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़े। रूसी हमलों में तीन लोगों की मौत दूसरी ओर, रूस ने भी यूक्रेन पर हमले जारी रखे हैं। पूर्वोत्तरी खारकीव क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन बच्चों समेत 25 लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने यह जानकारी दी। निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में भी रात के समय कई जिलों पर हमले हुए, जिनमें तीन लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा ने इसकी पुष्टि की। रातभर मार गिराए 146 रूसी ड्रोनः यूक्रेनी वायुसेना यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने रातभर में यूक्रेन पर 166 लंबी दूरी के ड्रोन और दो निर्देशित मिसाइलें दागीं। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने इनमें से 146 ड्रोन मार गिराए।

रूक्ष के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रातभर में 140 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए। बेलगोरोद क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन के एक अपार्टमेंट इमारत से टकराने के कारण एक महिला की मौत हो गई। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा भी ताल्लिन पहुंचे। वहां उन्होंने एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गुस साहकना से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने यूक्रेन की सुरक्षा, रूस पर दबाव बढ़ाने और यूरोपीय संघ में यूक्रेन की सदस्यता की कोशिशों पर चर्चा की। साहकना ने एक्स पर लिखा कि एस्टोनिया यूक्रेन के साथ तब तक खड़ा रहेगा, जब तक जरूरत होगी।

शी जिनपिंग का उत्तर कोरिया दौराः सहमति का दावा बड़ा, पर हाथ रहा खाली; नहीं हुआ कोई ठोस समझौता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया की दो दिनी यात्रा पूरी करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के साथ महत्वपूर्ण सहमति पर पहुंचने के दावा किया। हालांकि, दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई।

उत्तर कोरिया की यात्रा के पहले दिन सोमवार को जिनपिंग ने किम को चीन के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया था। यह सात साल बाद जिनपिंग की उत्तर कोरिया की यात्रा थी। दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई और चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर किसी भी वार्ता से संबंधित सवालों का जवाब देने से इन्कार कर दिया। उत्तर कोरिया, जिसने 2006 से कई परमाणु परीक्षण किए हैं, सार्वजनिक रूप से खुद को परमाणु-आयुध से लैस देश बताता है, लेकिन बीजिंग कोरियाई प्रायद्वीप पर परमाणु हथियारों के विरोध में है और परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन करता है।

बीजिंग के रुख में बदलाव नहीं : उत्तर कोरिया की जिनपिंग की यात्रा के परिणामों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने संकेत दिया कि कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर बीजिंग के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। परमाणु निरस्त्रीकरण से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, चीन कोरियाई प्रायद्वीप के मुद्दे पर अपनी स्थिति और नीति में निरंतरता और स्थिरता बनाए हुए है।

चीनी प्रवक्ता ने कहा, चीन कूटनीति, कानून प्रवर्तन, सैन्य और अन्य क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए तैयार है, ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान और शक्ति का साझा उपयोग किया जा सके। उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर जिनपिंग और किम के बीच हुई किसी भी चर्चा का सरकारी मीडिया ने स्पष्ट रूप से कोई उल्लेख नहीं किया है।

अमेरिका में मौत की सजा पर नया विवादः अलबामा में नाइट्रोजन गैस से मृत्युदंड पर रोक, जज ने बताया असांविधानिक और क्रूर

मॉन्टगोमेरी, एजेंसी। अमेरिका के अलबामा राज्य में नाइट्रोजन गैस के जरिए दी जाने वाली मौत की सजा पर बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने इस तरीके को संविधान के खिलाफ और अत्यधिक क्रूर बताते हुए एक कैदी की प्रस्तावित सजा पर स्थायी रोक लगा दी है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश एमिली सी. मार्क्स ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि नाइट्रोजन गैस के जरिए मौत की सजा देना संविधान में दिए गए क्रूर और असामान्य सजा पर प्रतिबंध का उल्लंघन करता है।

कैदी को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने पर स्थायी रोक : यह फैसला उस समय आया जब एक अपीलीय अदालत ने एक दिन पहले ही उनके पुराने फैसले को पलट दिया था, जिसमें इस पद्धति को सांविधानिक माना गया था। जज मार्क्स ने कैदी जेफरी ली को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने पर स्थायी रोक लगा दी। जेफरी ली को गुरुवार को अलबामा की एक जेल में मृत्युदंड दिया जाना थी। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य चाहे तो अन्य स्वीकृत तरीकों से सजा-ए-मौत को लागू कर सकता है। अलबामा में फिलहाल घातक इंजेक्शन (लीथल इंजेक्शन) और इलेक्ट्रिक चेयर भी वैध मृत्युदंड के तरीके हैं। जज ने कहा कि जेफरी ली को इन तरीकों से फांसी रोकने का अधिकार नहीं है।

'मौत की सजा के हर तरीके को दी जा सकती है चुनौती' : अपने 26 पन्नों के फैसले में जज मार्क्स ने कहा कि मौत की सजा के हर तरीके को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने लिखा कि अगर राज्य फायरिंग स्क्वाड को भी अपनाए तो उसके खिलाफ भी कानूनी चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने यह भी माना कि संविधान दर्दरहित मौत की गारंटी नहीं देता, लेकिन किसी व्यक्ति की जान लेने की प्रक्रिया में दर्द का जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता।

राज्य को अन्य विकल्प अपनाने की छूट : दिलचस्प बात यह है कि जज ने कहा कि राज्य चाहे तो ली की पसंदीदा फांसी की विधि, यानी फायरिंग स्क्वाड, को अपना सकता है। अमेरिकी कानून के तहत फांसी की विधि को चुनौती देने वाले कैदी को कोई वैकल्पिक तरीका भी सुझाना होता है। जज ने कहा कि राज्य के पास फायरिंग स्क्वाड के लिए आवश्यक हथियार, गोला-बारूद और प्रशिक्षण की व्यवस्था करने की क्षमता है। जेफरी ली 1998 में हुई एक दोहरे हत्या की वारदात में दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार उसने एक गिरवी दुकान (पॉनशॉप) में लूटपाट के दौरान दुकान मालिक जिमी एलिस और कर्मचारी एलेन थॉम्पसन की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आर्टेमिस 3: नासा ने किया क्रू का एलान, 2027 में होगा बड़ा परीक्षण; स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन में रेस

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने महत्वाकांक्षी आर्टेमिस 3 मिशन के लिए यात्रियों के नामों की घोषणा कर दी है। यह मिशन इंसानों को दोबारा चांद पर उतारने की दिशा में नासा का एक बेहद अहम कदम है। यह एलान आर्टेमिस II मिशन की ऐतिहासिक कामयाबी के ठीक दो महीने बाद किया गया है। बता दें कि आर्टेमिस II ने हाल ही में चंद्रमा का चक्कर लगाकर अपोलो 13 का सबसे लंबी दूरी का रिकॉर्ड तोड़ा था।

धरती की कक्षा में परीक्षा : आर्टेमिस III मिशन के तहत चुने गए अंतरिक्ष यात्री सीधे चांद पर नहीं जाएंगे। नासा के रैंडी ब्रेसनिक, फ्रैंक रुबियो, आंद्रे डगलस और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के लुका परमितानो इस बार चांद की सतह पर कदम नहीं रखेंगे। इसके बजाय, यह क्रू दो सप्ताह तक पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस दौरान ये अंतरिक्ष यात्री अपने ओरियन कैप्सूल को दो कमर्शियल लूनर लैंडर्स के साथ डॉक करने का कड़ा अभ्यास करेंगे। मिशन कमांडर रैंडी ब्रेसनिक ने कहा कि उनकी टीम अंतरिक्ष में इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं मिशन विशेषज्ञ आंद्रे डगलस ने इस चयन पर बेहद खुशी जताई है।

अरबपतियों के बीच होड़ : इस पूरे प्रोजेक्ट में दुनिया के दो सबसे बड़े रईसों के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन लूनर लैंडर बनाने की रेस में शामिल हैं। नासा ने इस दो हफ्ते के डेमो मिशन के लिए साल 2027 का लक्ष्य रखा है। हालांकि, जेफ बेजोस की कंपनी ब्लड ओरिजिन को हाल ही में एक बड़ा झटका लगा है। फ्लोरिडा में लॉन्च पैड पर इंजन परीक्षण के दौरान कंपनी का एक विशाल रॉकेट धमाके के साथ उड़ गया। इस धमाके से आसपास के घर हिल गए और आसमान में आग का एक बड़ा गोला दिखाई दिया। इस झटके के बावजूद नासा के जेरेमी पार्सन्स ने भरोसा जताया है कि ब्लू ओरिजिन समय पर रॉकेट तैयार कर लेगी।

मिशन मून से मिशन मार्स : नासा का आर्टेमिस कार्यक्रम 1970 के दशक के बाद पहली बार इंसानों को चांद पर वापस ले जाने की कोशिश है। नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने हाल ही में इस पूरे कार्यक्रम में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। अब इस मिशन को अपोलो युग की तरह ही तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी है।

नई योजना के मुताबिक, साल 2027 में पृथ्वी की कक्षा में होने वाले इस परीक्षण के बाद साल 2028 में अंतरिक्ष यात्रियों को सीधे चांद की सतह पर उतारा जाएगा। इसके साथ ही, नासा ने मून बेस बनाने के लिए ब्लू ओरिजिन सहित चार कंपनियों को करोड़ों डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट दिए हैं। जेरेड इसाकमैन के अनुसार, इस मून बेस का असली मकसद भविष्य के मंगल मिशन (मार्स एक्सपीडिशन) की नींव रखना है।

नस्लीय तनाव से घिरे मर्डर केस में कार्मेलो को 35 साल जेल की सजा

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका का टेक्सास पिछले साल एक सनसनीखेज हत्याकांड से दहल उठा था। यहां नस्लीय तनाव से घिरे मर्डर केस में आखिरकार अदालत का फैसला आ गया है। कॉलिन काउंटी की जूरी ने 19 साल के कार्मेलो एंथनी को 17 वर्षीय ऑस्टिन मेटकाफ की हत्या का दोषी पाया है। जूरी के इस फैसले के बाद अदालत ने कार्मेलो एंथनी को 35 साल जेल की सजा सुनाई है। फैसला आते ही अदालत के बाहर कार्मेलो के समर्थकों और पुलिस के बीच हिंसा की खबरें भी सामने आई हैं। घटना 2 अप्रैल 2025 की है। यहां फ्रिस्को के डेविड कुयकेंडल स्टेडियम में एक इंटर-स्कूल रेस ट्रैक कॉम्पीटीशन चल रही थी। तेज बारिश और आंधी के कारण खेल को थोड़ी देर के लिए रोक दिया गया था। जानकारी के मुताबिक ऑस्टिन मेटकाफ 'मेमोरियल हाई स्कूल' का छात्र था और कार्मेलो एंथनी 'सेंटेनियल हाई स्कूल' का। चूंकि सेंटेनियल स्कूल का वहां कोई टेंट नहीं था, इसलिए कार्मेलो बारिश से बचने के लिए मेमोरियल हाई स्कूल के टीम टेंट के नीचे जाकर बैठ गया। वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ऑस्टिन मेटकाफ और उसके जुड़वां भाई हंटर मेटकाफ समेत करीब 15 छात्रों ने कार्मेलो को उनका टेंट छोड़कर जाने को कहा। बहस बढ़ने पर ऑस्टिन ने कार्मेलो को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। इससे कार्मेलो बुरी तरह भड़क गया। गुस्से में कार्मेलो ने अपने बैग से एक धारदार चाकू निकाली और ऑस्टिन के सीने पर दे मारा। ऑस्टिन ने अपने जुड़वां

खारिज : इस मामले में अदालत की सुनवाई पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी। बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी ने यह कदम सेल्फ डिफेंस यानी आत्मरक्षा में उठाया था। कार्मेलो के वकील ने अदालत को बताया कि ऑस्टिन मेटकाफ शारीरिक रूप से कार्मेलो से 50 से 60 पाउंड भारी और लंबा था और जब उसने कार्मेलो को धकेलना शुरू किया तब उसने अपनी जान बचाने के लिए आत्मरक्षा में वह कदम उठाया। वहीं सरकारी वकील ने कहा कि चाकू से वार जान लेने के मकसद से किया गया। गवाहों के हवाले से यह नज साबित किया गया कि चाकू मारने से ठीक पहले कार्मेलो ने ऑस्टिन को धमकी देते हुए कहा था, 'मुझे छूकर देखो फिर अंजाम भुगतना।' वहीं डॉक्टरों ने भी कोर्ट में गवाही दी कि घाव इतना गहरा था कि ऑस्टिन का बचना नामुमकिन था। यह मामला अमेरिका में इसलिए भी राष्ट्रीय सुर्खियों में रहा क्योंकि आरोपी कार्मेलो एंथनी अश्वेत है और मृतक ऑस्टिन मेटकाफ श्वेत था। इस वजह से केस को नस्लीय रंग भी दिया गया। आरोपी को बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिला और सोशल मीडिया पर कार्मेलो के समर्थन में अभियान भी चले। कार्मेलो को कानूनी लड़ाई लड़ने में मदद के लिए ऑनलाइन क्राउडफंडिंग के जरिए 5,15,000 डॉलर यानी 4.3 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई गई। मदद के लिए जुटाए गए इन पैसों पर विवाद भी हुआ। आरोप लगे कि दोषी ने इन पैसों से एक आलीशान घर और गाड़ी खरीदी। हालांकि क्राउडफंडिंग कंपनी ने इन खबरों को खारिज करते

पीओके में प्रोटेस्ट की सजा मौत, चार नेताओं के सिर पर 1 करोड़ का इनाम

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शनों और हड़ताल के बाद सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच भीषण हिंसक झड़पें हुई हैं। इन झड़पों में एक डॉक्टर और एक महिला समेत कई लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हुए हैं। हालात बेकाबू होने के बाद पीओके प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं ठप कर दी हैं। प्रदर्शनों को कुचलने के लिए प्रशासन ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के 4 नेताओं की गिरफ्तारी पर एक करोड़ पाकिस्तानी रुपये का इनाम घोषित किया है। यह वही संगठन है जिसे पिछले हफ्ते बैन किया गया है और जो इस पूरे इलाके में हो रहे प्रदर्शनों के केंद्र में है। पाकिस्तान द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई क्रूर कार्रवाई में अब

हिंसक झड़प में कई लोगों की मौत : मीरपुर विजन (मीरपुर, भिंबर और कोटली जिले) से प्रदर्शनकारियों ने मुजफ्फराबाद की ओर अपना मार्च शुरू किया, जिसके बाद कई जगहों पर पुलिस से उनकी सीधी भिड़ंत हुई। सबसे हिंसक झड़पें कोटली शहर में हुईं। स्थानीय निवासियों और पीओके कैबिनेट के सदस्यों के मुताबिक, इन झड़पों में एक डॉक्टर और एक महिला सहित कई लोगों की जान गई है और दर्जनों लोग घायल हैं।

बताया जा रहा है कि एक डॉक्टर अपने घर की छत पर थे, तभी उन्हें गोली लग गई। मीरपुर के बाहरी इलाके में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

नेताओं पर देशद्रोह का केस और 1 करोड़ का इनाम : पीओके के गृह विभाग ने जेएएसी नेता शौकत नवाज मीर

कार्यवाही शुरू करने के आदेश दिए हैं। इन पर अपने भाषणों, वीडियो और ऑडियो के जरिए देशद्रोह फैलाने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे चार प्रमुख नेताओं - शौकत नवाज मीर, उमर नजीर कश्मीरी, ख्वाजा मेहरान अरशद और सरदार अमान खान की गिरफ्तारी के

इंटरनेट सेवाएं ठप, जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित : विरोध को दबाने के लिए पूरे पीओके में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे वहां से सही जानकारी बाहर नहीं आ पा रही है। सभी शहरों और कस्बों में पूर्ण हड़ताल है। बैंक, मेडिकल स्टोर और परिवहन पूरी तरह से ठप संभाल लिया है। इस बीच, वकीलों ने भी छूष्ट के कोर मेंबर और वरिष्ठ वकील अमजद अली खान की गिरफ्तारी के विरोध में न्यायिक कामकाज का पूरी तरह से बहिष्कार कर दिया है।

विदेशी एजेंसियों से संपर्क के आरोप में 5 गिरफ्तार : खुफिया इनपुट के आधार पर पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने मुजफ्फराबाद से पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। सरकारी न्यूज एजेंसी के दावों के मुताबिक, पूछताछ के बाद भारी मात्रा में हथियार (7 स्वचालित हथियार, कई ग्रेनेड और सैन्य उपकरण) बरामद हुए हैं। जांचकर्ताओं का दावा है कि इन संदिग्धों के विदेशी खुफिया एजेंसियों से संपर्क होने के सबूत मिले हैं।

पीओके के पीएम की अपील–'बातचीत की मेज पर लौटें' : पीओके के कठपतली प्रधानमंत्री फैसल ममताज राठौर

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.